हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● शुक्रवार ● 26.09.2025 ● वर्ष : 16 ● अंक : 64 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

मुख्यमंत्री ने सहायक प्राध्यापकों, दन्त चिकित्सकों एवं चिकित्सा पदाधिकारियों को सौंपा नियुक्ति पत्र

स्वास्थ्य संरचनाओं को बेहतर करने के लिए लगातार हो रहे हैं प्रयास : हेमन्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : धरती पर "भगवान" के रूप में आपकी नियुक्ति हो रही है। आपसे इस राज्य की गरीब, कमजोर और असहाय जनता को काफी आशा और उम्मीदें हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि आप अपनी सेवा भावना से यहां की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत और बेहतर करेंगे। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन गुरुवार को झारखंड मंत्रालय में स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 160 सहायक प्राध्यापकों, दन्त चिकित्सकों एवं चिकित्सा पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की स्वास्थ्य संरचना मजबूत करने की दिशा में चिकित्सा पदाधिकारियों की नियुक्ति एक बड़ा कदम है। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त चिकित्सा पदाधिकारियों से कहा कि आपने अपने कैरियर के रूप में स्वास्थ्य के क्षेत्र को चुना है। आपको बेहतर भविष्य बनाने के लिए आगे भी कई अवसर मिलेंगे। मेरा मानना है कि स्वास्थ्य एक ऐसा क्षेत्र है, जहां आपकी सेवाएं काफी मायने रखती है। आप जिस सोच के साथ इस क्षेत्र में आए हैं, वैसे में यहां की गरीब और असहाय जनता के प्रति आपकी संवेदनाएं होनी चाहिए।

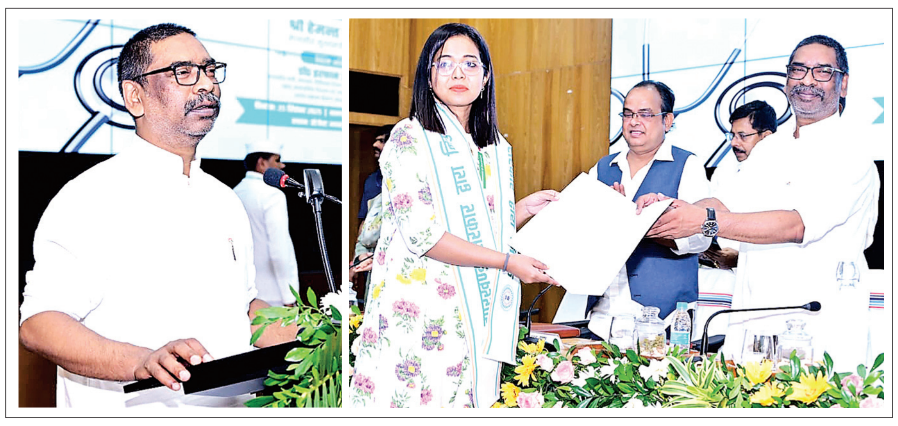

सीमित संसाधनों में भी काफी कुछ किया जा सकता है

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पास संसाधन सीमित है। लेकिन, इन सीमित संसाधनों के बीच भी करने के लिए काफी कुछ है, बस इसके लिए उसे करने का जुनून होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मरीजों को जितना इलाज की जरूरत है, उतना ही आपकी संवेदना और सेवा की भी। आप अपने व्यवहार और प्रभाव से मरीजों को काफी हद तक बेहतर माहौल दे सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में नित्य नई चुनौतियां आ रही हैं। इसके लिए चिकित्सा के क्षेत्र बेहतर करने के लिए निरंतर अनुसंधान भी हो रहे हैं। इस दिशा में चिकित्सकों की काफी अहम भूमिका है। सरकार ने भी एक ऐसी व्यवस्था बनाई है, जिसमें आप सभी का सहयोग लेकर स्वास्थ्य संरचना को मजबूत करना है, ताकि लोगों को बेहतर इलाज के लिए संसाधन और सुविधाएं मिल सके।

समस्या हम पैदा कर रहे हैं समाधान भी हमें ही निकालना है

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज नई-नई बीमारियां सामने आ रही हैं। लोग अलग-अलग बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। मेरा मानना है कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में ऐसी समस्याएं मनुष्य द्वारा ही पैदा की जा रही है। ऐसे में इसका समाधान भी हम सभी को मिलकर करना है।

बेहतर कार्य करने वाले चिकित्सा कर्मियों को सम्मानित करें

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग से कहा कि वह स्वास्थ्य के क्षेत्र में राज्य के अलग-अलग इलाकों में पदस्थापित चिकित्सकों के कार्यों और सेवाओं का आकलन कर बेहतर कार्य करने वालों को सम्मानित किए जाने की परंपरा शुरू करे। इससे उनका मनोबल बढ़ेगा और वे अपना बेहतर देने के लिए प्रेरित होंगे।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने स्वास्थ्य विभाग के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में 160 चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इनमें जेपीएससी द्वारा नियुक्त 54 सहायक प्राध्यापक, एनएचएम के द्वारा अनुबंध पर नियुक्त 55 विशेषज्ञ चिकित्सा पदाधिकारी, 38 चिकित्सा पदाधिकारी तथा 13 दंत चिकित्सक शामिल हैं। इस बैठक में स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, अभियान निदेशक, एनएचएम शशि प्रकाश झा, एमडी, जेएमएचआईडीपी अबु इमरान एवं स्वास्थ्य विभाग की विशेष सचिव डॉ नेहा अरोड़ा मौजूद थीं।

गयाजी में बड़ा हादसा, रील बनाने के दौरान 9 लड़के नदी में डूबे, 5 की मौत

एजेंसी

गयाजी : बिहार के गयाजी में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। खिजरसराय थाना क्षेत्र के केनी पुल के पास, रील बनाने के चक्कर में 9 लड़के नदी में डूब गए, जिसमें से 5 की मौत हो गई।

कैसे हुआ हादसा?

यह घटना तब हुई जब ये सभी लड़के स्कूल से लौट रहे थे। वे नदी किनारे वीडियो बनाने लगे और गहरे पानी में चले गए। जब वे डूबने लगे तो उनकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े। लोगों ने सभी 9 लड़कों को जैसे-तैसे बाहर निकाला और तुरंत बेलागंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहाँ से दो लड़कों को बेहतर इलाज के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया। वहीं, सात लड़कों को बेलागंज के स्वास्थ्य केंद्र में ही भर्ती किया गया, जिनमें से पांच की मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि यह सभी लड़के 11वीं और 12वीं कक्षा के छात्र थे। इस हादसे की खबर मिलते ही उनके परिवारों में मातम पसर गया है और उनका रो-रोकर बुरा हाल है। नीमचक बथानी अनुमंडल के एसडीएम केशव आनंद ने बताया कि छह लड़कों की पहचान हो चुकी है। इनके नाम हैं: तौसीफ, जासिफ, साहिल, जैम, सुफियान और साजिद। घटना की आगे की जानकारी पुलिस जुटा रही है। वहीं, इलाज करा रहे लड़के ही सही तरीके से बता पाएंगे कि यह हादसा कैसे हुआ। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि क्या इन लड़कों में कोई सगे भाई या एक ही परिवार के सदस्य थे।

यहां पानी गहरा होने की वजह से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। बावजूद इसके कोई रोक-टोक नहीं है। अचानक हुए इस हादसे से पूरे इलाके में मातम छा गया है। इधर अंचलाधिकारी केशव आनंद ने बताया कि कुल छह युवक तौसीफ, आसिफ, शाहीद, जैन, सुफियान और साजिद को मगध मेडिकल कालेज अस्पताल गयाजी के लिए रेफर किया गया है।

एक नजर

बिहार चुनाव के लिए बीजेपी ने धर्मेंद्र प्रधान को बनाया प्रभारी

नयी दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को बिहार, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के प्रभारी और सह प्रभारी की घोषणा की। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को बिहार और भूपेंद्र यादव को पश्चिम बंगाल का चुनाव प्रभारी बनाया गया है। भाजपा महासचिव अरुण सिंह ने एक बयान में बताया कि पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने धर्मेंद्र प्रधान को बिहार चुनाव का प्रभारी नियुक्त किया है। इसके साथ केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को सह-प्रभारी नियुक्त किया है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को पश्चिम बंगाल के लिए पार्टी का चुनाव प्रभारी और बिप्लब कुमार देब को सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। बैजयंत पांडा को तमिलनाडु का चुनाव प्रभारी और मुरलीधर मोहोल को सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है।

दुनिया के 91 देशों में 150 स्थानों पर होगा विकसित भारत रन का आयोजन

नयी दिल्ली : राष्ट्र निर्माण में सामूहिक प्रयास को प्रेरित करने के लिए युवा एवं खेल मामलों का मंत्रालय विदेश मंत्रालय के सहयोग से सेवा पखवाड़ा के दौरान 'विकसित भारत रन-2025' का आयोजन करेगा। यह दौड़ 91 देशों में 150 से अधिक स्थानों पर पहली बार आयोजित होगी। मंत्रालय के मुताबिक अधिकांश दौड़ 28 सितंबर को आयोजित की जाएगी। 'रन टू सर्व द नेशन' टैगलाइन के साथ आयोजित यह सामुदायिक दौड़ 3 से 5 किलोमीटर की दूरी पर होगी। आयोजन के लिए विश्वभर के प्रतिष्ठित और प्रतीकात्मक स्थान चुने गए हैं, जिनमें मैक्सिको सिटी का एंजेल ऑफ इंडिपेंडेंस, सूरीनाम के पारामारिबो का यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल और सैन फ्रांसिस्को का गोल्डन गेट ब्रिज शामिल हैं। इस दौड़ में प्रवासी भारतीय युवा, स्थानीय समुदाय, छात्र, पेशेवर भाग लेंगे। प्रतिभागी आत्मनिर्भर भारत की प्रतिज्ञा लेंगे, 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण अभियान में हिस्सा लेंगे और माई भारत पोर्टल से जुड़ेंगे। इस पहल के जरिए प्रवासी भारतीयों, भारतीय मूल के व्यक्तियों और स्थानीय समुदायों को जोड़ने पर भी बल दिया गया है। भारतीय मिशन सांस्कृतिक संगठनों और सामुदायिक समूहों के साथ मिलकर युवाओं को संगठित करने का कार्य करेंगे।

21वीं सदी में स्वच्छ ऊर्जा में आगे रहने वाले देश ही सफल : मोदी

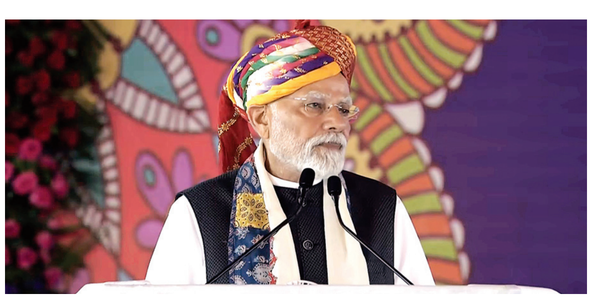

एजेंसी

बांसवाड़ा : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को राजस्थान के बांसवाड़ा से देशभर में विकास परियोजनाओं की श्रृंखला का उद्घाटन और शिलान्यास किया। कुल 1.22 लाख करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं की शुरूआत करते हुए उन्होंने इसे 'ऊर्जा शक्ति' को समर्पित बताया। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में देशों को विकास के लिए अपने यहां बिजली उत्पादन बढ़ाना होगा। इसमें स्वच्छ ऊर्जा में आगे रहने वाले देश ही सफल रहेंगे। इस दिशा में उनकी सरकार स्वच्छ ऊर्जा अभियान को जन आंदोलन बनाकर आगे बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री ने इस दौरान एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा कि बिजली आज के युग में विकास की रीढ़ है। इस दौरान बांसवाड़ा में देश की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक माही बांसवाड़ा राजस्थान एटॉमिक पावर प्रोजेक्ट की नींव रखी गई और इसकी लागत लगभग 42 हजार करोड़ रुपये है। इसमें चार स्वदेशी 700 मेगावाट रिएक्टर होंगे। स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में प्रधानमंत्री ने राजस्थान, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और कर्नाटक में विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास किया। राजस्थान में सौर परियोजनाएं फलोदी, जैसलमेर, जालौर और सीकर में शुरू हुईं। साथ ही बाड़मेर में ग्रिड सबस्टेशन और कई ट्रांसमिशन लाइनें भी शुरू की गईं, जो 15.5 गीगावाट हरित ऊर्जा को देशभर में पहुंचाएंगी। प्रधानमंत्री ने पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत किसानों को सौर पंप और सौर फीडर उपलब्ध कराने की परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

10 नक्सलियों ने डीजीपी के समक्ष किया आत्मसमर्पण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : झारखंड के चााईबासा में पुलिस को गुरुवार को बड़ी सफलता मिली है। भाकपा माओवादी संगठन के 10 नक्सलियों ने महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता के समक्ष आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का एलान किया। आत्मसमर्पण करने वालों में 6 पुरुष और 4 महिला नक्सली शामिल हैं।

इस मौके पर झारखंड सीआरपीएफ आईजी साकेत सिंह, आईजी अभियान माइकल राज एस, आईजी एसटीएफ, डीआईजी कोल्हान, डीआईजी स्पेशल ब्रांच, चाईबासा एसपी सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे।

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को डीजीपी गुप्ता ने माला पहनाकर स्वागत किया। ये सभी नक्सली लंबे समय से कोल्हान एवं सारंडा क्षेत्र में सक्रिय थे और कई मामलों में वांछित थे। इनमें एरिया कमेटी सदस्य रांदो बोइपाई उर्फ कांति बोइपाई और दस्ते के सदस्य गार्टी कोड़ा, जॉन उर्फ जोहन पूरती, निरसो सीदू उर्फ आशा, घोनोर देवगम, गोमेया कोड़ा उर्फ टारजन, कैरा कोड़ा, कैरी कायम उर्फ गुलांची, सावित्री गोप उर्फ मुतुरी उर्फ फुटबॉल और प्रदीप सिंह मुण्डा शामिल हैं। ये सभी हत्या, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, आर्म्स एक्ट, यूएपीए और सीएलए एक्ट के तहत दर्ज कई गंभीर आपराधिक मामलों में आरोपित रहे हैं।

डीजीपी अनुराग गुप्ता ने इसे झारखंड पुलिस की बड़ी कामयाबी बताते हुए कहा कि राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर लगातार नक्सली मुख्यधारा में लौट रहे हैं। उन्होंने कहा कि विगत तीन वर्षों में पश्चिमी सिंहभूम जिले से 26 नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके हैं। आज के आत्मसमर्पण से माओवादी संगठन को बड़ा झटका लगा है और चाईबासा और कोल्हान क्षेत्र में नक्सली और उग्रवादी गतिविधियों पर और अंकुश लगेगा।

नक्सलवाद को खत्म करने के लिए अपनाएं ठोस रणनीति : डीजीपी

पश्चिमी सिंहभूम : डीजीपी अनुराग गुप्ता गुरुवार को चाईबासा पहुंचे, जहां उन्होंने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि राज्य पुलिस शहीदों के परिवारों की सुरक्षा और सहायता के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। वहीं मौके पर डीजीपी ने प्रेस वार्ता के बाद पुलिस अधिकारियों के साथ सारंडा में बैठक की। बैठक में नक्सली गतिविधियों और चल रहे नक्सल विरोधी अभियानों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने के लिए हर स्तर पर ठोस रणनीति अपनाई जाए और स्थानीय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। डीजीपी ने कहा कि झारखंड पुलिस नक्सलियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार है और सारंडा एवं आसपास के क्षेत्रों में शांति स्थापित करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

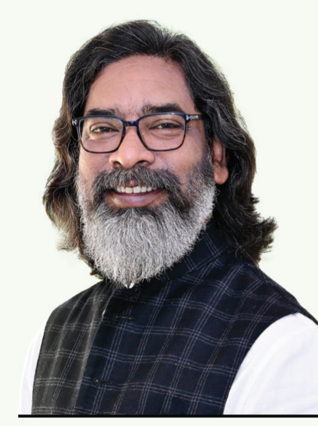

मेरे प्यारे झारखण्ड वासियों
जोहार !

कुपोषण मुक्त झारखण्ड के संकल्प को साकार करने हेतु 17 सितम्बर, 2025 से 16 अक्टूबर, 2025 तक 'पोषण माह' के रुप में मनाया जा रहा है। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि स्वस्थ शरीर के लिए सही पोषण अति आवश्यक है। विशेष रुप से किशोरी बालिकाओं, गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पौष्टिक आहार के साथ-साथ उचित व्यवहार का पालन का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। राज्य में स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में निरंतर प्रयासों के कारण विगत पांच वर्षों में मातृ मृत्यु दर तथा शिशु मृत्यु दर में कमी आई है।

झारखण्ड प्रदेश को प्रकृति ने विभिन्न प्रकार के हरी साग-सब्जियों, मोटे अनाज एवं मौसमी फलों का उपहार दिया है, जो हमारे घर-आंगन के आस-पास अत्यंत आसानी से कम मूल्य में उपलब्ध हैं। अपने भोजन में इनका समावेश कुपोषण को दूर करने में हमारी बहुत मदद कर सकता है। साथ ही, अपने आस-पास मौजूद लोगों में मोटापा दूर करने हेतु नमक, चीनी एवं वसा का उपयोग कम करने हेतु प्रोत्साहित करें ताकि, मोटापा से संबंधित विभिन्न रोगों से बचा जा सके। इसके लिए महिलाओं के साथ-साथ पुरुषों को भी कंधे से कंधा मिलाकर चलना होगा, ताकि पूरे जन समुदाय के खान-पान की आदतों में सुधार हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार हो सके। पोषण माह के दौरान, वृद्धि निगरानी, ऊपरी आहार के महत्व का व्यापक प्रचार-प्रसार, पोषण भी पढ़ाई भी को बढ़ावा देने एवं समग्र पोषण पर जागरुकता फैलाने हेतु राज्य/जिला/परियोजना/आंगनबाड़ी केन्द्रों पर विभिन्न विभागों के समन्वय से विभिन्न गतिविधियां जन आंदोलन के रुप में आयोजित की जाएंगी। आंगनबाड़ी केन्द्रों, शिक्षण संस्थानों तथा पंचायतों आदि में अन्नप्राशन, गोदभराई, पोषण रैली, पोषण रथ, पोषण पर चर्चा, वाद-विवाद प्रतियोगिता, रचनात्मक गतिविधियां यथा रंगोली प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता तथा अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिससे समुदाय का पोषण के विषय पर ज्ञानवर्द्धन हो सके।

मेरा अनुरोध है कि विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें एवं पोषण के संदेशों को घर-घर तक पहुंचाएं ताकि, कुपोषण मुक्त झारखण्ड का हमारा सपना साकार हो सके।

सुपोषित झारखण्ड, साक्षर झारखण्ड, सशक्त झारखण्ड !

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार

PR- 362885 (Social Welfare,Women and Child Development) 25-26

एक नजर

भाजपाइयों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की मनाई जयंती

बड़कागांव : पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 109 वीं जयंती हरली पंचायत भवन में बड़कागांव पूर्वी उरीमारी मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो की अध्यक्षता एवं किसान मोर्चा अध्यक्ष त्रिवेणी महतो के संचालन में मनाई गई। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने बारी बारी से दीनदयाल उपाध्याय की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। वहीं मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जीवनी पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। मौके पर मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो, मंडल सांसद प्रतिनिधि महेंद्र महतो, किसान मोर्चा अध्यक्ष त्रिवेणी महतो, उपाध्यक्ष किशोर राणा, कोषाध्यक्ष ज्ञानचंद कुमार उर्फ ज्ञानी, बलदेव राम, सचिदानंद पांडेय, रवि दांगी, नागेश्वर महतो, राम राणा, कुलेश्वर महतो, प्रयाग महतो समेत कई महिला पुरुष शामिल थे।

भारत टायर एजेंसी का सांसद ने किया उद्घाटन

बड़कागांव : हजारीबाग रोड स्थित बर पेड़ के समीप नए संस्थान भारत टायर एजेंसी का शुभारंभ किया गया। बतौर मुख्य अतिथि सांसद मनीष जायसवाल एवं विधायक रोशन लाल चौधरी शामिल हुए। सांसद ने ने फीता काटकर संस्थान का उद्घाटन किया । प्रोपराइटर पंकज कुमार ने बताया कि हमारे संस्थान में उचित मूल्य पर अपोलो एवं बीकेटी कंपनी की सभी प्रकार की वाहनों की टायर मिलेगी। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप आजसू केंद्रीय सदस्य संदीप, सांसद मीडिया प्रभारी रंजन चौधरी , प्रोपराइटर पंकज कुमार अनामिका कुमारी, शोभा देवी, नगीना देवी ,आदित्य , प्रणव कुमार, आनंद कुमार, अभिनव कुमार, घनश्याम दांगी, मोहित कुमार ,बबलू मेहता, राकेश मिश्रा, हाईवा संगठन के अध्यक्ष बसंत यादव, नरेंद्र राम ,अवध मेहता, सुनील यादव, बंटी कुमार, चंदन कुमार, कमलेश कुमार, राजू यादव, प्रमोद यादव, मोहम्मद कौसर, करम साव, खेमलाल महतो, प्रदीप कुमार के अलावा अन्य शामिल थे।

जिप उपाध्यक्ष ने बेलहरा में फुटबॉल मैच किया उद्घाटन

बरही : विजैया पंचायत के बजरंग क्लब बेलहारा द्वारा फुटबॉल प्रतियोगिता का किया गया। बतौर मुख्य अतिथि जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव ने फीता काटकर फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि इस तरह के आयोजनों से युवाओं में ऊर्जा और अनुशासन का विकास होता है। उद्घाटन मैच तेलोडीह एवं धवारी के बीच खेला गया। उद्घाटन मैच में खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीत लिया। कार्यक्रम में पंचायत समिति प्रतिनिधि रोहित यादव समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बड़कागांव में पारस हॉस्पिटल द्वारा मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन

बड़कागांव : हजारीबाग जिले के बड़कागांव प्रखंड के विधायक रौशन लाल चौधरी जी के आवास(गुरु चट्टी)में कल 27 सितंबर को मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन शनिवार 11.00 बजे से पारस ऐच ई सी के तरफ से आयोजन किया जा रहा है। जिसमें विभिन्न विभागों के डॉक्टर मोजुदगी रहेगी जैसे हृदय रोग, कैंसर का रोग, पेट का रोग, महिला रोग, हड्डियों का रोग इन सभी बिमारी का ईलाज मुमकिन होगा पारस हॉस्पिटल के सीनियर डॉक्टर के द्वारा किया जा रहा है।

हजारीबाग जिला का डीएमएफटी न्यास परिषद की बैठक संपन्न

स्वास्थ्य विभाग में डीएमएफटी के राशि का लूट पर कड़ी कार्रवाई की मांग, जनहित के कई प्रस्तावों पर लगी मुहर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) की न्यास परिषद की महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को जिला उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में बतौर सदस्य शामिल हुए हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने स्वास्थ्य विभाग खासकर शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में डीएमएफटी की राशि के दुरुपयोग और इंजीनियरिंग सेल के कथित 'एस्टीमेट घोटाले' पर गंभीर सवाल उठाते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की। बैठक में जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा हुई और उनके समाधान की दिशा में सार्थक कदम उठाने की बात कही गई। सांसद मनीष जायसवाल ने शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आधारभूत संरचना और मेडिकल उपक्रमों की खरीद में भारी लूट का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि करोड़ों के उपकरण जनउपयोगी बताकर खरीदे गए, लेकिन आज वे धूल फांक रहे हैं। सांसद मनीष जायसवाल ने प्रमुखता से शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कार्डिएक एम्बुलेंस, ट्रामा सेंटर का ओटी और वेंटिलेटर, पीडियाट्रिक वेंटिलेटर, फोटोथेरेपी मशीन, मल्टी पारा मॉनिटर, सेमी फ्लोर बेड सहित कई जरूरी मेडिकल उपक्रम बेकार पड़े हैं जो 'ढाक के तीन पात' साबित हो रहे हैं, जिले के इंजीनियरिंग सेल पर एस्टीमेट के नाम पर मनमानी और घपला करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने स्कूल उन्नयन कार्य और अन्य मरम्मत कार्यों के स्टीमेट घोटाले की प्रॉपर जांच की मांग की। सांसद मनीष जायसवाल ने मांग की कि पूर्व में एसबीएमसीएच और स्वास्थ्य विभाग में डीएमएफटी मद से किए गए विकास कार्यों और खरीदे गए एम्बुलेंस व उपक्रमों का जनहित में उपयोग सुनिश्चित किया जाए। साथ ही वर्षों से इन उपक्रमों को निष्क्रिय रखने के लिए जिम्मेदार लोगों को चिन्हित कर उनपर कड़ी कार्रवाई की जाए। चिकित्सकों के डेप्युटेशन पर रोकः उन्होंने कहा कि डीएमएफटी से बहाल चिकित्सकों को उनके मूल पदस्थापन से हटाकर मुख्यालय में डेप्युटेशन करा लिया जाता है, जिससे बहाली का मूल उद्देश्य पूरा नहीं हो पाता। उन्होंने डीसी स्तर से अनुमति प्राप्त कर ही डेप्युटेशन सुनिश्चित करने की बात कही। बैठक में निर्णय लिया गया कि हजारीबाग जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र में तब्दील करने और सोलर पैनल युक्त करने के लिए मिशन मोड में कार्य किया जाएगा। जिले के 60% तक के शत-प्रतिशत दिव्यांग जनों को बैट्री संचालित ट्राई साईकिल उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उनके जीवन को सुगम बनाया जा सके।

भाजपाइयों ने मनाई पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही धनबाद रोड स्थित भाजपा कार्यालय में पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती मनाई गई। जिसकी अध्यक्षता पश्चिमी मंडल अध्यक्ष भगवान केशरी एवं संचालन भाजपा युवा नेता रितेश गुप्ता ने किया। जिसमें मुख्य रूप से भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर समेत दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए। जयंती समारोह में मौजूद सभी कार्यकर्ताओं ने बारी - बारी से पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष भगवान केशरी ने कार्यकताओं से दीन दयाल उपाध्याय की विचारों और जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने कहा कि उपाध्याय जी का एकात्म मानववाद आज भी समाज के लिए प्रासंगिक है। मौके पर योगेन्द्र यादव, जिप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, भाजपा नेता सुरेंद्र रजक, इंद्रदेव ठाकुर, कुलदीप यादव, उपेंद्र सिंह, सौरभ सिंह, अमित गौरव, दिनेश साव, मणितोष यादव, पंकज बर्नवाल, मोहम्मद इलियास, संजय यादव, विनोद यादव, महेश दास एवं मन्नू कुमार समेत कई अन्य भाजपाई कार्यकर्ता मौजूद थे।

चौपारण पुलिस ने दो बोरी डोडा सहित एम्बुलेंस को किया जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : चौपारण में तस्कर तस्करी करने के लिए नयाब तरीका अपना रहे हैं। अलग-अलग तरह से तस्करी करना अब तस्करों को भारी पड़ रहा है। बृहस्पतिवार को लोग तब अचंभित हो गए हैं जब मानव को बचाने वाले एंबुलेंस में डोडा पकड़ा गया। थानेदार सरोज सिंह चौधरी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक महोदय हजारीबाग को गुप्त सुचना मिली की चौपारण थाना अंतर्गत दनुआ से बिहार की और एक मारुती वेन एम्बुलेंस जिसका पंजीकरण संख्या बीआर 02पीबी-6505 में अवैध रूप से डोडा लोड कर तस्करी किये जाने की सुचना है। उक्त सुचना के आलोक में त्वरित करवाई करते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरही अनुमंडल के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी के क्रम में चौपारण थाना अंतर्गत चोरदाह चेक नाका में वाहन जांच प्रारंभ किया गया। चोरदाह चेक नाका में वाहन जांच के क्रम में दनुवा की तरफ से एक एम्बुलेंस चेक नाका पहुंचने से पहले रोड में एम्बुलेंस को खड़ा कर 'के एम्बुलेंस का चालक गाडी छोड़ के जंगल की तरफ भाग गया जिसे पकड़ने का प्रयास किया गया परन्तु जंगल का लाभ उठा कर चालाक भाग गया। तत्पश्चात अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में उक्त एम्बुलेंस की विधिवत जांच किया गया। जांच के क्रम में यह पाया गया कि अम्बुलेंस के अन्दर पेशेंट वाली सीट के निचे दो बोरा में डोड़ा छुपा के रखा हुआ है जिसमें 43.650 केजी डोडा है। जिसे विधिवत जप्ती कर थाना लाया गया। इस आलोक में अवैध रुपे डोडा की तस्करी करने के आरोप में उक्त अम्बुलेंस चालक, मालिक तथा अज्ञात डोडा तस्कर के बिरुद्ध चौपारण थाना काण्ड संख्या 265/25, धारा-317(5)/3(5) बीएनएस एवं 15(सी)/18 (बी)/25/27(ए) एनडीपीएस एक्ट के तहत काण्ड दर्ज कर अग्रिम कारवाई की जा रही है। फरार अभियुक्त के बिरुद्ध छापामारी की जा रही है।

बड़कागांव दैनिक बाजार दुर्गा मंदिर में भागवत कथा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव दैनिक बाजार में अश्वनी दुर्गा पूजा समिति की ओर से भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है आज शुक्रवार को समापन होगा। कथा सुनने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। अयोध्या से आए पूज्य गरुणेश जी महाराज और उनकी टीम के द्वारा भागवत कथा प्रस्तुत किया जा रहा है। भागवत कथा संपन्न होने के बाद 28 तारीख को बच्चों की डांस कंपटीशन का फाइनल होगा। वही 30 तारीख अष्टमी की रोज महा आरती के अलावा रांची के कलाकारों के द्वारा भक्ति जागरण का कार्यक्रम, नवमी को नागपुरी एवं हिंदी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन तथा दशमी की रोज पुरस्कार वितरण एवं भंडारा का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूजा समिति में शामिल अध्यक्ष दीपक कुमार, सचिव राजू कुमार, कोषाध्यक्ष सानी कुमार, उप कोषाध्यक्ष कुलदीप कुमार उपाध्यक्ष सुजीत कुमार, किशोर कुमार उपसचिव देवेंद्र कुमार, सरोज कुमार संरक्षक मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार, शशि कुमार मेहता, पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, कुशवाहा समाज अध्यक्ष लालमनी महतो, मनोरंजन मंत्री जितेंद्र कुमार, राकेश कुमार रंजन, संगठन मंत्री अश्विनी कुमार, संयोजक सत्यदेव कुमार, पुजारी नीरज कुमार, पूजा प्रभारी जयराज महतो, डेकोरेशन प्रभारी प्रकाश कुमार समेत कई लोगो का योगदान दिया जा रहा है।

विधि व्यवस्था को लेकर प्रशासन ने दुर्गा पूजा पंडालों का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड में अश्वनी दुर्गा पूजा शांतिपूर्वक संपन्न कराने को लेकर गुरुवार को एसडीपीओ पवन कुमार, बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल एवं बड़कागांव थाना प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता ने स्थानीय प्रशासन की ओर से प्रखंड में तमाम दुर्गा पूजा पंडाल का भ्रमण किया निरीक्षण किया। इस दौरान प्रशासन की ओर से पूजा समिति को कई विशेष दिशा निर्देश दिए गए, जिसमें विधि व्यवस्था को लेकर सीसीटीवी कैमरा लगाने के अलावा पूजा अर्चना में शांति व्यवस्था को लेकर वालंटियर ,तथा महिला पुरुष की अलग-अलग दीर्घा बनाने के लिए पूजा समिति को विशेष दिशा निर्देश दिया गया है । ताकि पूजा करने के लिए किसी भी श्रद्धालुओं को परेशानी नहीं हो। बादम, हरली, गोंदलपूरा,साँड़, अंबाजीत, नापोखुर्द, मोहगाई कला, बड़कागांव गुरु चट्टी आदि क्षेत्र का भ्रमण किया गया।

नमो फुटबॉल टूर्नामेंट-2025 के कटकमसांडी प्रखंड का 16 दिनों बाद हुआ शानदार फाइनल

पुरुष वर्ग में मेजबान कटकमसांडी और महिला वर्ग में कस्तूरबा विद्यालय की टीम बनी विजेता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा सांसद मनीष जायसवाल द्वारा आयोजित हजारीबाग जिले का सबसे बड़ा और चर्चित लोकप्रिय फुटबॉल टूर्नामेंट नमो फुटबॉल टूर्नामेंट-2025 का 16 दिनों के बाद कटकमसांडी प्रखंड में गुरुवार को शानदार समापन हुआ। झमाझम बारिश के बीच संसद खेल महोत्सव के तहत कटकमसांडी में नमो फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले के दौरान दर्शकों ने खूब मनोरंजन किया और फाइनल होते ही मैदान में आतिशबाजी की खूब गूंज हुई साथ ही हिप हिप हुर्रे के नारे से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा। यहां इस टूर्नामेंट में पुरुष वर्ग में कटकमसांडी प्रखंड क्षेत्र की कुल 64 टीमों ने भाग लिया। जिसमें इस टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर गदोखर और करिवासन की टीम ने करते हुए फाइनल में जगह बनाई। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला बेहद ही रोमांचक हुआ और सुहाना मौसम के बीच खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बना। इस टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला गदोखर टीम बनाम करिवासन टीम के बीच खेला गया। दोनों टीमों के बीच बेहद रोमांचक और संघर्षपूर्ण मुकाबला हुआ जिसमें दिनों टीमें बराबरी पर रही। जिसके बाद दोनों टीमों के बीच प्लेंटी शूटआउट के जरिए निर्णय हुआ गादोखर टीम ने 5 गोल और करिवासन टीम ने 4 गोल किया। 1 गोल से आगे रहकर गदोखर की टीम विजयी हुई और टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। विजेता, उपविजेता टीमों और उत्कृष्ट खिलाड़ियों को विधायक मनीष जायसवाल की ओर से पुरस्कृत कर सम्मानित भी किया गया। टूर्नामेंट में मेन ऑफ द मैच गदोखर टीम के रोशन कुमार, गोल्डन बूट करिवासन टीम के मान सिंह और बेस्ट गोलकीपर कटकमसांडी टीम के साजन सिंह को दिया गया। टूर्नामेंट विजेता गदोखर टीम को 25 हजार का चेक और आकर्षक नमो ट्रॉफी एवं शानदार नमो मेडल एवं उपविजेता करिवासन टीम को 15 हजार का चेक, आकर्षक नमो ट्रॉफी एवं शानदार नमो मेडल भेंट किया गया।

संक्षिप्त खबरें

ओल्ड एज होम में पेलावल विकास मंच का 20वां स्थापना दिवस संपन्न

हजारीबाग : पेलावल विकास मंच पूर्व की तरह 20 वां स्थापना दिवस ओल्ड एज होम (वृद्धा आश्रम) में मनाया। वहां रहे रहे वृद्धजनों से उनका हाल चाल जाना और उनसे उनकी पूर्व की जीवन गाथा को जानने का प्रयास किया। उल्लेखनीय है कि इस आश्रम में कुल 23 बुजुर्ग अपनी शेष जीवन इसी आश्रम में गुजार रहे हैं। पेलावल विकास मंच के अध्यक्ष एम हक भारती ने कहा कि विडंबना है कि इन्हें अपना रचाया-बसाया घर,अंतिम घड़ी तक नसीब हो पाया। बेटे-बहु को जहां इन बुजुर्गों की सेवा करनी चाहिए थी, वहीं इन्हें यहां छोड़ गए। इन बुजुर्गों को पीवीएम के संरक्षक डॉ. एके मेहता,समाजसेवी सह झारखंड आंदोलनकारी रामावतार भगत एवं अध्यक्ष सह संस्थापक एम.हक भारती ने अपने-अपने संबोधन में उनकी हौसला अफजाई करते हुए सबों को एक परिवार के सदस्यों के समान ही प्रेम-भाव से रहने का आग्रह किया। उनसे पीवीएम के सदस्यों के लिए दुआएं मांगी ताकि सब नेक राह पे चलें। इस कार्यक्रम में मंच के उपाध्यक्ष सुधीर ठाकुर, उप सचिव इंजमामुल हक भारती, उप कोषाध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा, निर्मल कुमार एवं समाजसेवी मुमताज अंसारी आदि उपस्थित रहे।

एकल अभियान कटकमदाग संच में मासिक अभ्यास वर्ग की हुई बैठक फोटो।

हजारीबाग : हजारीबाग जिले के कटकमदाग संच का मासिक अभ्यास वर्ग का आयोजन किया गया। इस अभ्यास वर्ग में कटकमदाग संच की सभी आचार्या शामिल हुई। संच प्रशिक्षक धनंजय पांडेय ने सभी आचार्यों से मासिक प्रगति पत्रक प्राप्त कर उनकी समीक्षा की। बैठक में पहुंचे संच अध्यक्ष इंद्र नारायण कुशवाहा, संच उपाध्यक्ष जगन्नाथ प्रसाद ने एकल अभियान के तहत उपलब्ध कराई गई शिक्षण सामग्री का वितरण किया। संच अध्यक्ष इंद्र नारायण ने आचार्यों को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन से प्राप्त शिक्षण सामग्री को बच्चों के बीच वितरण करें। ताकि बच्चे उसे अपने उपयोग में ला सकें। संच उपाध्यक्ष जगन्नाथ प्रसाद ने कहा कि एकल अभियान सेवा कार्य है। सेवा भाव से काम करें। आत्मीय संतुष्टि मिलेगी। मौके पर समिति के अन्य सदस्यों के साथ आचार्य लोग मौजूद रहे।

एक्सिस बैंक ने बाजार में चलाया स्वच्छता अभियान

चतरा : भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक दिन, एक घंटा, एक साथ राष्ट्रव्यापी स्वच्छता श्रमदान अभियान शुरू किया गया था। यह एक राष्ट्रव्यापी स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम है, जो प्रत्येक वर्ष 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के अवसर पर आयोजित की जाती है। यह अभियान पंडित जी के जीवन और आदर्शों से प्रेरित है, जो राष्ट्र निर्माण में समाज के अंतिम व्यक्ति की भागीदारी पर जोर देते थे। एक्सिस बैंक चतरा ने स्वच्छता पखवाड़ा के श्रृखलाबद्ध कार्यक्रम में आज प्रात: 8 से 9 बजे तक एक दिन, एक घंटा, एक साथ श्रमदान अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें बैंक अधिकारी, समेत आम नागरिक शामिल थे। सभी ने मिलकर बैंक के निकट बाजार में स्वच्छता कार्य किया। इस अभियान का उद्देश्य सिर्फ इस इलाके की सफाई करना नहीं, बल्कि पूरे देश को स्वच्छता के प्रति जागरूक और सामूहिक जिम्मेवारी की भावना को प्रबल करना था। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से बैंक शाखा प्रबंधक उज्ज्वल कुमार सिंह, सेल्स मैनेजर अमरेश सिंह, सिन्धु सिंह,प्रदुम्न कुमार सिंह, आनंद सिंह, निशांत रंजन कुमार, प्रणेश मिश्रा , कुंदन कुमार, सुरेंद्र कुमार, देव कुमार, शमशाद कुमार पार्वती कुमारी, रजनीश कुमार समेत कई लोग शामिल थे।

माता चंद्रघंटा की संध्या आरती में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

बरही : बिजैया में दुर्गा पूजा समिति की ओर से दुर्गा पूजा उत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए दुर्गा पूजा समिति की ओर से पूजा को सम्पन्न कराने के लिए कई विभाग बनाए गए। प्रत्येक विभाग के संचालन के लिए अध्यक्ष सचिव सहित स्वयं सेवकों की टीम बनाई गई है। माता (चंद्रघंटा) की संध्या आरती में काफी श्रद्धालु शामिल होकर पूजा अर्चना की। आरके वर्मा ने बताया कि जिस तरह से एक छोटे से गांव में पंडाल से लेकर पूरे कार्यक्रम तक तैयारी चल रही है। प्रखंड स्तर पर इसकी चर्चा खूब हो रही है। सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति बिजैया में आयोजित हो रहे मेला और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है। पूजा उत्सव को सफल बनाने में ग्रामीण संतोष कुमार, सुरेंद्र कुमार, विकास कुमार, सुनील कुमार ,श्रवण कुमार, रविंद्र कुमार वर्मा, सीताराम कुमार , किशोर प्रसाद, राजेंद्र कुमार, अनूप मोदी, रंजीत कुमार, रविंद्र कुमार ,चंद्रिका प्रसाद, रणजीत कुमार वर्मा, अरुण राना, दशरथ महतो ,वीरेंद्र महतो, रामजी प्रसाद, राजेंद्र प्रसाद, उमेश प्रसाद ,प्रदीप प्रसाद, केदार महतो ,केदार यादव, कैलाश रविदास, मनोज रविदास, उमेश प्रसाद, संतोष कुमार, सीताराम कुमार रवि यादव, सुखदेव कुमार आदि लोग लगे हुए हैं।

एक नजर

हिंदू आस्था, विश्वास और धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ न हो : विहिप

रांची : राजधानी रांची के रातू रोड स्थित आरआर स्पोर्टिंग क्लब द्वारा बनाए गए दुर्गा पूजा पंडाल को लेकर बड़ा विवाद हो गया है। पंडाल को इटली के रोम में स्थित वेटिकन संग्रहालय के रूप में बनाया गया है, जिस पर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने कड़ा विरोध जताया है। विश्व हिंदू परिषद झारखंड-बिहार के क्षेत्र मंत्री डॉ बिरेन्द्र साहु ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि माता भगवती किसी चर्च में नहीं अपितु मंदिर में विराजमान होती हैं। किसी चर्च के आकार के पंडाल में माता भगवती को विराजमान करना हिंदू आस्था, विश्वास एवं धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ करना है। इस तरह से दृश्य दिखाकर झारखंड में धर्मांतरण करने वालों को बल दिया जा रहा है। डॉ साहु ने आरआर स्पोर्टिंग क्लब के आयोजकों से आग्रह किया है कि माता भगवती को किसी चर्च में नहीं मंदिर में विराजमान करें।

भैरव सिंह को चुटिया केस में उच्च न्यायालय से राहत नहीं

रांची : हिंदूवादी नेता भैरव सिंह को न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। गुरुवार को भैरव सिंह की जमानत याचिका पर आंशिक सुनवाई के बाद उसने अपनी याचिका वापस ले ली है। भैरव सिंह ने उच्च न्यायालय से जमानत की गुहार लगाते हुए जमानत याचिका दायर की थी लेकिन उच्च न्यायालय का रूख देखते हुए उसने अपनी याचिका वापस ले ली। भैरव सिंह की जमानत याचिका पर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस राजेश कुमार की कोर्ट में सुनवाई हुई। भैरव सिंह की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार ने बहस की। वहीं अधिवक्ता अमन कुमार राहुल ने जमानत याचिका का विरोध किया। जिस मामले में भैरव सिंह ने जमानत मांगी है, वह मामला रांची के चुटिया थाना में हुए विवाद से जुड़ा हुआ केस है। इस संबंध में चुटिया थाना में कांड संख्या 125/2025 दर्ज की गई है। रांची सिविल कोर्ट ने 13 अगस्त को इस केस में भैरव सिंह को जमानत देने से इनकार किया था।

राजद के प्रदेश महासचिव बने मनोज पांडेय

रांची : मनोज कुमार पांडेय को प्रदेश राजद का महासचिव बनाया गया है। झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक संजय सिंह यादव ने इससे संबंधित सूची जारी की है। यह जानकारी मनोज कुमार पांडेय ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। उन्होंने महासचिव मनोनीत किए जाने पर कहा कि राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और बिहार के प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव, झारखंड प्रभारी जयप्रकाश नारायण यादव, राष्ट्रीय महासचिव भोला यादव, अब्दुल बारी सिद्दीकी सहित पार्टी के अन्य नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव के विचार और तेजस्वी यादव के मार्गदर्शन से वे राज्य के गांव-गांव में बुथ स्तर पर संगठन को और धारदार बनाने का प्रयास करेंगे।

माता कुष्मांडा का हुआ विधि-विधान से पूजा-अर्चना

रांची : राजधानी रांची के मंदिरों और विभिन्न पूजा पंडालों एवं स्थानीय लोगों के घरों में गुरुवार को नावरात्रि के चौथे दिन नौ दुर्गा के चौथे रूप मां कुष्मांडा का विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई। रांची के मेन रोड स्थित चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति, बकरी बजार स्थित नवयुवक संघ, राजस्थान मित्र मंडल, जिला स्कूल मैदान में बने रामलला दुर्गा पूजा समिति, कोकर स्थित कोकर दुर्गा पूजा समिति, कचहरी रोड स्थित बिहार क्लब दुर्गा पूजा समिति, अरगोडा स्थित अरगोडा दुर्गा पूजा समिति सहित विभिन्न पूजा पंडालों में मां दुर्गा के चौथे स्वरूप की विधिवत पूजा की गई।

दुर्गा पूजा को लेकर ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव, भारी वाहनों का प्रवेश रहेगा वर्जित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची में दुर्गा पूजा को लेकर ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया गया है। यह बदलाव 27 सितंबर से दो अक्टूबर तक लागू रहेगा। इस संबंध में बुधवार को ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने आदेश जारी कर दिया है। इस दौरान शहर के मुख्य मार्गों पर वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध रहेगा ताकि दुर्गा पूजा घूमने आए लोगों को किसी भी तरह की परेशानी न हो। दुर्गा पूजा के दौरान ट्रैफिक जाम से बचने के लिए शहर के अंदर भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। ये गाड़ियां सुबह आठ बजे से अगले दिन सुबह चार बजे तक शहर में प्रवेश नहीं कर पाएंगी। केवल आवश्यक सामान ले जाने वाले वाहन ही सुबह चार बजे से आठ बजे के बीच शहर में आ-जा सकेंगे। इन नियमों का पालन कर आप दुर्गा पूजा का आनंद बिना किसी परेशानी के उठा सकते हैं।

भारी वाहनों को रोकने के लिए इन जगहों पर बनाये गये है ड्रॉप गेट

लॉ यूनिवर्सिटी, कांके। बोड़ेया रिंग रोड। बीआईटी रिंग रोड। खेलगांव से कोकर जाने वाला मार्ग। दुर्गा सोरेन चौक से कांटाटोली और मकचुंद टोली जाने वाला मार्ग। रामपुर, खरसीदाग, ब्रीजफोर्ड स्कूल, सतरंजी स्कूल। बिरसा चौक और शहीद मैदान।

निजी और यात्री वाहनों के लिए ट्रैफिक रूट में बदलाव

मेन रोड : कचहरी चौक से शहीद चौक, फिरायालाल चौक और सुजाता चौक की तरफ वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा। सुजाता चौक से आने वाले वाहन केवल सैनिक मार्केट और जीईएल चर्च कॉम्प्लेक्स तक ही जा सकेंगे।

पिस्का मोड़ से रातू रोड : पिस्का मोड़ से न्यू मार्केट (रातु रोड) की तरफ आने वाली छोटी गाड़ियां मीनाक्षी सिनेमा मोड़ से पहाड़ी मंदिर होते हुए किशोरगंज चौक और फिर हरमू चौक की ओर जाएंगी।

हरमू से किशोरगंज/रातू रोड : हरमू की ओर से किशोरगंज होते हुए रातू रोड की तरफ आने वाली चार पहिया गाड़ियां केवल किशोरगंज चौक तक ही जा पाएंगी। दोपहिया वाहन किशोरगंज से आगे पहाड़ी मंदिर और मीनाक्षी सिनेमा मोड़ होते हुए पिस्का मोड़ जा सकेंगे।

हरमू बाईपास रोड : पिस्का मोड़ जाने वाले छोटे चार पहिया वाहन बीजेपी कार्यालय के पास से पीपर टोली होते हुए कटहल मोड़ और हेहल अंचल से गुजरेंगे। कांके रोड से आने वाले वाहन जाकिर हुसैन पार्क और रेडियम रोड से होकर कचहरी चौक तक जा सकते हैं। लालपुर चौक से कचहरी चौक आने वाले वाहन जेपीएससी कार्यालय तक ही जाएंगे। बरियातू रोड से अल्बर्ट एक्का चौक जाने वाले वाहन लाइन टैंक रोड स्थित रामगढ़ ट्रेकर पड़ाव तक जाएंगे।

बाबूलाल मरांडी ने शराब घोटाला मामले में मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के बहुचर्चित शराब घोटाले को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर बड़ा हमला बोला है। मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग की है। मरांडी ने गुरुवार को लिखे अपने पत्र में आरोप लगाया है कि इस घोटाले में सैकड़ों करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हुआ है और इसमें निलंबित आईएएस अधिकारी, राज्य बेवरेज कॉरपोरेशन के शीर्ष अधिकारी और छत्तीसगढ़ के शराब माफिया शामिल हैं। उन्होंने नाम लेते हुए कहा कि निलंबित आईएएस विनय कुमार चौबे, पूर्व आईएएस अमित प्रकाश, जेएसबीसीएल के तत्कालीन महाप्रबंधक सुधीर कुमार दास, कारोबारी सिद्धार्थ सिंघानिया और नकली होलोग्राम सप्लाई करने वाले विधू गुप्ता जैसे बड़े चेहरे इस घोटाले का हिस्सा रहे हैं। मरांडी ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो(एसीबी) की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि एंटी-करप्शन ब्यूरो ने जानबूझकर समय पर चार्जशीट दाखिल नहीं की, जिसकी वजह से सभी मुख्य आरोपित अदालत से आसानी से जमानत पाने में सफल हो गए। मरांडी का कहना है कि यह कोई सामान्य चूक नहीं, बल्कि आरोपितों को बचाने की सुनियोजित साजिश है। उन्होंने लिखा है कि एसीबी में हाल ही में हुए संदेहास्पद तबादलों पर भी सवाल खड़े किए। मरांडी ने पूछा कि एसीबी से हटाए गए अफसर शराब घोटाले में किसके लिए काम कर रहे थे। उन्हें किसके इशारे पर एसीबी में पदस्थापित और फिर क्यों हटाया गया। वर्तमान में उन्हें कहां पदस्थापित किया गया है और किसके हित में काम कर रहे हैं।

जेटीईटी परीक्षा के बिना शिक्षक नियुक्ति का विज्ञापन जारी न हो : हाई कोर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय में झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटीईटी) की परीक्षा नहीं कराए जाने के खिलाफ दाखिल याचिका पर गुरुवार को सुनवाई हुई। उच्च न्यायालय में राज्य के शिक्षा सचिव सशरीर उपस्थित हुए। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने सरकार को यह निर्देश दिया है कि जैक के माध्यम से मार्च 2026 तक जेटीईटी की परीक्षा ली जाए और जेटीईटी की परीक्षा होने और उसके परिणाम आने तक सहायक आचार्य के बचे हुए पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू ना की जाए। इसके साथ ही अदालत ने यह भी निर्देश दिया है कि जब तक जेटीईटी परीक्षा नहीं होती, तब तक राज्य में शिक्षक नियुक्ति का नया विज्ञापन जारी न किया जाए। वहीं अदालत ने राज्य में पिछले 9 वर्षों से जेटीईटी परीक्षा आयोजित नहीं किये जाने पर कड़ी नाराजगी जाहिर की। इस मामले की सुनवाई उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस आनंद सेन की अदालत में गुरुवार को हुई। प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता अपराजिता भरद्वाज और कुशल कुमार ने बहस की। उच्च न्यायालय में रितेश महतो एवं अन्य 401 प्रार्थियों की ओर से याचिका दायर की गई है। अधिवक्ता अपराजिता भारद्वाज ने अदालत को बताया कि नौ साल से परीक्षा नहीं ली जा रही है। जिसके चलते बहुत सारे अभ्यर्थी इस नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर हो जा रहे हैं। क्योंकि नियुक्ति में जेटीईटी पास होने की शर्त लगाई गई है।

दुर्गा पूजा के बाद घासी समाज करेगा आंदोलन की शुरूआत : विजय शंकर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के घासी समाज ने अपनी लंबे समय से चली आ रही मांग को लेकर बड़ा कदम उठाने का फैसला किया है। दुर्गा पूजा के समापन के तुरंत बाद घासी समाज का एक पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल दिल्ली रवाना होकर राष्ट्रपति महोदय, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी तथा केंद्रीय जनजाति मंत्री को ज्ञापन सौंपेगा। इस ज्ञापन के माध्यम से समाज को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा प्रदान करने की मांग दोहराई जाएगी। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल आंदोलन की रूपरेखा तैयार कर लौटेगा और पूरे राज्य स्तर पर आंदोलन की औपचारिक घोषणा करेगा। उपरोक्त बाते आज आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने बताया कि आजादी के बाद 1950 की अधिसूचना में बिना किसी ठोस कारण के घासी जाति को जनजातीय सूची से हटाकर अनुसूचित जाति (एससी) में शामिल कर दिया गया था, जो इस समुदाय के साथ ऐतिहासिक अन्याय है। 1901 की जनगणना में घासी समाज को स्पष्ट रूप से जनजातीय समुदाय के रूप में चिन्हित किया गया था। वर्तमान में झारखंड सहित अन्य राज्यों में घासी समाज आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षिक रूप से पिछड़ा हुआ है। एसटी दर्जा मिलने से समाज को शिक्षा, रोजगार, आरक्षण एवं विकास योजनाओं में उचित लाभ मिल सकेगा, जिससे समुदाय की प्रगति सुनिश्चित होगी। आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने कहा, घासी समाज की यह मांग न्यायपूर्ण है। हम केंद्र सरकार से अपील करते हैं कि ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर समाज को एसटी का दर्जा प्रदान करे। यदि शीघ्र कार्रवाई न हुई, तो शांतिपूर्ण आंदोलन के माध्यम से अपनी आवाज बुलंद करेंगे। प्रतिनिधिमंडल में शामिल प्रमुख सदस्यों में नायक के अलावा समाज के अन्य वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। नायक ने आगे कहा कि घासी समाज के लोग लंबे समय से इस मांग को लेकर संघर्षरत हैं। हाल ही में विभिन्न मंचों पर ईमेल एवं ज्ञापन के माध्यम से प्रधानमंत्री कार्यालय एवं जनजाति मंत्रालय को अवगत कराया गया है। समाज के नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि मांग पूरी न हुई, तो आंदोलन राज्यव्यापी रूप ले सकता है, जिसमें धरना, रैली एवं अन्य शांतिपूर्ण तरीके अपनाए जाएंगे।

ओरमांझी झामुमो प्रखंड समिति गठन को लेकर कई नाम प्रस्तावित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की ओर से गुरुवार को ओरमांझी प्रखंड के बरवे पंचायत भवन में प्रखंड सम्मेलन का आयोजन हुआ। इस दौरान नई प्रखंड समिति के गठन करने के लिए आए प्रस्तावित नामों का चयन किया गया। इसमें अध्यक्ष पद के लिए नागेश्वर महतो, उपाध्यक्ष पद के लिए मकबूल अंसारी, दीपक मुंडा, मुमताज आलम, शिवचरण बेदिया और सोनू प्रजापति का नाम सुझाया गया। वहीं सचिव पद पर नरेश यादव, सह सचिव पद पर मो असलम और कोषाध्यक्ष पद पर मो रिजवान अंसारी का नाम प्रस्तावित किया गया। प्रस्तावित सूची केंद्रीय कार्यालय को भेजी जाएगी। सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे झामुमो जिला संयोजक मुस्ताक आलम ने बताया कि ओरमांझी प्रखंड समिति को सशक्त बनाकर संगठन को मजबूत करना है। इसके लिए हर कार्यकर्ता को साथ लेकर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में संगठन को मजबूत बनाने के लिए प्रखंड और पंचायत स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ गहन संवाद किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता झामुमो रांची जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय सदस्य सह जिला संयोजक मंडली सदस्य पवन जेडीया मौजूद रहे। सम्मेलन की शुरूआत स्मृति शेष दिशोम गुरु शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि के साथ हुई। सम्मेलन में वरिष्ठ सदस्य कुदूस अंसारी, पूर्व जिला संगठन सचिव जुल्फिकार खान, हारून रशीद, मिथलेश भंडारी, दीपक मुंडा, दिगम्बर मुंडा, बहाली महतो, आदिल अनवर, हाशिम अंसारी, सत्यदेव ठाकुर सहित अन्य मौजूद थे।

एसबीयू में दीनदयाल जयंती पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर सरला बिरला विश्वविद्यालय की ओर से बिरला नॉलेज सिटी में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर डा. नीलिमा पाठक ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय को भारतीय राजनीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बताया। पंडित जी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि संघर्षमय जीवन के बावजूद पंडित जी ने उच्च शिक्षा हासिल की और आजीवन संघ प्रचारक रहते हुए एकात्म मानववाद का चिंतन किया। केएसएएस लखनऊ के सहायक प्राध्यापक डॉ. आलोक कुमार द्विवेदी ने भारत की ज्ञान परंपरा के बारे में बोलते हुए कहा कि ज्ञान और आचरण ही पाश्चात्य जगत से हमें अलग करता है। भारतीय छात्रों के लिए ये बेहद जरुरी है कि वे भारतीय ज्ञान परंपरा को समझें और जानें। भारतीय ज्ञान परम्परा मूल रूप से समाज और राष्ट्र को पोषित करती है। इस अवसर पर माननीय राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने संगोष्ठी में सभी का स्वागत करते हुए पंडित जी की जीवनी की तीन भागों में व्याख्या की। उनके जीवन के पहले भाग में एक भारतीय अभावग्रस्त छात्र के प्रतिनिधि के रूप, मेधा और बुद्धि का प्रयोग करते अध्ययन करनेवाले, दूसरे भाग में एक सामाजिक कार्यकर्ता, लेखक और पत्रकार के रूप में सबको चकित करने वाले पंडितजी और जीवन के तीसरे भाग में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ कर राजनीति में प्रवेश कर कार्य करनेवाले दीनदयाल जी के तीन रूपों को उन्होंने उपस्थित श्रोताओं के समक्ष रखा। जनसंघ की स्थापना, अखंड भारत की विचारधारा और उपासना पद्धति पर उनके चिंतन पर भी उन्होंने प्रकाश डाला। विहिप के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने पंडितजी के संघर्षपूर्ण जीवन और उनकी कर्मठता पर प्रकाश डालते हुए कई प्रेरक कहानियों को साझा किया। उनके परिवार की गरीबी, माता-पिता के देहांत और गरीबी के चलते उनके जीवन की विपरीत परिस्थितियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इन सबके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी अपने जीवन काल में कई प्रेरणादायी कार्य किए। कई अच्छे नौकरी के अवसर मिलने के बावजूद उन्होंने आगे की शिक्षा पर ध्यान दिया और जरुरत पड़ने पर शिक्षा से ज्यादा संबंधों को प्रधानता दी। पत्रकारिता में उनके योगदान और पाञ्चजन्य में उनकी जिम्मेवारियों पर भी उन्होंने प्रकाश डाला। कई चुनौतियों के सामना करने के बावजूद वे अखबार के प्रकाशन के लिए कभी पीछे नहीं हटे। इसके साथ ही उन्होंने भारतीयता और भारतीय ज्ञान परम्परा के महत्व को बताया। अपने वक्तव्य में उन्होंने पंडित जी के विभिन्न सांस्कृतिक, सामाजिक और व्यावहारिक चिंतन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में डा. वी. के सिंह, डीन, डेवलपमेंट एंड प्लानिंग ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मंच का संचालन डा. विद्या झा ने किया। इस अवसर पर विवि के महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक एवं कुलपति प्रो सी जगनाथन समेत विवि के शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। विवि के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान ने इस संगोष्ठी के आयोजन पर हर्ष व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से पंच मंदिर दुर्गा पूजा समिति हरमू, रांची के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की।

आईजी दुमका ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से की शिष्टाचार भेंट

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में आईजी दुमका पटेल मयूर कन्हैयालाल ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल ने मां दुर्गा से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आज बूटी मोड़, राँची स्थित महाशक्ति दुर्गा पूजा समिति द्वारा आयोजित दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया तथा सभी राज्यवासियों को नवरात्रि व दुर्गा पूजा की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि जिस भक्ति और लगन से यह पंडाल तैयार किया गया है, वह प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा केवल धार्मिक उत्सव ही नहीं है, बल्कि नारी शक्ति, साहस और न्याय का प्रतीक है। यह पावन पर्व सत्य, धर्म, करुणा और सद्भावना जैसे मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देता है। राज्यपाल महोदय ने माँ दुर्गा से प्रदेशवासियों के सुख, शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि हेतु प्रार्थना की। विदित हो कि यह पंडाल 'ऑपरेशन सिंदूर' थीम पर आधारित है।

एलेविटा मिसेज इंडिया वर्ल्ड 2025 के फाइनल में पहुंची तृप्ति लकड़ा

रांची : झारखंड की बेटी तृप्ति कुमारी लकड़ा ने एक बार फिर अपने जज्बे और मेहनत से राज्य का नाम रोशन किया है। उनका चयन एलेविटा मिसिज इंडिया वर्ल्ड 2025 के अंतिम चरण के लिए हुआ है, जिसे मिसेज वर्ल्ड जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता का आधिकारिक भारतीय चयन द्वार माना जाता है। अपनी उपलब्धि पर रांची के पिस्का स्थित अपने आवास पर गुरुवार को मीडिया से बात करते तृप्ति ने कहा कि यह मंच केवल सौंदर्य का नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और उद्देश्य का है। वे कहती हैं हर महिला यह महसूस करे कि वह असीमित है। पशु-पक्षियों, विशेषकर कुत्तों के प्रति उनके गहरे लगाव ने उन्हें डर्टी पॉज नामक ब्रांड की स्थापना करने के लिए प्रेरित किया। यह ब्रांड न सिर्फ पालतू जानवरों के लिए आभूषण और एक्सेसरीज बनाता है, बल्कि सड़क पर रहने वाले कुत्तों के लिए रिफ्लेक्टिव कॉलर भी तैयार करता है, ताकि वे रात के समय सड़क दुर्घटनाओं से सुरक्षित रह सकें। यह पहल तृप्ति के सामाजिक सरोकारों और दयालु दृष्टिकोण को भी उजागर करती है। तृप्ति प्राणिक हीलिंग की साधक भी हैं। उनका कहना है कि यह साधना उन्हें स्वास्थ्य, प्रेम, समृद्धि और आत्मा के बीच संतुलन साधना सिखाती है। उनके अनुसार सौंदर्य केवल बाहरी रूप में नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और उद्देश्य में निहित होता है। हाल ही में विवाह के बाद भी उन्होंने अपने सपनों को रुकने नहीं दिया और यह सिद्ध किया कि एक महिला अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन के बीच संतुलन बनाकर दोनों में सफलता हासिल कर सकती है। एलेविटा मिसेज इंडिया वर्ल्ड 2025 का समापन आगामी महीनों में होगा और तृप्ति पूरे समर्पण और मेहनत के साथ अपनी तैयारी में जुटी हैं। उनका यह कदम न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता का प्रतीक है, बल्कि झारखंड की हर उस महिला के लिए प्रेरणा बन रहा है, जो अपने सपनों को साकार करने की राह में संघर्षरत है।

सेल-रांची ने एक दिन, एक घंटा, एक साथ पहल का उत्सव मनाया

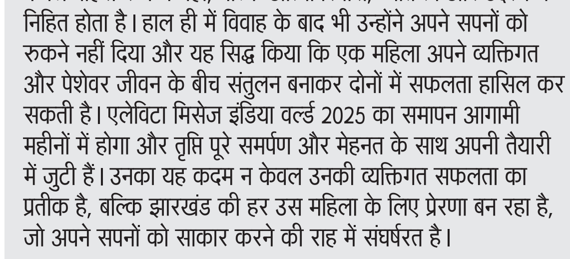

रांची : स्वच्छता पखवाड़ा और राष्ट्रव्यापी अभियान ?एक दिन, एक घंटा, एक साथ के तहत आज इस्पात भवन, इस्पात कार्यकारी छात्रावास (सेल सैटेलाइट कॉलोनी) और एमटीआई, रांची में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में सेल कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रारंभिक चरण में चुने गए क्षेत्र की पूरी तरह से सफाई की गई और एकत्रित कचरे का निर्धारित स्थानों पर व्यवस्थित रूप से निपटान किया गया। इस अभियान का नेतृत्व अनूप कुमार, कार्यकारी निदेशक (एसएसओ); संदीप कुमार कर, कार्यकारी निदेशक (आरडीसीआईएस); दीपक जैन, कार्यवाहक कार्यकारी निदेशक (एसडीटीडी); संजय धर, कार्यवाहक कार्यकारी निदेशक (एचआर-एलएंडडी); नीलेश सिन्हा, मुख्य महाप्रबंधक (सीईटी), सुनील गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (डीएमएल-सीएमएलओ) के साथ-साथ अन्य मुख्य महाप्रबंधकों, वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने किया, जिन्होंने इस पहल का नेतृत्व किया और प्रतिभागियों को प्रेरित किया। विभिन्न संयंत्र केंद्रों पर भी यह अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम ने स्वच्छता, स्वास्थ्य और स्वच्छ, हरित एवं सतत पर्यावरण बनाए रखने की साझा ज़िम्मेदारी के प्रति सेल की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

एक नजर

बिजुलिया में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को दी श्रद्धांजलि

बोकारो : चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा बिजुलिया मंडल अध्यक्ष बबलुकुमार चौबे के नेतृत्व में भाजपा बांधडीह कार्यलय में एकात्म मानव दर्शन के प्रणेता भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का जन्मजयंती मनाई गई। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया व नमन किया। इस अवसर पर फलदार पौधा रोपन किया गया।मौके पर भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संटु राय, अनुसुचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष मुकेश बाउरी, शुभंकर पैतंडी, विकास राजवार, रोशन मेहता, डोमेन हाजरा, कार्तिक राजवार, रथु शर्मा, मंतोष चौबे, काला चांद महतो, मंतोष चौबे, विवेक चौबे, सत्यम टडन,हरिशंकर व मंडल के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एस एन ए छऊ केंद्र चंदनकियारी ने मनाया स्वच्छता दिवस

बोकारो : गुरुवार को अपराह्न छऊ केंद्र के कर्मीगण एवं छऊ के कला साधकों के द्वारा एस एन ए छऊ केंद्र, चंदनकियारी में स्वच्छता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर परिसर के साथ ही साथ हॉल एवं कार्यालय की सफाई की गई। विद्यालय के छोटे बच्चों ने भी साफ सफाई में अपनी सहभागिता दी। पूरा कार्यक्रम समन्वयक, एस०एन०ए० छऊ केंद्र, चंदनकियारी डॉ संजय कुमार चौधरी जी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। डॉ संजय ने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से जीवन में स्वच्छता के महत्व को बताया गया। छऊ केन्द्र ने स्वच्छता कार्यक्रम के द्वारा मनुष्य के जीवन में स्वच्छता के व्यापक महत्व को बताया। आम जनमानस को अपने अगल बगल आस परोस को स्वच्छ रखने का संदेश दिया।

डीएवी सेक्टर 4 ने दुर्गोत्सव के अवसर पर मनाया डांडिया महोत्सव

बोकारो : शारदीय नवरात्रि के शुभागमन के साथ ही हर तरफ वातावरण में उत्सव, आनंद, उत्साह, हर्ष और श्रद्धा- भक्ति व्याप्त हो जाती है। आज डीएवी सेक्टर-4 में इन्हीं भावनाओं का सत्कार करते हुए अपने विद्यार्थियों और उनकी माताओं के लिए ₹डांडिया विथ मदर₹ सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया जिसमें प्राथमिक पाली के नर्सरी से लेकर कक्षा तीन तक के बच्चों ने अपनी माताओं के साथ अत्यंत मनमोहक ,झंकारपूर्ण और लयबद्ध डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया। 'डांडिया विथ मदर' आयोजन के तहत डीएवी-4 के प्रांगण में डांडिया महोत्सव का आरंभ विद्यालय के प्राचार्य एस के मिश्रा द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ तत्पश्चात अपने स्वागत भाषण द्वारा उन्होंने आयोजन में सम्मिलित सभी माताओं और बच्चों का स्वागत अभिनंदन किया । अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि विभिन्न आयोजन, समारोह ,जलसा, जयंती और महोत्सव के द्वारा डीएवी संस्थान सदैव सामाजिक सौहार्द, एकता और परंपराओं के संरक्षण और संवहन हेतु प्रयत्नशील रहा है। स्वागत नृत्य की प्रस्तुति कक्षा 3 के बच्चों द्वारा हुई और अपने सुंदर परिधान तथा भावपूर्ण नृत्य से उन्होंने शमां बांध दिया।

'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' अभियान में डीपीएस के विद्यार्थियों ने किया श्रमदान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : स्वच्छ भारत अभियान की कड़ी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर स्वच्छोत्सव - स्वच्छता ही सेवा 2025 (17 सितंबर-02 अक्टूबर) के तहत गुरुवार को डीपीएस बोकारो के विद्यार्थियों ने भी अपना श्रमदान किया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के दिखाए मार्ग पर चलते हुए पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर स्वच्छता के लिए एक दिन, एक घंटा, एक साथ की राष्ट्रव्यापी मुहिम में विद्यार्थी और शिक्षक उत्साहपूर्वक शामिल हुए। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने पूरे परिसर में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया। उन्होंने भरपूर उत्साह के साथ अपनी कक्षाओं, गलियारों, खेल के मैदानों और अन्य क्षेत्रों की सफाई कर यह सशक्त संदेश दिया कि स्वच्छता अपने आस-पास से ही शुरू होती है। खास तौर से आकर्षक टोपियां पहने छोटे-छोटे बच्चों का अपने हाथों में झाड़ू लेकर और चेहरे पर मास्क पहनकर सघन सफाई का दृश्य मनोरम प्रतीत हो रहा था। इस सामूहिक प्रयास के बाद छात्र-छात्राओं तथा विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने स्वच्छता की शपथ ली, अभियान को एक रचनात्मक आयाम देते हुए छात्रों ने स्वच्छता के महत्व को उजागर करने वाले आकर्षक स्लोगन और पोस्टर भी तैयार किए। स्वच्छ भारत, हरा भारत और स्वच्छता ही सेवा जैसे प्रेरणादायक नारों के माध्यम से उन्होंने सभी को स्वच्छता को जीवन का अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रेरित भी किया। प्राचार्य डॉ. गंगवार ने जीवन में स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वच्छता में ही स्वस्थ जीवन का मूल छिपा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के अभियान को अनुकरणीय बताते हुए उन्होंने इसमें विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता हमारी नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी है। हम जहां कहीं भी रहते हों, वहां स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करना हमारा दायित्व है और बच्चों में शुरू ही इस बोध का विकास आवश्यक है। इसी ध्येय के साथ विद्यालय स्वच्छ भारत निर्माण की दिशा में पूरी तरह तत्पर है।

बड़की पुन्नी वन क्षेत्र में 42 हाथियों का झुंड, ग्रामीणों में दहशत

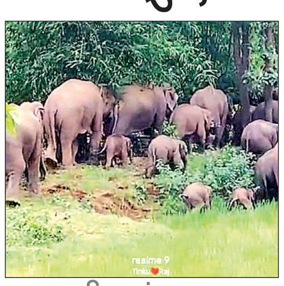

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जिले के गोमिया रेंज अंतर्गत बड़की पुन्नी संरक्षित वन क्षेत्र में हाथियों का एक विशाल झुंड देखे जाने से ग्रामीणों के बीच दहशत का माहौल है। वन विभाग के अनुसार झुंड में करीब 42 हाथी शामिल हैं, जिनमें तीन नवजात शावक भी मौजूद हैं। अधिकारियों का मानना है कि शावकों की मौजूदगी से झुंड के हाथी असामान्य रूप से सतर्क और आक्रामक हो सकते हैं।

वन विभाग की कार्रवाई

संभावित खतरे को देखते हुए वन विभाग ने इलाके में दो त्वरित प्रतिक्रिया दल (दफ्ळ) तैनात किए हैं। ये दल किसी भी आपात स्थिति में तुरंत हस्तक्षेप करेंगे। साथ ही क्षेत्र के गांवों में लाउडस्पीकर के जरिए लगातार घोषणाएं कर लोगों से घरों के भीतर रहने की अपील की जा रही है।

जनता से अपील

वन अधिकारियों ने ग्रामीणों से आग्रह किया है कि हाथियों के दिखाई देने पर तुरंत स्थानीय वन रक्षक या फील्ड स्टाफ को सूचित करें। खासकर रात में घरों से बाहर निकलने से बचने की सख्त चेतावनी जारी की गई है। अधिकारियों ने कहा कि बिना कारण बाहर निकलना न केवल ग्रामीणों की सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है, बल्कि हाथियों को भी उकसा सकता है।

नकली विदेशी शराब की मिनी फैक्टरी का उद्भेदन, 5 गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

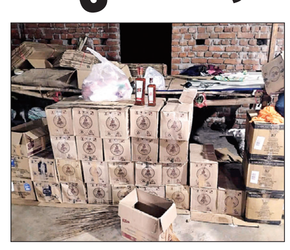

बोकारो : उत्पाद विभाग ने गुरूवार को पिंडाजोड़ा थाना क्षेत्र में नकली शराब फैक्टरी का उद्भेदन किया। जो हर ब्रांड के नकली विदेशी शराब बनाकर बोकारो और आसपास खपा रही थी। छापेमारी दल ने विभिन्न ब्रांड के करीबन 1500 लीटर शराब फैक्ट्री से जब्त किया। इस मामले में 05 लोगों को हिरासत में भी लिया गया है। सहायक आयुक्त,उत्पाद, उमाशंकर सिंह के निदेर्शानुसार गुप्त सूचना के आधार पर उत्पाद विभाग की टीम ने पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत उलगाढ़ा पंचायत में बुधवार की रात 12.30 बजे से सुबह 6.15 बजे तक विशेष छापामारी अभियान चलाकर नकली विदेशी शराब की मिनी फैक्ट्री का उद्भेदन किया है। पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र में छापेमारी के दौरान 02 स्थानों से भारी मात्रा में नकली विदेशी शराब, निर्माण सामग्री, विभिन्न ब्रांड के स्टिकर, ढक्कन, फ्लेवर, कैरामेल, स्पिरिट, खाली बोतलें तथा झारखंड सरकार के नकली होलोग्राम बरामद तक किए गए। जांच क्रम में पता चला है कि अवैध मिनी फैक्ट्री का संचालन चास निवासी अंकित सिंह, श्याम सिंह, अविनाश कुमार उर्फ बिट्टू एवं राहुल मंडल द्वारा किया जा रहा था। इसमें उलगाढ़ा निवासी नेपाल महतो सहयोग कर रहा था, जिसके मकान एवं उसके खेत में बने अर्धनिर्मित एस्बेस्टस मकान में यह अवैध कारोबार संचालित होता था। मिनी फैक्टरी से झारखंड सरकार के नकली लोगो के साथ ब्लेंडर्स प्राइड 08 पेटी,सिग्नेचर 01 पेटी ,ओसी सेलेक्ट 01 पेटी, मैकडॉवेल 02 पेटी, रॉयल चौलेंज 42, पेट आइकॉनिक 60 पेटी, रॉयल स्टैग 35 पेटी,स्टर्लिंग ठ७द्द 16 पेटी, इंपीरियल ब्ल्यू 02 पेटी, स्पिरिट 200 लीटर, विभिन्न ब्रांड के ढक्कन, स्टिकर एवं खाली बोतलें और पंचिंग मशीन 01 विभाग ने इस फैक्ट्री से जब्त किया। इस छापामारी अभियान का नेतृत्व निरीक्षक उत्पाद बिजय कुमार पाल ने किया। दल में अवर निरीक्षक सदर-सह-तेनुघाट सन्नी विवेक तिर्की तथा अवर निरीक्षक बेरमो सह चन्द्रपुरा महेश दास दल-बल सहित उपस्थित थे।

कौंडिन्य पब्लिक स्कूल में हुआ पावन 'चक्षु दान' संस्कार, माँ दुर्गा का किया आवाहन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : आश्रम रोड स्थित कौंडिन्य पब्लिक स्कूल में नवरात्रि के शुभारंभ पर भक्ति और उल्लास से परिपूर्ण वातावरण में चक्षु दान का आयोजन किया गया। विद्यालय की निदेशिका मन्जू सिंह ने परंपरा का निर्वहन करते हुए मां दुर्गा की प्रतिमा में नेत्र आरेखित किए। भारतीय परंपरा में यह माना जाता है कि जब तक देवी की प्रतिमा में नेत्र अंकित नहीं होते, तब तक उसमें दिव्य शक्ति का वास नहीं होता। चक्षु दान के साथ ही प्रतिमा सजीव मानी जाती है और माँ दुर्गा का आवाहन होता है। इस क्षण को विद्यालय परिवार ने गहन श्रद्धा और भक्ति के साथ अनुभव किया।

नेत्र दान के साथ वातावरण भक्ति गीतों और "जय माता दी" के जयघोष से गूंज उठा। पूरे परिसर में एक अद्भुत शांति और दिव्यता का अनुभव हुआ।

इस अवसर पर निदेशिका मन्जू सिंह ने कहा—

नवरात्रि केवल उत्सव का प्रतीक नहीं, बल्कि आत्मबल और संस्कृति से जुड़ने का अवसर है। मां दुर्गा की कृपा से हमारे बच्चों और विद्यालय परिवार का जीवन प्रकाश और शक्ति से आलोकित हो। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यालय के चेयरमैन राजीव रंजन सिंह ने अपने संबोधन में कहा— चक्षु दान केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि यह हमें यह सिखाता है कि हमें अपनी दृष्टि सकारात्मक बनानी चाहिए। यदि हमारी दृष्टि निर्मल और व्यापक होगी, तो समाज में सद्भाव और प्रगति का मार्ग स्वतः प्रशस्त होगा। मौके पर विद्यालय के प्राचार्य एवं सभी शिक्षकगण भी उपस्थित रहे और उन्होंने इस पावन आयोजन को सजीव बनाने में अपना योगदान दिया। इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि विद्यालय केवल शिक्षा का मंदिर नहीं, बल्कि संस्कृति और आध्यात्मिकता का भी केंद्र है, जहाँ परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संगम होता है।

ध्वजाधारी धाम में सामूहिक श्रमदान स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 के अंतर्गत ₹एक दिन, एक घंटा, एक साथ₹ राष्ट्रव्यापी सामूहिक श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन ध्वजाधारी धाम परिसर में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त ऋतुराज ने की। इस अवसर पर पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, नगर परिषद झुमरी तिलैया, नगर पंचायत कोडरमा एवं डोमचांच के संयुक्त प्रयासों से श्रमदान कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस दौरान उपायुक्त ऋतुराज सहित जिले के अन्य पदाधिकारी, कर्मचारी, नगर परिषद के सफाईकर्मी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। सभी ने ध्वजाधारी धाम परिसर की सफाई में भाग लिया। उपायुक्त ने उपस्थित जनों को स्वच्छता की शपथ दिलाई और मंदिर परिसर में कार्यरत कर्मियों को एकल प्लास्टिक का उपयोग न करने के लिए जागरूक किया। उपायुक्त ने कहा, "जैसे हम अपने घर को प्रतिदिन साफ रखते हैं, उसी तरह अपने आस-पास के क्षेत्रों की स्वच्छता की जिम्मेदारी भी हमारी ही है। हमें स्वच्छता को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त रवि जैन, सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी अविनाश राम, कार्यपालक अभियंता (पेयजल एवं स्वच्छता विभाग) शंभू प्रसाद कुशवाहा, नगर पंचायत कोडरमा/डोमचांच के प्रशासक, डीपीएम (जेएसएलपीएस) प्रकाश रंजन समेत स्वास्थ्य विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के पदाधिकारी, कर्मी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

आगामी त्योहार को देखते हुए खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

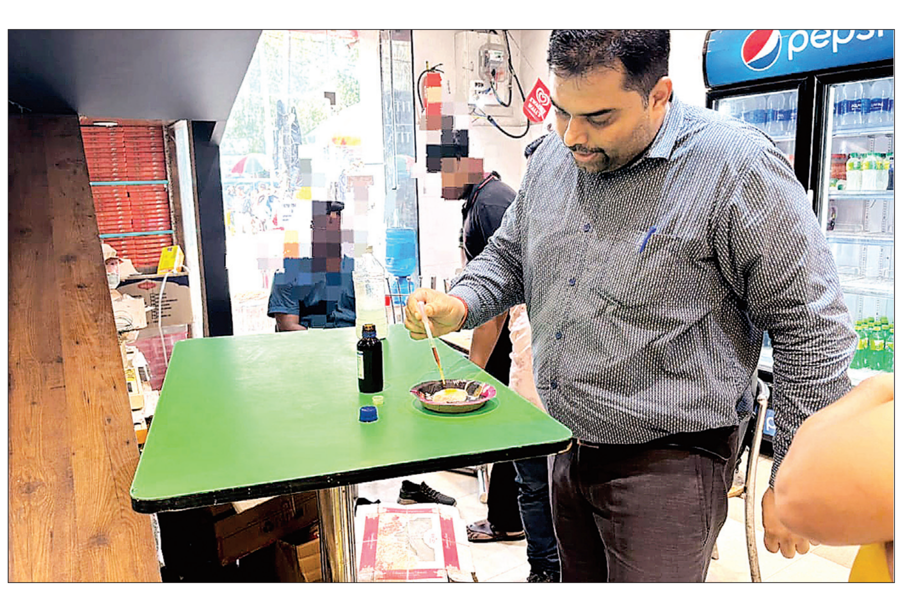

कोडरमा : उपायुक्त के निदेर्शानुसार, आगामी त्योहार को ध्यान में रखते हुए खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी अभिषेक आनंद ने झुमरीतिलैया स्थित कन्हैया कंफेक्शनर, रामेश्वरम रेस्टुरेंट एवं विभिन्न फूड स्टॉल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कन्हैया कंफेक्शनर से लड्डू का नमूना संग्रहित कर जांच हेतु प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने के उपरांत आवश्यक अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी। रामेश्वरम रेस्टुरेंट से एक्सपायर कोल्ड ड्रिंक को नष्ट कराया गया। वहीं, फूड स्टॉल संचालकों को साफ-सफाई बनाए रखने एवं हाइजीनिक तरीके से भोजन तैयार करने का निर्देश दिया गया। आगामी पर्व-त्योहार को देखते हुए सभी होटल, रेस्टुरेंट, ढाबा संचालक, फूड वेंडर्स, पेयजल कारोबारी, रिटेलर्स एवं होलसेलर्स को यह निर्देश दिया गया है कि—सभी अनिवार्य रूप से फूड लाइसेंस प्राप्त करें। अपने प्रतिष्ठान में समुचित साफ-सफाई और हाइजीन बनाए रखें। केवल गुणवत्ता पूर्ण एवं ताजा खाद्य सामग्री ही बेचें। एक्सपायर, बासी अथवा सड़ी-गली खाद्य सामग्री को तुरंत नष्ट करें। निर्माण में केवल गुणवत्ता युक्त सामग्री तथा ऋररअक प्रमाणित फूड कलर का निर्धारित मात्रा में ही उपयोग करें। पैकेज्ड खाद्य सामग्री पर अनिवार्य रूप से ऋररअक लाइसेंस नंबर, निर्माण तिथि, एक्सपायरी तिथि एवं निमार्ता का पूर्ण पता अंकित होना चाहिए। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने बताया कि औचक निरीक्षण की प्रक्रिया लगातार जारी रहेगी। अतः सभी खाद्य कारोबारी नियमों का पालन करते हुए हाइजीनिक तरीके से कारोबार सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त खबरें

तिलैया थाना में विदाई समारोह, आहातू थाना प्रभारी मेनका बिरुली को किया गया सम्मानित

कोडरमा: तिलैया थाना परिसर में गुरुवार को आहातू थाना प्रभारी मेनका बिरुली के चाईबासा तबादले से पूर्व विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह, डीएसपी रतिभान सिंह तथा एसडीपीओ अनिल कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह के दौरान एसपी अनुदीप सिंह ने मेनका बिरुली को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया और उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि मेनका बिरुली ने अपने कार्यकाल में कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी के साथ बेहतर सेवा दी है। इस अवसर पर तिलैया थाना प्रभारी विनय कुमार, नवलसाही थाना प्रभारी, चंदवारा थाना प्रभारी, पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष उमा नाथ सिंह सहित कई पुलिस पदाधिकारी एवं जवान मौजूद रहे। विदाई अवसर पर भावुक होते हुए मेनका बिरुली ने कहा कि तिलैया में कार्य करना उनके लिए गौरव की बात रही। पुलिस बल और जनता के सहयोग से उन्हें बेहतर कार्य करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि आगे भी वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ करती रहेंगी।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती भाजपा द्वारा श्रद्धा एवं उत्साह से मनाई गई

कोडरमा : कोडरमा के गीतांजलि वेंकट हॉल में भारतीय जनता पार्टी जिला कोडरमा द्वारा एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती आज श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई।कार्यक्रम कि अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने किया और संचालन जिला महामंत्री विजय यादव व शिवेंद्र नारायण ने किया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोडरमा के पूर्व सांसद एवं झारखंड प्रदेश भाजपा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रवीन्द्र कुमार राय उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का जीवन राष्ट्र समर्पण और सेवा भावना का प्रतीक रहा है। उनका एकात्म मानववाद का विचार आज भी भारतीय राजनीति और समाज को नई दिशा प्रदान कर रहा है। भाजपा जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने भारतीय जनसंघ और भाजपा को वैचारिक आधार प्रदान किया। उनका जीवन हमें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देता है। आज मोदी जी की सरकार उन्ही के बताए रास्ते पर कार्य कर जनता जनार्दन को देश के विकास में सहयोग कर जनता को गरीबी मुक्त जीवन जीने के लिए सफल प्रयास कर रही है। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रामचंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि हमें दीनदयाल जी के विचारों और सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेना चाहिए और उनके बताए मार्ग पर चलकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए।

कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नीतीश चंद्रवंशी,बीरेन्द्र सिंह,जिला उपाध्यक्ष राजेश सिंह,जिला मंत्री दिनेश सिंह,दिनेश्वर प्रसाद,जिला किसान मोर्चा अध्यक्ष प्रभाकर लाल रावत,पिछड़ा मोर्चा ज़िलाध्यक्ष बासुदेव यादव,अल्पसंख्यक मोर्चा ज़िलाध्यक्ष अरसद खान,जिला मीडिया प्रभारी मनोज कुमार झुन्नू,सह प्रभारी प्रवीण कुमार पांडेय,पूर्व जिला मीडिया प्रभारी चंद्रशेखर जोशी,नरेंद्र पाल,जिला कार्यालय मंत्री हरि पंडित,आई टी सेल प्रभारी प्रमांशु कुमार,शिवलाल सिंह,परिमल सिंह,सुधीर यादव, मण्डल अध्यक्ष मुकेश राम,द्वारिका राणा,महेश वर्मा,बिजय राणा,पारिजात सिंह,सुनील भारती,उत्तम कुमार,संजय पासवान,सचीन्द्र शर्मा,शंकर सिंह,राजू सिंह भैया,पंकज सिंह,मुन्ना सिंह ,अंबिका प्रसाद,ब्रह्मदेव सिंह, आदि कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

आरपीएफ पोस्ट में आयोजित रक्तदान अमृत महोत्सव, 42 जवानों ने किया रक्तदान

बोकारो : रक्तदान अमृत महोत्सव के अवसर पर आज आरपीएफ पोस्ट बोकारो में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर मंडल सुरक्षा आयुक्त, आद्रा ओम प्रसाद मोहंती के निदेर्शानुसार सम्पन्न हुआ। शिविर में आद्रा मंडल के कुल 42 आरपीएफ अधिकारी एवं स्टाफ ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता के इस महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। पूरे रक्तदान कार्यक्रम का संचालन आरपीएफ पोस्ट बोकारो के पोस्ट कमांडर संतोष कुमार के कुशल नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों ने बताया कि रक्तदान महादान है और इसके माध्यम से असंख्य ज़िंदगियां बचाई जा सकती हैं। उन्होंने आगे भी इस प्रकार के सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों को जारी रखने का संकल्प लिया।

स्वस्थ्य नारी सशक्त परिवार अभियान कार्यक्रम की जांच सेन्ट्रल टीम द्वारा की गई

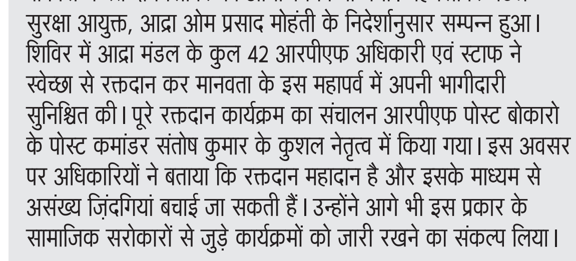

बोकारो : बोकारो में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान कार्यक्रम का मूल्यांकन भारत सरकार की केंद्रीय टीम ने किया। सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद ने बताया कि टीम का नेतृत्व राजलक्ष्मी दास ने किया। टीम ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर नैनाटांड, पारटांड़ और साबडा , ब्लड डोनेशन कैंप तथा सदर अस्पताल बोकारो का निरीक्षण किया। निरीक्षण में ब्लड बैंक, सी-सेक्शन, मोतियाबिंद ऑपरेशन, डायग्नोस्टिक व दवा उपलब्धता जैसी सुविधाओं की जांच की गई। ब्लड कैंप में 42 यूनिट रक्त संकलित हुआ।टीम ने सुझाव दिया कि स्वास्थ्य सुविधाओं को अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रचार-प्रसार और तेज किया जाए।

एक नजर

गोंदली पोखर में दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई गई

अनगड़ा : भारतीय जनता पार्टी के द्वारा गोंदली पोखर बेड़वारी बूथ संख्या 94 में डॉ दीनदयाल उपाध्याय का जयंती पर उनके फोटो पर पुस्पांजली अर्पित की गई इस दौरान पहान ने बताया कि दीनदयाल उपाध्याय (25 सितंबर 1916 – 11 फरवरी 1968), जिन्हें पंडितजी के नाम से जाना जाता है , एक भारतीय राजनीतिज्ञ, एकात्म मानववाद विचारधारा के प्रस्तावक और राजनीतिक दल भारतीय जनसंघ (बीजेएस) के नेता थे, जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का अग्रदूत था। उपाध्याय ने 1940 के दशक में हिंदुत्व पुनरुत्थान के आदर्शों को फैलाने के लिए मासिक प्रकाशन राष्ट्र धर्म शुरू किया, जिसका व्यापक अर्थ 'राष्ट्रीय कर्तव्य' है। उपाध्याय को जनसंघ के आधिकारिक राजनीतिक सिद्धांत, एकात्म मानववाद का मसौदा तैयार करने के लिए जाना जाता है , जिसमें कुछ सांस्कृतिक-राष्ट्रवाद मूल्यों और कई गांधीवादी समाजवादी सिद्धांतों जैसे सर्वोदय (सभी की प्रगति) और स्वदेशी (आत्मनिर्भरता) के साथ उनकी सहमति शामिल है इस मौके पर्व विधायक रामकुमार पहान पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेंद्र महतो ओबीसी जिला अध्यक्ष नरेश साहू मंडल अध्यच सुनील महतो सिकेंदर अंसारी चंद्र मोहन महतो ज्योतिष महतो विजय साहू नर्सिंग कॉलेज की छात्रा आदि शामिल थे।

नैनो उर्वरकों के उपयोग से दूसरी हरित क्रांति मिट्टी के लिए वरदान : सुशील कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : इफको द्वारा पटमदा प्रखंड के बांगुरड़ा ग्राम में नैनो उर्वरक के सब्जी वर्गीय फसलों एवं धान में उपयोग संबंधित किसान सभा का आयोजन किया गया। जिसमें इफको जमशेदपुर के कनीय प्रक्षेत्र प्रतिनिधि सुशील कुमारसुशील कुमारसुशील कुमारसुशील कुमार ने बांगुडदा लैंप्स के सचिव जगदीश कुमार, एएसए मिलन सेन के अलावा 65 किसानों ने भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए सुशील कुमार ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के उपयोग से दिन प्रतिदिन मृदा में प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है ।यूरिया के उपयोग से झारखंड की मिट्टी जो पहले से अम्लीय है। उसके पीएच और कम होते जा रहा है जो कि विभिन्न फसलों के लिए हरिकारक है उन्होंने यूरिया के जगह फसलों में कैल्शियम नाइट्रेट एवं नैनो उर्वरकों के उपयोग पर जोर दिया, आगे उन्होंने किसानों को यूरिया एवं डीएपी की कमियों को बताते हुए कहा कि यूरिया की उपयोग दक्षता मात्र 30-35 प्रतिशत होती है एवं बाकी का भाग मिट्टी , जल एवं हवा को प्रदूषित करता है जो पर्यावरण के लिए बेहद हानिकारक है, इसी प्रकार डीएपी की भी उपयोग दक्षता मात्र 15-20% होती है । नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी की उपयोग दक्षता के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि नैनो उर्वरकों की उपयोग दक्षता 85-90% तक होती है एवं ये पौधों को लंबे अवधि तक (20-25) दिनों तक पोषक तत्व उपलब्ध कराते हैं जिससे उपज की गुणवत्ता अच्छी होती है एवं धान के पौधों में अगड़ा (चेफ) न के बराबर बनती है। उन्होंने उपयोग की विधि के बारे में बात करते हुए बताया कि नैनो डीएपी से बिन , जड़ एवं कंद शोधन किया जा सकता है । अगर नैनो उर्वरकों को सही मात्रा एवं नियम अनुसार करार रहे हैं तो रासायनिक यूरिया एवं डीएपी का उपयोग आधा करके, बीजों में 5 मिली नैनो डीएपी प्रति किलो बीज में मिला के ओर नमी के लिए थोड़ा पानी मिला के आधे घंटे के बाद बुवाई करें , जड़ शोधन के लिए 5 मिली नैनो डीएपी को एक लीटर पानी में मिला के जड़ को 20-25 मिनट मिश्रण में डूबो के रखे एवं रोपाई करें। नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी का 2 स्प्रे पहला रोपाई/बिजाई के 25-30 दिनों के बाद करें , दूसरा स्प्रे पहले स्प्रे के 20 दिनों के बाद करें। सुशील कुमार ने किसानों को नैनो जिंक , जिंक सल्फेट मनोहाइड्रेट, बोरोन, ठढङ कंसोर्टियम, बायोडकंपोजर के उपयोग की विधि एवं इनके फायदों के बारे में विस्तार से जानकारी दी । किसान सभा के बाद सभा के प्रतिभागियों ने स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत, स्वच्छत्सव में भाग लेके दुर्गा मंदिर प्रांगण में झाड़ू लगा के सफाई की। किसानों को डेमो वैन के टीवी के द्वारा किसानों के अनुभव के वीडियो को भी दिखाया गया।

संक्षिप्त खबरें

सरिया नगर पंचायत में हाई मास्ट लाइट 7 माह से खराब, ग्रामीण परेशान

सरिया : गिरिडीह जिले के सरिया नगर पंचायत क्षेत्र में हाई मास्ट लाइट की खराबी ने ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन के निकट लगी यह लाइट विगत सात महीनों से ठप पड़ी हुई है। मरम्मत के लिए विभाग के आला अधिकारियों को फोन के माध्यम से कई बार सूचना दी गई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि इस लाइट के खराब होने से रेलवे स्टेशन से विवेकानंद चौक तक पूरा इलाका अंधेरे में डूबा रहता है, जिससे यात्रियों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रात के समय दुर्घटना का खतरा मंडराता रहता है। एक ग्रामीण ने बताया, "बिजली की समस्या यहां हमेशा बनी रहती है, लेकिन यह हाई मास्ट लाइट न जलने से स्थिति और भी गंभीर हो गई है। विशेष रूप से इस पावन नवरात्रि पर्व के दौरान अंधेरा रहना ग्रामीणों के लिए बेहद दुखदायी है। मंदिरों की ओर जाने वाले श्रद्धालुओं को भी असुविधा हो रही है।

मुरी स्टेशन पर फुट ब्रिज निर्माण कार्य में लगे मजदूर बिना सुरक्षा के कर रहे कार्य

मुरी : मुरी रेलवे स्टेशन पर एक नंबर प्लेटफार्म पर नया फुट ब्रिज निर्माण कार्य जोरों पर किया जा रहा है। यह ब्रिज एक नंबर प्लेटफार्म से दो नंबर प्लेटफार्म पर यात्रियों को जाने के लिए निर्माण कराया जा रहा है। निर्माण कार्य में संवेदक के द्वारा घोर लापरवाही बरतते हुए देखा जा रहा है ।मजदूरों से बिना सेफ्टी बेल्ट के ही काफी ऊंचाई पर फुट ब्रिज निर्माण कार्य कराया जा रहा है जो मजदूरों के तय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है जो एक चिंतनीय विषय है। वहीं मजदूरों से पूछने पर बताया कि हमें सुरक्षा से संबंधित सामान उपलब्ध नहीं कराया गया है। इधर बिना सेफ्टी बेल्ट के काम करना कहीं ना कहीं बड़ी दुर्घटना को आमंत्रित कर रहा है। वहीं कायार्धीन फुट ब्रिज के पिलर के निचले हिस्से में दरार भी पाया गया है जो ब्रिज की मजबूती पर सवाल खड़ा कर रहा है परंतु अभी तक इन सारी बातों पर रेलवे अधिकारियों का नजर नहीं पड़ रहा है ।इस संबंध में मुरी के कार्य अनुभाग अभियंता विदुर रंजन सिंह से पूछने पर उन्होंने कहा कि इसकी जानकारी मुझे नहीं है जानकारी रहने पर ब्लॉक लिया जाता साथ ही कहा कि इसमें संवेदक की घोर लापरवाही है।

मुंबई में प्रवासी मजदूर मनोज राय की अचानक मौत, परिवार पर टूटा दुख का पहाड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : रोजगार की तलाश में झारखंड के युवाओं का दूसरे राज्यों में पलायन थमने का नाम नहीं ले रहा, लेकिन इस दौरान उनकी मौत का सिलसिला भी रुक नहीं रहा। गिरिडीह जिले के बिरनी थाना क्षेत्र के ग्राम पडरमनिया के निवासी 35 वर्षीय मनोज कुमार राय की मुंबई में अचानक तबीयत खराब होने से मौत हो गई। वे घर के इकलौते कमाऊ सदस्य थे और ऑटोरिक्शा चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी मौत से गांव में सन्नाटा पसर गया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, मनोज कुछ दिन पहले ही रोजगार के लिए मुंबई गए थे। वहां ऑटोरिक्शा चलाते हुए परिवार का लालन-पालन कर रहे थे। अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए बांद्रा के बाबा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। वहां इलाज के दौरान बीते बुधवार को उनकी मौत हो गई। मनोज अपने पीछे पत्नी सोनू कुमारी और तीन छोटे-छोटे बच्चों—पुत्री मासूम कुमारी, असमिता कुमारी तथा पुत्र मायुस कुमार—को रोते-बिलखते छोड़ गए। मौत की सूचना मिलते ही गांव में मातम छा गया। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी 20 वर्षों से प्रवासी मजदूरों के हित में कार्यरत संस्था 'झारखंडी एकता संघ' के केंद्रीय सदस्य तौफीक अंसारी और बोरीवली इकाई अध्यक्ष भीम कुमार गुप्ता को दी। उन्होंने शव को गांव पहुंचाने में मदद की अपील की।

जाति प्रमाण पत्र निर्गमन में कठिनाइयों पर विधायक ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के विभिन्न समुदायों को जाति प्रमाण पत्र निर्गमन में हो रही कठिनाइयों के समाधान की मांग को लेकर जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा की विधायक पूर्णिमा साहू ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है। गुरुवार को लिखे पत्र में विधायक पूर्णिमा साहू ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया है कि पासी समाज, कालिंदी समाज, दुसाध समाज, शौणिडक समाज, बाउरी समाज, केंद्रीय मुखी समाज, तेली साहू समाज, तुरी समाज सहित अनेक समुदायों के लोग लगातार शिकायत कर रहे हैं कि उन्हें जाति प्रमाण पत्र बनवाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पत्र में विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा कि ये समुदाय कई पीढ़ियों से झारखंड में निवासरत हैं और राज्य के मूलवासी होने के बावजूद अधिकांशतः भूमिहीन हैं। वर्तमान व्यवस्था के अनुसार प्रमाण पत्र निर्गमन के लिए खतियान की अनिवार्यता ने हजारों लोगों को उनके संवैधानिक अधिकार से वंचित कर दिया है। इसके कारण इन समाजों के बच्चे न केवल शैक्षणिक संस्थानों में दाखिला व छात्रवृत्ति से वंचित हो रहे हैं बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं और सरकारी नौकरियों में आरक्षण सहित अनेक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी नहीं ले पा रहे हैं।

भारी बारिश से गिरा मकान, बेघर हुए परिवार

ईचागढ़ : प्रखंड क्षेत्र के पिलीद गांव में किसान वृन्दावन पातर का मकान भारी बारिश से गिरकर पुरी तरह छति ग्रस्त हो गया है, मकान में आदमी रहने लायक भी नहीं बचा। वृन्दावन पातर का परिवार में कुल पांच सदस्य है,जो फिलहाल मकान में रहने लायक नहीं रहा। वही समाजसेवी दिलीप दास ने बताया कि वृन्दावन पातर एक बंधुआ मजदूर हैं,काम करता है तब अपने परिवार का भरन पोषण कर पाता है। उन्होंने अंचल अधिकारी और आपदा प्रबंधन विभाग से तत्काल सहायता की मांग किया है साथ ही अबुआ आवास,पीएम आवास स्वीकृत करने का मांग किया है।

नया ट्रांसफार्मर लगने से गांव वालों में खुशी का माहौल

बानो : प्रखंड अंतर्गत खास हूरदा गांव में बड़ी खुशी की लहर है। पिछले लगभग दो सप्ताह से बिजली व्यवस्था ठप पड़ी थी, क्योंकि वहाँ का ट्रांसफार्मर खराब हो गया था। ग्रामीणों की निरंतर मांग के बाद बिजली विभाग के द्वारा नए ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया गया, जिसका आज ग्रामीणों की उपस्थिति में उद्घाटन किया गया। नए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन गांव के प्रतिनिधियों के द्वारा किया गया। उन्होंने फीता काटकर नये ट्रांसफार्मर को विधिवत रूप से चालू किया और बिजली विभाग की टीम को इस समय धन्यवाद दिया। उद्घाटन के तुरंत बाद ग्रामीणों के चेहरे पर राहत दिखाई दी।

प्रखंड में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान की जोरदार शुरूआत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सारिया : स्वच्छ भारत मिशन के तहत चल रहे 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान को और गति देने के लिए गुरुवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी ललित नारायण तिवारी के नेतृत्व में प्रखंड सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चल रहे इस अभियान के तहत विभिन्न प्रकार के स्वच्छता कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना, गांवों में बिखरे कचरे के ढेरों की पहचान कर सफाई अभियान चलाना, शौचालयों का निरंतर उपयोग सुनिश्चित करना, खुले में शौच की प्रवृत्ति को रोकने के लिए सलाह देना तथा सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगाने जैसे मुद्दों पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' के स्लोगन के तहत प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें सभी जलसहिया दीदियों एवं महिला वार्ड सदस्यों को स्वच्छता संबंधी जानकारी प्रदान की गई। बीडीओ ने अभियान के महत्व को विस्तार से समझाते हुए कहा कि लगन और मेहनत से कार्य करने पर ही ग्राम पंचायतों और जिले को स्वच्छ बनाया जा सकता है। उन्होंने सभी को निरंतर प्रयास करने की सलाह दी तथा स्वच्छता शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के बाद स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया, जिसमें स्वच्छता से जुड़े स्लोगनों के साथ प्रखंड कार्यालय सारिया से भगत सिंह चौक तक भर्मण किया गया। इसके पश्चात प्रखंड एवं अनुमंडल कार्यालय के चारों ओर व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। इस पूरे कार्यक्रम में अमित कुमार वर्मा, प्रखंड के सभी कर्मचारी, संजय बरनवाल, प्रखंड के सभी डीलर, जलसहिया दीदियां एवं अन्य स्थानीय लोग सक्रिय रूप से शामिल हुए। अभियान के तहत अब गांव-गांव स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम तेज किए जाएंगे, ताकि स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाया जा सके। जिला प्रशासन ने भी इस अभियान को सफल बनाने के लिए सभी प्रखंडों में समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया है।

रेल टेका आंदोलन पर सख्तीः हरे लाल महतो समेत 500 पर मामला दर्ज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : 20 सितंबर को कुड़मी समाज द्वारा चलाए गए रेल टेका-डहर छेका आंदोलन के बाद अब मामला तूल पकड़ चुका है। रेलवे सुरक्षा बल ने आंदोलनकारियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। सुईसा पोस्ट की ओर से दर्ज एफआईआर में आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव हरे लाल महतो सहित पांच नामजद और लगभग 500-600 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है। दर्ज एफआईआर में हरे लाल महतो के साथ ही झारखंड आंदोलनकारी नेता सुनील महतो, आदिवासी कुड़मी समाज के नेता प्रभात महतो, बादल महतो और अन्य प्रमुख नेताओं का नाम शामिल है। इस कदम के बाद साफ हो गया है कि आंदोलन को लेकर रेलवे प्रशासन अब बेहद सख्त रुख अपना रहा है। ज्ञात हो कि 20 सितंबर को अनुसूचित जनजाति का दर्जा, कुड़मालि भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने तथा सरना धर्म कोड की मांग को लेकर झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओड़िशा में कुड़मी समाज ने रेल टेका आंदोलन किया था। चांडिल अनुमंडल के नीमडीह थाना क्षेत्र के हेंसालौंग स्टेशन के समीप आंदोलनकारियों ने ट्रैक जाम कर दिया था, जिससे लगभग 11 घंटे तक यात्री और मालगाड़ियों का परिचालन पूरी तरह से ठप रहा। इस दौरान बड़काकाना-टाटा लोकल समेत कई ट्रेनें घंटों खड़ी रहीं। यात्री रास्ते में फंसे रहे और रेलवे को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा। रेलवे पुलिस की कार्रवाई के बाद आंदोलन से जुड़े नेताओं की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। अब यह मुद्दा केवल आंदोलन तक सीमित न रहकर सीधे राजनीति के अखाड़े में पहुंच गया है। झारखंड की सियासत में आने वाले दिनों में इसकी गूंज और तेज होने की संभावना है।

"हक अधिकार लेकर रहेंगे" : हरे लाल महतो

एफआईआर दर्ज होने पर प्रतिक्रिया देते हुए आजसू के केंद्रीय महासचिव हरे लाल महतो ने कहा, कुड़मी समाज की मांग पूरी तरह जायज है। अपनी पहचान और अस्तित्व के लिए संघर्ष करना ही होगा। किसी भी आंदोलन में कीमत चुकानी पड़ती है और कुड़मी समाज इसके लिए तैयार है। हम किसी भी कीमत पर अपना हक लेकर रहेंगे।

e-Procurement Cell, ENERGY DEPARTMENT
GOVT.OF JHARKHAND
Electrical Executive Engineer, Electric Works Division, Jamshedpur.

Very Short Notice e- Procurement Notice

e-Tender Reference No.- Energy/EWD/Jamshedpur/07/2025-26 Dated-23-09-2025

Sl. NO.	Name of work	Estimated Cost (Rs.)	Tender Fee (Bid Document Fee)	Bid Security (EMD Fee 2%)	Completion Date
I	S/R to E.I of internal wiring and External lighting in the campus of I.T.D.A Residence at Seraikela.	12,86,299=00	2,500=00	26,000=00	35 Days
II	Replacement of Security light and Gate light in the campus of (Civil S.D.O) Sub Divisional Office at Chandil.	11,75,201=00	2,500=00	24,000=00	35 Days
III	S/R to E.I of internal house wiring and external light in 2 nos Block of 6 no D type P.O Qtr in Judicial officers colony at Seraikela.	13,05,690=00	2,500=00	27,000=00	35 Days
IV	Repair work of 4 nos Elevators installed at Civil Court, Jamshedpur.	17,75,782=00	5,000=00	36,000=00	28 days
2.	Date of Publication of tender on website	07.10.2025			
3.	Online bid submission period	From 08.10.2025 at 10:30 am to 14.10.2025 at 2:00 pm			
4.	Technical Bid Opening Date	15.10.2025 at 3:00 PM			
5.	Name and address of the office to inviting tender	Electrical Executive Engineer, Electric Works Division, Jamshedpur.			
6.	Name and address of the office to Open the tender	Electrical Executive Engineer, Electric Works Division, Jamshedpur.			
6.	Contact no. of Procurement officer	9835125186			
7.	Helpline number of e- Procurement cell	9835125186			

Note :- Tender Fee and Earnest Money Deposit (EMD) are to be paid through online mode only as per instruction of IT Dept. Govt. of Jharkhand Letter no.-120 Dated- 03-10-2023.
Further details can be seen on website-http://jharkhandtenders.gov.in

Electrical Executive Engineer
Electric Works Division,Jamshedpur.

PR 362864 Energy(25-26).D

अनुमण्डल पदाधिकारी का कार्यालय, सदर, हजारीबाग।
(समाहरणालय भवन)

दुर्गापूजा वर्ष– 2025 के अवसर पर यातायात सुचारू रूप से बनाये रखने हेतु मार्ग निर्धारण

दुर्गापूजा वर्ष–2025 के अवसर पर यातायात सुचारू रूप से चलाने हेतु दिनांक 22.09.2025 से 02.10.2025 तक शहरी क्षेत्र में नो इंट्री / रूट डाईवर्सन / One way / पार्किंग व्यवस्था निदेशानुसार निम्न प्रकार से की जा रही है :–

शहर क्षेत्र नो एंट्री

क्र0	कहाँ से कहाँ तक
1	सदर अस्पताल से झण्डा चौक तक।
2	ग्वाल टोली चौक से झण्डा चौक तक।
3	संसद महोदय के घर के मोड़ से झण्डा चौक तक।
4	कालीबाड़ी नाला से झण्डा चौक तक।
5	सी0सी0आर0 मोड़ से इन्द्रपुरी चौक तक।
6	पुराना बस स्टैण्ड (देवी रेस्ट हाउस के बगल वाला रोड) के तरफ से आने वाले कार/टोटो/टेम्पू का प्रवेश वर्जित रहेगा।
7	पी0टी0सी0 चौक से कोर्रा चौक।

मार्ग परिवर्तन (सदर थाना शहरी क्षेत्र)

क्र0	कहाँ से कहाँ तक
1	कल्लू चौक तरफ से आने वाले टोटो/टेम्पू/कार इन्द्रपुरी चौक होते हुए त्रिमूर्ति झील होकर डी0भी0सी0 चौक होकर मेन रोड जायेंगे।
2	कल्लू चौक तरफ से जाने वाले टोटो/कार/टेम्पू डी0भी0सी0 चौक से त्रिमूर्ति–झील–उपायुक्त आवास–पुलिस क्लब से नूरा रोड मण्डई होकर कल्लू चौक तरफ जाऐंगे।
3	मार्खम कॉलेज (हुरहुरू) के तरफ से आने वाले टोटो/टेम्पू/कार जैक एण्ड जील होते हुए जाकिर हुसैन रोड होकर ग्वाल टोली चौक से अपने गणतव्य तक जाऐंगे।
4	खीरगाँव के तरफ से कल्लू चौक/इन्द्रपुरी चौक आने वाले कार/टोटो ग्वाल टोली चौक होते हुए महेश सोनी चौक–बड़ा अखाड़ा–शिवपुरी चौक होकर कल्लू चौक/इन्द्रपुरी चौक जाऐंगे
5	खीरगांव तरफ से बस स्टैण्ड की तरफ जाने वाले कार/टोटो/टेम्पू ईमली कोठी होकर मिशन रोड के दाहिने तरफ के रास्ते से बस स्टैण्ड जाऐंगे।

मार्ग परिवर्तन (कोर्रा/मुफ्फसिल/बड़ा बाजार थाना शहरी क्षेत्र)

क्र0	कहाँ से कहाँ तक
1	विष्णुगढ़ के तरफ से आने वाली बड़ी बस/कार ओरिया रोड होकर कोलम्बस चौक होकर गंतव्य को प्रस्थान करेगी।
2	राँची तरफ से बरही की ओर जाने वाली बड़ी बस/कार कारगिल चौक बस स्टैण्ड डिस्ट्रिक मोड़ होकर अपने गंतव्य को प्रस्थान करेगी।
3	बरही की ओर से आने वाली बड़ी बस/कार डिस्ट्रिक मोड़ होकर बस स्टैण्ड कारगिल चौक होते हुए अपने गंतव्य को प्रस्थान करेगी।
4	पी0डब्लू0डी0 चौक/डिस्ट्रिक मोड़/अटल चौक तरफ से आने वाले छोटी वाहन पी0टी0सी0 मैदान में अपना वाहन पार्किंग कर पैदल गाँधी मैदान जाएगे।
5	बस स्टैण्ड से विष्णुगढ़ की ओर जाने वाली बड़ी एवं छोटी वाहन अग्निशामन मोड़ होकर चान्हो रोड होकर अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान करेंगे। पार्किंग स्थल
6	विष्णुगढ़ तरफ से आने वाले बस/कार चान्हो रोड–भारत माता चौक होते हुए शहर में प्रवेश करेंगे।
7	नीलाम्बर पिताम्बर चौक से कोर्रा चौक से पी0टी0सी0 चौक से छोटी वाहन प्रवेश के प्रवेश One Way रहेगा।

पार्किंग स्थल

क्र0	कहाँ से कहाँ तक
1	पी0टी0सी0 मैदान।
2	नीलाम्बर–पीताम्बर चौक के सामने कॉलेज मैदान।
3	इन्द्रपुरी स्थित टी0भी0एस0 शोरूम के सामने रेड क्रॉस स्थान।
4	केशव हॉल के सामने सदर अस्पताल का पहला गेट के पास।
5	काँग्रेस ऑफिस के सामने पार्किंग स्थल।
6	कालीबाड़ी नाला के पास पार्किंग स्थल।
7	पुराना बस स्टैण्ड के सामने कर्जन ग्राउण्ड।

PR.NO.362948 District(25-26):D

ह0/– अनुमण्डल पदाधिकारी, सदर, हजारीबाग।

लद्दाख हिंसा का जिम्मेदार कौन

लद्दाख, जो अब तक शांति और सौहार्द की भूमि के रूप में जाना जाता था, इस समय वह हिंसा और अशांति की लपटों में झुलस रहा है। यहां भड़की हिंसा ने पूरे देश को चौंका दिया। चार लोगों की मौत, अस्सी से अधिक घायल, तीस से ज्यादा सुरक्षाकर्मी लहूलुहान और पूरा लेह कर्फ्यू की गिरफ्त में; यह तस्वीर उस आंदोलन की है जो राज्य का दर्जा और संवैधानिक सुरक्षा पाने के लिए शुरू हुआ था, किंतु देखते ही देखते अराजकता में बदल गया। सवाल उठता है कि आखिर इस त्रासदी का जिम्मेदार कौन है? केंद्र सरकार ने सीधे तौर पर सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को कटघरे में खड़ा किया है। गृह मंत्रालय का बयान है कि वांगचुक ने भड़काऊ भाषण दिए, अरब स्प्रिंग और नेपाल के जेन-जी आंदोलन का हवाला देकर युवाओं को गुमराह किया और भीड़ को हिंसा की ओर मोड़ दिया। वांगचुक ने जिस मांग को लेकर 10 सितंबर से भूख हड़ताल शुरू की थी, उस पर उच्चाधिकार प्राप्त समिति पहले से ही चर्चा कर रही थी। आरक्षण बढ़ाने से लेकर नौकरियों की भर्ती और भाषाओं को मान्यता देने तक कई फैसले इसी बातचीत के जरिए लिए गए और जो शेष थे वे लिए जा रहे थे, फिर भी आंदोलनकारी धैर्य रखने को तैयार नहीं रख सके। सोनम वांगचुक ने इन्हीं मांगों को लेकर अनशन शुरू किया था। पंद्रह दिनों तक भूख हड़ताल पर रहकर उन्होंने पूरे देश का ध्यान लद्दाख की ओर खींचा। पर यह क्या, हिंसा भड़कने के ठीक उसी दिन उन्होंने उपवास तोड़ दिया और भीड़ को काबू करने की बजाय एम्बुलेंस से गांव लौट गए। साफ दिखा कि कैसे वांगचुक ने स्थिति संभालने की कोई कोशिश नहीं की। इसके उलट उन्होंने युवाओं के गुस्से को और हवा दी। परिणाम बहुत दुखद हैं, आज लेह में हिंसा के बाद कर्फ्यू लगा दिया गया है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लागू कर दी गई है। वास्तव में यह स्थिति केवल कानून व्यवस्था का संकट नहीं, बल्कि लद्दाख की राजनीति और भारत के संघीय ढांचे के लिए गहरी चुनौती है। आरोप कांग्रेस पर भी हिंसा भड़का कर लाभ लेने के लग रहे हैं। लेह के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने भी कहा कि इस आंदोलन में साजिश की गंध आती है और बाहरी लोग भी इसमें शामिल हो सकते हैं। देखा जाए तो ये घटना हमें एक बार फिर याद दिलाती है कि अराजकता और हिंसा से किसी का भला नहीं होता। आंदोलन की मांगें चाहे कितनी भी जायज हों, लेकिन अगर वे हिंसा के रास्ते से पूरी करने की कोशिश की जाए तो केवल खून-खराबा ही हाथ लगता है। जिस कांग्रेस और सोनम वांगचुक पर इस हिंसा को शह देने के आरोप लग रहे हैं, उन्हें क्या यह समझ नहीं आता कि महात्मा गांधी की तस्वीर लगा लेने से काम नहीं चलता, उन्होंने जो कहा है, जरूरत उस को व्यवहार में लाने की है। कहना होगा कि ये गांधीजी के कहे पर अमल करते तो आज लद्दाख में ये अराजक हिंसात्मक स्थिति पैदा नहीं होती। महात्मा गांधी का कथन है, साधन और साध्य दोनों शुद्ध होने चाहिए। अगर लद्दाख के लोगों की मांग सही है तो उसे शांतिपूर्ण और संवैधानिक रास्ते से ही हासिल किया जाना चाहिए। हिंसा से केवल पर्यटन और रोजगार को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। समाज को विभाजित करके देश के भीतर बैठे दुश्मनों को और सीमाओं पर बैठे दुश्मनों को अवसर देने का ही काम किया जा रहा है। केंद्र सरकार का यहां कहीं पक्ष अनुचित नजर नहीं आ रहा है, वह लद्दाख की जनता को संवैधानिक सुरक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध दिखती है। उसने नए जिलों के गठन से लेकर आरक्षण, भाषा और नौकरियों पर कई कदम उठाए हैं। यह भी सच है कि राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल होने की मांग पर ठोस निर्णय लिए जाने के लिए बातचीत चल रही है। उच्चाधिकार प्राप्त समिति की अगली बैठक 6 अक्टूबर को दिल्ली में होनी है। पर सवाल है कि क्या 24 सितंबर की हिंसा के बाद अब संवाद का माहौल बचा रहेगा? निश्चित ही इस हिंसा ने राज्य और केंद्र के बीच के संवाद को एक गहरी चोट दी है। चार परिवारों ने अपने अपनों को खो दिया है। यह नुकसान किसी राजनीतिक लाभ या नारे से पूरा नहीं हो सकता। सरकार कहे कि यह भीड़ की गलती थी, आंदोलनकारी कहें कि यह सरकार की लापरवाही थी, लेकिन सच्चाई यह है कि दोनों पक्षों ने जिम्मेदारी निभाने में कमी की।

विश्व पर्यटकों के लिये अनंत संभावनाओं का देश है भारत

ललित गर्ग

विश्व पर्यटन दिवस- 27 सितम्बर, 2025 इस बात का स्मरण कराता है कि पर्यटन केवल मनोरंजन का साधन भर नहीं है, बल्कि यह किसी भी राष्ट्र की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति का आधार स्तंभ है। इस वर्ष की थीम कुछ स्त्रोतों में 'पर्यटन और हरित निवेश' या 'पर्यटन और सतत परिवर्तन' बतायी जा रही है जिसका उद्देश्य पर्यटन को स्थिरता और समावेशिता के साथ बढ़ावा देना है। यह थीम स्थायी पर्यटन के लिए हरित निवेश की तत्काल आवश्यकता पर जोर देती है, जो समुदायों और ग्रह दोनों के लिए फायदेमंद है। जिसके माध्यम से, पर्यटन में वैश्विक सहयोग और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा दिया जाएगा, जिसमें हरित निवेश, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरणीय दुष्प्रभाव को कम करना शामिल है। यह दिवस मनाते हुए भारत की पर्यटन संभावनाओं पर चिन्तन-मंथन करना जरूरी है। क्योंकि भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में पर्यटन की संभावनाएं अनंत हैं। यहाँ हिमालय की बर्फीली चोटियों से लेकर गोवा और अंडमान के समुद्र तटों तक, काशी और बोधगया की आध्यात्मिक आभा से लेकर अजमेर और पुष्कर की आस्था तक, केरल के बैकवाटर्स से लेकर राजस्थान के रेगिस्तान तक हर अनुभव अपने आप में अद्वितीय है। यही कारण है कि भारत का पर्यटन उद्योग आज नई उड़ान भर रहा है और वैश्विक मानचित्र पर अपनी पहचान बना रहा है।

विश्व पर्यटन दिवस दुनिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा के लिये तो आमंत्रित करता ही है, लेकिन भारत की विविधता और बहुसंस्कृतिवाद के कारण दुनिया के पर्यटकों के लिये विशेष आकर्षक का केन्द्र बन रहा है। जो जीवन में खुशियां एवं मुस्कान देने वाले पर्यटन के महत्व को उजागर भी करता है। आर्थिक विकास और सांस्कृतिक कूटनीति को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने की पहल बदलते समय के साथ विश्व पर्यटन दिवस नई पहलों, नीतिगत सुधारों और क्षेत्र की उपलब्धियों का जश्न मनाने पर ध्यान केंद्रित करने वाले दिन के रूप में विकसित हुआ है। इसका उद्देश्य रोजगार सृजन, विश्व मानवता को बल देना, युद्धमुक्त वातावरण और विविध वैश्विक सांस्कृतिक विरासत और डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देकर विश्व समुदायों को सशक्त बनाना है।

भारत में पर्यटन के आर्थिक प्रभाव बेहद व्यापक हैं। यह भारत की जीडीपी में महत्वपूर्ण योगदान देता है और करोड़ों लोगों के लिए रोजगार का सबसे बड़ा साधन बन चुका है। गाँवों और कस्बों तक पर्यटन का असर पहुँच रहा है, जिससे स्थानीय हस्तशिल्प, लोककला और खानपान को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल रही है। विदेशी पर्यटक न केवल हमारी संस्कृति और आध्यात्मिकता से प्रभावित होते हैं। पर्यटन के सामाजिक प्रभाव भी उल्लेखनीय हैं। यह सांस्कृतिक आदान-प्रदान का माध्यम बनकर विभिन्न धर्मों, भाषाओं और परंपराओं के बीच सद्भाव और भाईचारे को बढ़ाता है। महिला सशक्तिकरण और युवा उद्यमिता को पर्यटन ने नया आयाम दिया है। होम-स्टे, गाइडिंग, हस्तशिल्प और लोक-कलाओं में महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है। यही नहीं, ग्रामीण पर्यटन ने गाँवों को विकास के नए अवसर प्रदान किए हैं और पलायन की समस्या को कम करने की क्षमता दिखाई है।

राजनीतिक और अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य से भी पर्यटन भारत की सॉफ्ट पावर को मजबूत करता है। 'इनक्रेडिबल इंडिया' और 'देखो अपना देश' जैसे अभियानों ने भारत की वैश्विक पहचान को और गहरी किया है। हाल के वर्षों में भारत ने जी-20 जैसे आयोजनों के जरिए अपने पर्यटन स्थलों की भव्यता और सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया, जिससे न केवल राजनीतिक विश्वास बढ़ा बल्कि भारत की सांस्कृतिक शक्ति का विस्तार भी हुआ। पड़ोसी देशों के साथ बौद्ध और आध्यात्मिक सर्किट की योजनाओं ने भारत को एशिया का आध्यात्मिक केंद्र स्थापित करने में मदद की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यटन को भारत की शक्ति बनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने 'भारत जोड़ो यात्रा', 'देखो अपना देश' अभियान और 'प्रोजेक्ट आध्यात्मिक सर्किट' जैसी योजनाओं के माध्यम से पर्यटन को जन-आंदोलन का रूप दिया है। योग और आयुर्वेद को विश्वभर में लोकप्रिय बनाने के उनके प्रयासों ने भारत को हेल्थ और वेलनेस टूरिज्म का प्रमुख केंद्र बना दिया है। मोदी सरकार स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स, हवाई अड्डों का विस्तार, चारधाम परियोजना, उच्च गति रेल और 'भारतमाला' जैसी योजनाएं पर्यटन को नई सुविधाओं से जोड़ रही हैं। प्रधानमंत्री का यह मानना है कि भारत का हर गाँव और हर शहर अपने आप में एक अनोखा पर्यटन स्थल है और उसकी कहानी दुनिया तक पहुँचाई जानी चाहिए। आज जब डिजिटलाइजेशन ने पर्यटन को नई दिशा दी है, ऑनलाइन टिकटिंग, वर्चुअल टूर और एआई आधारित यात्रा मार्गदर्शन ने पर्यटन को आधुनिक युग से जोड़ दिया है। सस्टेनेबल टूरिज्म पर जोर देकर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रकृति और संस्कृति दोनों की सुरक्षा बनी रहे। मिलेनियल्स और नई पीढ़ी अनुभव-आधारित और साहसिक पर्यटन की ओर आकर्षित हो रही है और भारत इस अवसर को भुनाने में आगे बढ़ रहा है।

भारत विश्व स्तर पर पांचवां सबसे बड़ा यात्रा और पर्यटन बाजार बनने के लिए तैयार है। भारत में पर्यटन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है और 2027 तक तीसरा सबसे बड़ा घरेलू बाजार बनने की उम्मीद है। 2023 में, भारत में पर्यटन पर होने वाला खर्च 2019 के 127 बिलियन डॉलर से बढ़कर 174 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया। सबसे ज्यादा पर्यटक तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र सहित 5 राज्यों में गए, जहाँ कुल मिलाकर 65 प्रतिशत पर्यटक आए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता से धार्मिक पर्यटन को नये पंख लगे हैं, अयोध्या में बना भगवान श्रीराम का मन्दिर एवं प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ ने धार्मिक पर्यटन के नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। धार्मिक पर्यटन आर्थिक उन्नति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए ऐसी सभी जगहों को बेहतरीन बुनियादी सुविधाओं, सड़क और एयर कनेक्टिविटी, आने वालों की सुरक्षा और सेवा दी जा रही है। भारत असंख्य पर्यटन अनुभवों और मोहक स्थलों का देश है। चाहे भव्य स्मारक हों, प्राचीन मंदिर या मकबरे हों, नदी-झरने, प्राकृतिक मनोरम स्थल हो, इसके चमकीले रंगों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रौद्योगिकी से चलने वाले इसके वर्तमान से अटूट संबंध है। केरल, शिमला, गोवा, आगरा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, मथुरा, काशी जैसी जगहें तो अपने विदेशी पर्यटकों के लिए हमेशा चर्चा में रहती हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या एवं काशी की कायाकल्प करके दुनियाभर के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित किया है। भारत में अपने लोगों के साथ लाखों विदेशी लोग प्रतिवर्ष भारत घूमने आते हैं। भारत में पर्यटन की उपयुक्त क्षमता है। यहां सभी प्रकार के पर्यटकों को चाहे वे साहसिक यात्रा पर हों, सांस्कृतिक यात्रा पर या वह तीर्थयात्रा करने आए हों या खूबसूरत समुद्री-तटों की यात्रा पर निकले हों, सबके लिए खूबसूरत जगहें हैं। दिल्ली, मुंबई, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, दक्षिण भारत के अनेक राज्यों में तो लोगों को घूमते-घूमते महीना बीत जाते हैं।

भारत अपनी समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, प्राकृतिक धरोहर के कारण दुनिया के प्रमुख पर्यटन देशों में शुमार होता है। यहां के हर राज्य की अलौकिक और विलक्षण विशिष्टताएं हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। उन पर्यटकों के लिए भारत-यात्रा का विशेष आकर्षण है जो शांत, जादुई, सौंदर्य और रोमांच की तलाश में रहते हैं। इन पर्यटकों के लिये भारत में विपुल यात्रा साहित्य अपनी एक विशेष पहचान और उपयोगिता को लेकर प्रस्तुत होता रहा है। पुखराज सेठिया की पुस्तक 'आओ घूमे अपना देश' एक सार्थक एवं उपयोगी पुस्तक है। विश्व पर्यटन दिवस हमें यह संदेश देता है कि भारत के पास विश्व को दिखाने के लिए अनंत वैभव और विविधता है। यदि हम पर्यावरण संरक्षण, आधुनिक सुविधाओं और वैश्विक मानकों को ध्यान में रखते हुए पर्यटन का विकास करें तो आने वाले समय में भारत न केवल एक पर्यटन शक्ति बनेगा बल्कि अपनी आध्यात्मिक विरासत और सांस्कृतिक धरोहर से विश्व का नेतृत्व भी करेगा।

जितना स्वस्थ होगा पर्यावरण, उतना बेहतर होगा स्वास्थ्य

योगेश कुमार गोयल

हमारा पर्यावरण जितना स्वस्थ होगा, हमारा स्वास्थ्य भी उतना ही अच्छा होगा। इसका सीधा सा अर्थ है कि हम अपने स्वास्थ्य के लिए काफी हद तक पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी हैं और इसलिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। दरअसल पर्यावरणीय स्वास्थ्य का मानव स्वास्थ्य से बहुत गहरा संबंध है। उत्तम स्वास्थ्य के साथ प्रकृति और पर्यावरण हमें भोजन, कपड़े इत्यादि जीवित रहने के लिए भी हर चीज प्रदान करते हैं, इसलिए न केवल स्वस्थ रहने के लिए बल्कि धरती पर जीवन का अस्तित्व बचाए रखने के लिए प्रकृति और पर्यावरण का ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है लेकिन गहन चिंता का विषय यही है कि अब प्रकृति के साथ मानव जाति द्वारा किए जा रहे खिलवाड़ के कारण ही वैश्विक पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो रहा है, जिसका खामियाजा अब दुनिया के लगभग तमाम देश भुगत भी रहे हैं। विकास के नाम पर प्रकृति के साथ किए जा रहे भयानक खिलवाड़ के ही कारण धरती लगातार गर्म हो रही है। चक्रवाती तूफानों का बढ़ता सिलसिला, बाढ़, सूखा, जंगलों में लगने वाली भीषण आग तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं में तेजी, ये सब पर्यावरण का स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण जलवायु में हो रहे बदलावों का ही परिणाम हैं। वैश्विक तापमान में निरंतर हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का बिगड़ता मिजाज समस्त मानव जाति के लिए गंभीर चिंता बनता जा रहा है। भारत के ही संदर्भ में देखें तो अब सर्दियां कम हो रही हैं और गर्म दिन बढ़ रहे हैं, बारिश के मौसम में भी कहीं सूखे जैसी स्थिति बनी रहती है तो कहीं चारों तरफ तबाही ही तबाही नजर आती है। इस वर्ष भी हिमाचल, उत्तराखण्ड, जम्मू कश्मीर, पंजाब, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश से लेकर देश के अनेक हिस्सों में जल तबाही का भयानक नजारा देखा जाता रहा है।

पर्यावरण को हो रहे गंभीर नुकसान की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने, पर्यावरण की स्थिति के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने तथा लोगों को इसे और बदतर होने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 26 सितम्बर को एक विशेष थीम के साथ 'विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। 2025 के विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस का विषय है 'स्वच्छ वायु, स्वस्थ लोग', जो स्वच्छ वायु और अच्छे स्वास्थ्य के बीच सीधे संबंध पर जोर देता है। प्रदूषकों से मुक्त वायु श्वसन संबंधी बीमारियों को सीमित करने और लोगों के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। 2024 में यह दिवस 'पर्यावरणीय स्वास्थ्यः आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु परिवर्तन शमन तथा अनुकूलन के माध्यम से लचीले समुदायों का निर्माण' थीम के साथ मनाया गया था जबकि 2023 की थीम थी 'वैश्विक पर्यावरणीय सार्वजनिक स्वास्थ्यः हर दिन हर किसी के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए खड़ा होना' थीम के साथ मनाया गया था और 2022 की थीम थी 'सतत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन के लिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना', जिसका अर्थ था पर्यावरणीय स्वास्थ्य तंत्र को इस प्रकार मजबूत बनाया जाए ताकि लंबे समय तक पर्यावरण और मानव की लंबी उम्र तथा अच्छी सेहत के लक्ष्य को पूरा किया जा सके।

इस दिन पर्यावरण के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाई जाती है। प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना अब पहले के मुकाबले ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। दरअसल पर्यावरणीय परिस्थितियों को बिगड़ने से रोकने के लिए कुछ भी नहीं करके हम न केवल पर्यावरण को बल्कि स्वयं को भी खतरे में डाल रहे हैं क्योंकि हमारा स्वास्थ्य हमारे पर्यावरण से जुड़ा है और पर्यावरण को हो रहे निरंतर नुकसान से मानव जीवन को भी नुकसान झेलना पड़ता है।

बढ़ते प्रदूषण और प्रकृति से खिलवाड़ के कारण ग्रीनहाउस प्रभाव, जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण इत्यादि के कारण हमारे भोजन, पानी और वायु की गुणवत्ता पर सीधा प्रभाव पड़ता है, जिसके कारण लोगों को सांस लेने में तकलीफ, त्वचा संबंधी रोग सहित कई तरह की गंभीर बीमारियां भी हो रही हैं। पर्यावरण का स्वास्थ्य खराब होने से हमारा स्वास्थ्य भी खराब हो रहा है, जिसका सीधा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। ऐसी ही समस्याओं के मद्देनजर लोगों में पर्यावरणीय स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए 'इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एनवायरनमेंटल हैल्थ' (आईएफईएच) द्वारा 26 सितम्बर 2011 को विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस की शुरूआत की गई थी। इसकी शुरूआत 2011 में डेनपास, बाली (इंडोनेशिया) में हुए पर्यावरण स्वास्थ्य शिखर सम्मलेन और आईएफईएच की बैठक के दौरान हुई थी और इस दिन को दुनियाभर में चिन्हित करने का मुख्य उद्देश्य लोगों की भलाई और स्वास्थ्य की तरफ उनका ध्यान आकर्षित करना था। आईएफईएच वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान के आदान-प्रदान पर केन्द्रित है और इसका बड़ा हिस्सा वैज्ञानिक एवं तकनीकी के लिए कार्य करता है। पूर्ण रूप से पर्यावरण और स्वास्थ्य कार्यों को लेकर समर्पित आईएफईएच पर्यावरण स्वास्थ्य विज्ञान और प्रशासन से संबंधित विषयों पर चर्चा करता है और पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर सूचना का आदान-प्रदान करता है। पर्यावरण सुरक्षा कार्यबल के समर्थन के साथ आईएफईएच स्वास्थ्य और हरित पुनर्प्राप्ति में सहयोग करता है। यह उन राष्ट्रीय संस्थानों के लिए एक महासंघ है, जो पर्यावरण स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों पर कार्य करते हैं। 2018 में इस फेडरेशन ने 40 देशों को पूर्ण सदस्यों के तौर पर जगह दी थी। आईएफईएच के अध्यक्ष सुजान पैक्सो के अनुसार दुनिया को यह समझने की आवश्यकता है कि पर्यावरण, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के बीच एक गहन संबंध है।

बहरहाल, यह समझना बहुत जरूरी है कि आखिर पर्यावरण स्वास्थ्य है क्या? किसी क्षेत्र विशेष के रासायनिक, भौतिक और सांस्कृतिक वातावरण को उसके पर्यावरणीय स्वास्थ्य के रूप में जाना जाता है और किसी क्षेत्र का पर्यावरणीय स्वास्थ्य वहां की वायु की खराब गुणवत्ता, पर्यावरण में विविधता का नुकसान, रासायनिक असमानताएं तथा ऐसे सभी कारक, जो किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य को बिगाड़ते हैं, से प्रभावित होता है। किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य को मापने में पर्यावरणीय स्वास्थ्य संकेतक, प्रदूषण का स्तर, पारिस्थितिकी में विविधता, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, स्वच्छता की शर्तें, कृषि उत्पादकता इत्यादि प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

पर्यावरणीय स्वास्थ्य की देखभाल के महत्व को दशार्ता विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस वास्तव में न केवल पारिस्थितिक स्वास्थ्य की सुरक्षा की वकालत करता है बल्कि मानव स्वास्थ्य पर पर्यावरणीय स्वास्थ्य के पड़ने वाले प्रभाव और संबंध को समझने की जरूरत पर भी जोर देता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सूडोकु नवताल- 7564

★☆☆☆☆ सरल

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7563 का हल

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

यमुना नदी को बचाने के लिए भागीरथी प्रयास जरूरी

मनोज कुमार मिश्र

सालों से अपने देश में चुनाव लड़ने वाले राजनीतिक दल अन्य वायदों के साथ-साथ गरीबी और बेकारी मिटाने का वायदा करते रहे हैं और भविष्य में भी करने वाले हैं। इसमें सफलता या असफलता का पैमाना यह है कि वे मुद्दे आज भी जीवित हैं और भविष्य में भी जीवित रहने वाले हैं। ठीक इसी तरह दिल्ली के हर चुनाव में दिल्ली की जीवन-रेखा मानी जीने वाली यमुना नदी को साफ करने का वायदा किया जाता रहा है। इस बार दिल्ली विधानसभा का चुनाव जीती भाजपा ने भी अपने संकल्प पत्र में इसके लिए बढ़-चढ़ वायदे किए। उसी चुनाव प्रचार में दस साल से दिल्ली पर राज करने वाली आम आदमी पार्टी (आआपा) के मुखिया और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ईमानदारी से यमुना साफ न कर पाने के लिए माफी मांगी। कहा गया कि उनकी हार का एक कारण यमुना नदी साफ न कर पाना भी रहा।

यमुना केवल एक नदी नहीं है, यह गंगा नदी की तरह करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा है। लाखों एकड़ खेत यमुना के बूते फसल उपजाते हैं और लोगों के पेट भरते हैं। करोड़ों लोग यमुना के पानी को संयंत्रों के माध्यम से साफ करके पीते हैं। यमुना नदी के पानी का रंग सांवला होता है, जिसकी अपनी धार्मिक मान्यता है। भगवान कृष्ण की लीलाओं से लेकर ब्रज क्षेत्र की धार्मिक मान्यताओं और सामाजिक जीवन में यमुना नदी की प्रधानता रही है। सैकड़ों सालों पहले अनेक शहरों की तरह दिल्ली को पानी की जरूरत पूरी करने के लिए यमुना नदी के किनारे बसाया गया था। कभी यमुना लाल किला से सट कर बहती थी, अब वह पूरब की ओर लाल किला से काफी दूर जा चुकी है। धार्मिक मान्यताओं के चलते यमुना की आरती से लेकर दूसरे धार्मिक आयोजन उसके किनारे होते रहे हैं। दिल्ली में नई सरकार बनते ही यमुना की आरती भव्य तरीके से शुरू करवाई गई, जिसमें मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत मंत्रिमंडल के सहयोगी और भाजपा नेताओं ने यमुना को साफ करने की संकल्प दोहराया।

दिल्ली की सीमा में यमुना करीब 48 किलोमीटर (दिल्ली की सीमा पर बसे हरियाणा के पल्ला गांव से ओखला तक) बहती है जिसमें केवल वजीराबाद से ओखला तक यानी करीब 22 किलोमीटर इलाके में यमुना 70 फीसदी गंदी होती है। इसके कई कारणों में प्रमुख रूप से आधी दिल्ली की गंदगी का सीधे यमुना में जाना, बरसात के अलावा यमुना में पानी का प्रवाह न होना, दिल्ली के अलावा हरियाणा और उत्तर प्रदेश के अनेक शहरों का औद्योगिक कचरा और गंदगी सीधे यमुना में जाना, दिल्ली में बहुशासन प्रणाली का होना और सरकारी विभागों में भारी भ्रष्टाचार इत्यादि हैं। दिल्ली से करीब ढाई सौ किलोमीटर दूर ताजेवाला बांध (पुराना नाम हथिनी कुंड बांध) से दिल्ली को पानी मिलता है। ताजेवाला के पास यमुना की कोई सहयोगी नदी नहीं है। दिल्ली जल बोर्ड के एक आला अधिकारी का कहना था कि अगर किशाऊ, लखवार (ब्यासी) और रेणुका नदी पर बांध बन जाए और वहां से नियमित पानी यमुना में आता रहे तो गंदगी का ठहराव न होगा। इससे यमुना एक हद तक अपने आप साफ होने लगेगी। यमुना के पानी में दिल्ली का हिस्सा साल 1994 में मिला था। उसी के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा सरकार को यमुना के अनवरत बहाव के लिए अनवरत पानी देने के आदेश दिए थे। इसका भी ठीक से पालन नहीं हो पाया।

दिल्ली में बड़ी समस्या यमुना से जुड़ी अलग-अलग सरकारी एजेंसियां हैं, जिनका आपस में कोई तालमेल नहीं है। दिल्ली में यमुना की मालिक केन्द्र सरकार के नियंत्रण वाली दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) है। पानी दिल्ली सरकार के बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधीन है। गंदा पानी साफ करने और सीवर की जिम्मेदारी, मूल रूप से दिल्ली सरकार के अधीन काम करने वाली स्वशासी दिल्ली जल बोर्ड की है और नालों की सफाई और कचरों को यमुना में आने से रोकने का काम दिल्ली नगर निगम का है।

यमुना की सफाई में सबसे बड़ी बाधा सरकारी तंत्र का भ्रष्टाचार है। इसमें नगर निगम के पार्षद से लेकर अमूनन हर स्तर के नेता शामिल हैं। सालों दिल्ली जल बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रहे वरिष्ठ आईएएस अधिकारी रमेश नेगी बताते हैं कि साल 2010 में केन्द्र सरकार के सहयोग से तब की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने यमुना को साफ करने के लिए बड़े पैमाने पर ठोस योजना बनवाई थी। तब दिल्ली की 47 फीसदी आबादी में सीवर प्रणाली नहीं थी, जो अब बढ़कर करीब 52 फीसदी हो गई है। सालों से 18 बड़े नालों और अनेक छोटे नालों के माध्यम से सीवर आदि की गंदगी सीधे यमुना में गिरती रही है। दिल्ली नगर निगम की लापरवाही और भ्रष्टाचार के चलते हर सालों दिल्ली के गांवों और अनधिकृत कालोनियों का चार से पांच हजार टन कूड़ा-कचरा बाहर में सड़ता है और यमुना में जाता है। इतना ही नहीं उससे मिथाइल गैस बनता है, जो प्रदूषण को लगातार बढ़ा रहा है।

यमुना की सफाई के लिए सालों से प्रयास होते रहे हैं। हजारों करोड़ रुपए खर्च भी हो चुके हैं और हर साल हो रहे हैं। सभी सरकारी एजेंसियों को एक साथ लाने के लिए करीब दस साल पहले यमुना री-डवलपमेंट अथॉरिटी (यमुना पुनर्विकास प्राधिकरण) बनी। उप राज्यपाल उसके अध्यक्ष, दिल्ली के मुख्यमंत्री उपाध्यक्ष और डीडीए उपाध्यक्ष, दिल्ली के मुख्य सचिव, नगर निगम आयुक्त आदि उसके सचिव बने।

अभी भी अधिकारियों का एक वर्ग ऐसा है कि जिसका मानना है कि सालों से इतनी दुर्गति के बावजूद यमुना में पानी दिख रहा है तो वह भी एक चमत्कार से कम नहीं है।

दैनिक पंचांग

26 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.25 बजे से
चंद्र	तुला में	वृश्चिक	09.40 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	11.56 बजे से
बुध	कन्या में	मकर	14.01 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	15.48 बजे से
शुक्र	सिंह में	मीन	17.21 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.51 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.31 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.29 बजे से
राहुकाल		कर्क	00.43 बजे से
10.30 से		सिंह	02.59 बजे से
12.00 बजे तक		कन्या	05.11 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 269 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्थी 09.34 बजे को समाप्त।
नक्षत्र विशाखा 22.09 बजे को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 22.50 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 09.34 बजे तदनन्तर बव 22.49 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 04.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 01° 16'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872479
जूलियन दिन 2460944.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रबी उस्सानी
तारीख 03
विशेष ललिता पंचमी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। © Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

अवैध शराब के विरूद्ध छापामारी अभियान चलाया गया

सिमडेगा : जिला के विभिन्न थाना क्षेत्र में थाना प्रभारी के नेतृत्व में अवैध शराब के विरूद्ध छापामारी अभियान चलाया जा रहा है। जिला में अवैध शराब की रोकथाम के लिए लगातार जागरूकता एवं छापामारी अभियान चलाया जा रहा है, इसी क्रम में पिछले सप्ताह दिनांक- 18.09.25 से 24.09.25 तक थाना प्रभारी के नेतृत्व में 1. सिमडेगा थाना के साप्ताहिक बाजार एवं डेली मार्केट, 2. टी0टांगर थाना के जोराम पतराटोली, सलंगापोस, घुटबहार, 3. बानो थाना के हाटिंगहोड़े सेमरटोली, पबुड़ा टोंगरीटोली, 4. जलडेगा थाना के तेलीटोली, सिलिंगा, 5. महाबुआंग थाना के बुकाटोली, 6. कुरडेग थाना के कोकराछेरा, डूमरडीह, बैघमा कुसुमटोली 7. केरसई थाना के गोरारजोर, घाघरी डीपा, पाकरबहार, 8. बोलबा थाना के मालसाड़ा, पाखराटोली, पिड़ियापोंछ, 9. पाकरटांड़ थाना के कोबांग, पसराटोली, 10 रेंगारीह थाना के कोंगसेरा बसार, डीपाटोली, कुदरटोली, देवबहार, कोनपाला जोगी मुण्डा, 11. मुफस्सिल थाना के सेवई बजार, कुल्लूकेरा, बानाबीरा, कुम्हारटोली, पतराटोली, 12. बांसजोर ओ0पी0 के पतराटोली, कुरकुरा पहानटोली, बरडेगा, 13. गिरदा ओ0पी0 के हुरदा, एवं गिरदा में अवैध शराब के विरूद्ध छापामारी अभियान चलाया गया है।

जेएसएलपीएस कर्मियों ने किया एकदिवसीय धरना प्रदर्शन

सिमडेगा: झारखंड राज्य आजीविका कर्मचारी संघ के बैनर तले जेएसएलपीएस के स्तर सात और आठ के कर्मचारियों द्वारा अपनी पांच सूत्री मांगों को लेकर समाहरणालय के सामने एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। धरना प्रदर्शन में अपनी पांच सूत्री मांगों को लेकर आवाज बुलंद किया गया। सभी कर्मचारियों ने जेएसएलपीएस प्रबंधन तक अपनी आवाज पहुंचाने के लिए एकजुटता का परिचय दिया। धरना प्रदर्शन के बाद अपनी मांग पत्र खूंटी सांसद कालीचरण मुण्डा, तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया, उपायुक्त सिमडेगा एवं जेएसएलपीएस की डीपीएम शांति मार्डी को सौंपा गया। उक्त मांग में सोसाइटी एक्ट को खत्म करते हुए आजीविका कर्मियों को राज्य कर्मी का दर्जा देने, एनएमएमयू पॉलिसी को लागू करने, प्रखण्ड स्तरीय स्तर सात व आठ के कर्मचारियों को वरीयता और अनुभव के आधार पर उच्चस्तरीय पदों पर आंतरिक प्रोन्नति देने, दस प्रतिशत के दर से वार्षिक वेतन वृद्धि सुनिश्चित करने एवं अबतक वेतन वृद्धि का लाभ शीघ्र देने तथा स्तर और सात आठ के सभी कर्मियों को अपने गृह जिला के निकटवर्ती प्रखण्ड में पदस्थापना करने की मांग शामिल है।

बिजली समस्या को लेकर कार्यपालक अभियंता से मिले भाजपा नेता

सिमडेगा : भाजपा नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता से मिलकर दुर्गा पूजा दीवाली छठ आदि त्योहार में जिला मुख्यालय सहित सभी प्रखंडों में निर्बाध रूप से बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग रखी, साथ ही विभिन्न प्रखंडों में खराब पड़े ट्रांसफार्मर को जल्द ही बदलने का आग्रह किया गया, कार्यपालक अभियंता ने आश्वासन दिया कि अब त्यौहारों तक डाली कटाई के नाम पर बिजली बाधित नहीं की जाएगी साथ ही खराब पड़े ट्रांसफार्मर को जल्द बदला जाएगा। मौके पर पूर्व सांसद प्रतिनिधि रवि गुप्ता एवं भाजपा के जिला मंत्री तुलसी कु साहू ने कहा की आने वाले दिनों में दुर्गा पूजा दिवाली छठ जैसे बड़े त्यौहार आने वाले हैं उसके बाद क्रिसमस भी आने वाला है बिजली विभाग से आग्रह किया गया कि किसी भी धर्म का त्यौहार हो निर्बाध रूप से लोगों को बिजली आपूर्ति की जाए और खराब ट्रांसफार्मर को जल्द बदला जाए।

रामगढ़ में कोयले की अवैध खनन और कारोबार पर सुरक्षा कर्मियों पर जानलेवा हमला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रजरप्पा : झारखंड प्रदेश के रामगढ़ जिला में बीते 1 वर्षों से कोयले का खनन और कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है' कोयले का अवैध खनन और कारोबार रोकने का कोई दूर-दूर तक अंदेशा नहीं दिख रहा है। जिला से रोजाना करोड़ों रुपए के अवैध कोयले का कारोबार चल रहा है। जिला के कोयला माफिया और कोयला चोर सीना ठोक कर दिन दहाड़े धड़ले से कोयले का अवैध खनन और कारोबार चला रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ अगर सीसीएल क्षेत्र में कोयले की चोरी और अवैध खनन करने से रोका जा रहा है तो उन पर कोयला चोर जानलेवा हमला कर रहे हैं' पिछले दो दिनों में देखा जाए तो कोयला चोर की बड़ी हिम्मत सीसीएलके अरगड्डा और रजरप्पा क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। कोयल कवैध खनन और चोरी रोकने गए सीसीएल के सुरक्षा विभाग के अधिकारियों और कर्मियों पर जानलेवा हमला किया जा रहा है। सीसीएलके रजरप्पा क्षेत्र के सुरक्षा प्रभारी ने रजरप्पा थाना में इस संबंध में एक प्राथमिक की दर्ज कराई है। सीसीएल के रजरप्पा क्षेत्र के क्षेत्रीय सुरक्षा पदाधिकारी ने रजरप्पा थाना में दिए आवेदन में लिखा है कि 25 सितंबर के पहले सुबह सूचना मिली कि रजरप्पा सिड़ेंग के तरफ 60 से 70 मोटरसाइकिल सवार अपराधी घूम रहे हैं। चोरी की घटना को अंजाम दे रहे हैं। इस सूचना पर क्षेत्रीय सुरक्षा प्रभारी, सीसीएल के सुरक्षाकर्मी श्यामसुंदर रवानी,संतोष मिश्रा,मनोज कुमार एवं झारखंड गृह रक्षा वाहिनी के जवानों के साथ वहां पहुंचे। वहां पहुंचते ही कोयला मोटरसाइकिल पर लाद रहे लोग भागने लगे। सुरक्षा टीम ने कोयला लदे चार मोटरसाइकिल को पकड़ लिया' पकड़े गए कोयला और मोटरसाइकिल को सुरक्षा विभाग के बोलेरो कैंपर पर लाद कर ले जाया जा रहा था' वासरी गेट के समीप लगभग डेढ़ सौ अपराधियों ने उन्हें घेर लिया' साथी मारपीट करने लगे' पकड़े गए कोयला और मोटरसाइकिल को लेकर फरार हो गए। वही बोलोरो कैंपर के ड्राइवर और सुरक्षा कर्मियों को बुरी तरह पीटा गया। इस सूचना पर मैं अपने गश्ती दल के द्वारा उनका पीछा किया। भूचूंगडीह फोरलेन पर स्थित विराट होटल के सामने आकाश केवट,सूरज केवट, सुधीर केवट,विनोद केवट सहित 15 से 20 अपराधी घात लगाकर पहले से बैठे हुए थे' मेरे वहां पहुंचते ही उन सभी लोगों ने हम सभी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया' जिससे कि हम सभी को गंभीर चोटे लगी। हमले में सुरक्षाकर्मी संतोष मिश्रा, श्याम सुंदर रवानी,मनोज कुमार भी घायल हो गए हैं। वहीं दूसरी तरफ सीसीएल के सुरक्षा पदाधिकारी और कर्मियों पर लगातार हो रहे हमले के बावजूद पुलिस प्रशासन कोई सक्रिय कदम उठाता नहीं दिख रहा है' जिससे कि कोयला के अवैध खनन करने वाले और कोयला चोरों का मनोबल साथ में आसमान पर पहुंचा हुआ है। उल्टे पुलिस सीसीएल के सुरक्षा पदाधिकारी और कर्मियों को ही उल्टी सीधी बात कहती है।

एकात्म भारत का विचार देश मे आज भी प्रासंगिक : सुदर्शन भगत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : सदर प्रखंड के बीरू मंडल में भारतीय जनता पार्टी द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई गई पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाते हुए, मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री सुदर्शन भगत ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की ओर से दिया गया एकात्म भारत का विचार आज भी देश में काफी प्रासंगिक है। उन्होंने कहा था कि भारत में रहने वाला और इसके प्रति ममत्व की भावना रखने वाला मानव समूह एक जन हैं। उनकी जीवन प्रणाली, कला, साहित्य, दर्शन सब भारतीय संस्कृति है। इसलिए भारतीय राष्ट्रवाद का आधार यह संस्कृति है। इस संस्कृति में निष्ठा रहे तभी भारत एकात्म रहेगा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती में शामिल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू ने कहा की हमारा देश महान नेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के रूप में मनाता है। दीनदयाल उपाध्याय को भारत में गरीब दलितों की आवाज भी कहा जाता था। उनका सपना था कि देश की हर जन कल्याणकारी योजना का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। ₹समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के लिए योजनाएं बननी चाहिए। देश के लिए दिए गए उनके योगदान के उपलक्ष्य में उनकी जयंती को अंत्योदय दिवस के रूप में मनाया जाता है। पंडित दीनदयाल जी की जयंती पर पूर्व मंत्री विमला प्रधान ने कहा कि स्वदेशी उत्पाद अपनाना भी पंडित दीनदयाल जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्वदेशी के भी बहुत बड़े समर्थक थे।

सिमडेगा की बेटी प्रीति लकड़ा ने रचा इतिहास : अनिल कंडुलना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : झारखंड मुक्ति मोर्चा के सक्रिय सदस्य रहे इसदोर लकड़ा की बेटी प्रीति लकड़ा जिला सिमडेगा प्रखंड केरसई पंचायत बासेन गांव गढ़बासेन की रहने वाली एकदम गरीब किसान परिवार से जीवन यापन करने वाली बेटी ने फिर एक बार सिमडेगा जिला का नाम रोशन किया। आपको बताते चलें कि 36वीं पूर्वी क्षेत्र जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिनमें 10 राज्य एवं 621 एथलेटिक्स भाग लिए थे। उनमें सिमडेगा की बेटी प्रीति लकड़ा ने स्वर्ण पदक अपने नाम करने में सफल रही। आज दिनांक 25/09/025 को प्रीति लकड़ा सानया बस से अपराह्न 2.45 बजे सिमडेगा बस पड़ाव पहुंची, जहां पर झामुमो जिला अध्यक्ष सिमडेगा अनिल कांडुलना अपने सहयोगियों के साथ पुष्प गुच्छा देकर एवं पुष्प माला पहना कर उनका जोरदार स्वागत किया और स्वर्ण पदक जीतने तथा सिमडेगा जिला का नाम रोशन करने के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। साथ ही हर संभव मदद करने की बात कही। झामुमो परिवार की ओर से प्रीति लकड़ा एवं उनके माता पिता को बहुत बहुत बधाई एवं ढेर सारी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष अनिल कांडुलना, केन्द्रीय समिति सदस्य नोवस केरकेट्टा, केंद्रीय समिति सदस्य फिरोज अली, संजू डांग, पूर्व जिला अध्यक्ष किशोर डांग, पूर्व केंद्रीय सदस्य मो शाहिद, जिला उपाध्यक्ष रितेश बड़ाइक, जिला संगठन सचिव कल्याण मिंज, क्रीड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष देवेंद्र साहू, फुलकुवारी समद, मो रूफी, संजय कुमार सिंह के अलावे स्वयं प्रीति लकड़ा के पिता एवं भाई और शुभचिंतक गण उपस्थित रहे।

रामगढ़ में कुएं में गिरे हाथी और उसके बच्चे को डीएफओ की टीम ने किया रेस्क्यू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड अंतर्गत रजरप्पा मंदिर के ठीक बगल हेसपोड़ा पंचायत के जंगल बहुल परसा डीह टोला में आज तड़के दो हाथी एक बड़े कुएं में गिर गए। सूचना मिलते ही रामगढ़ डीएफओ नीतीश कुमार ने गोला प्रक्षेत्र से क्यूआरटी टीम भेज कर त्वरित गति से करवाई करते हुए इन दोनों हाथियों को रेस्क्यू करके बाहर निकलवाया। हालांकि एक बड़े हाथी एवं उसके एक छोटे बच्चे ने बाहर निकलने के लिए उस फिसलन भरी मिट्टी में घंटो मशक्कत करते देखे गए। पूरे मामले में रेस्क्यू के दौरान घटनास्थल पर मौजूद रहे रामगढ़ जिले के डीएफओ नीतीश कुमार ने बताया कि आज सुबह-सुबह सूचना प्राप्त हुई कि दो हाथी कुएं में गिरे हुए हैं संभवत यह हाथी उन 42 हाथियों के झुंड में से थे जो रामगढ़ में पिछले दिनों से डेरा जमाए हुए थे और शायद ये अपने झुंड से बिछड़ गए थे या बोकारो जाने के क्रम में कुएं में गिर गए होंगे, इसके लिए गोला प्रक्षेत्र से टीम का गठन किया गया और साथ में क्यूआरटी टीम भी गई और त्वरित कार्रवाई करते हुए हमने हाथियों के लिए रास्ता बनवाया और हाथी खुद व खुद कुएं से निकलकर जंगल की ओर निकल गए हैं और अब हम लोगों का प्रयास यह रहेगा कि उसे उनके अपने झुंड से मिला दिया जाए।

रामगढ़ में त्यौहार से पहले होटलों में खाद्य विभाग की छापेमारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिला खाद्य विभाग रामगढ़ की टीम ने बृहस्पतिवार को रामगढ़ के विभिन्न होटलो में औचक छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान खाद्य पदार्थों की जांच की गई। साथ ही शुद्धता की जांच के लिए सेम्पल लिया गया। अभियान में जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी अदिति सिंह ने सिद्धि स्वीट्स नई सराय, इसके बाद पूरी टीम के साथ मां भवानी स्स्वीट्स कुज्जू, दोसा सिंह, रॉयल तड़का, लवली जूस एंड स्नैक्स, उत्तम चार्ट, शालीमार स्वीट्स, पूनम स्वीट्स, न्यू बंक स्नैक्स इन सभी जगह पर फ्रिज में रखे खाद्य पदार्थ जैसे पनीर, हरी सब्जी की जांच की गई । मिठाइयों की भी जांच की गई। अदिति सिंह के द्वारा साफ सफाई रखने का भी हिदायत दिया गया । इस दौरान बताया गया कि सूचना मिली है कि क्षेत्र में पूजा के दिनों में बाहर से नकली मेवा सहित अन्य खाद्य सामग्री होटलों में बेची जा रही है। जिसपर अंकुश लगाने के लिए जांच अभियान चलाया गया। यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। इस अवसर पर अदिति सिंह ने जोर देकर कहा कि पूरे जिले में नकली खाद्य सामग्री बेचने वालों पर विभाग की पैनी नजर है। नकली खाद्य सामग्री बेचने वालों पर कानून संवद कठोर करवाई की जाएगी औचक निरीक्षण में सिविल सर्जन कार्यालय के कर्मचारी विनय शर्मा सहित अन्य शामिल थे।

रामगढ़ बरकाकाना में शरदीय नवरात्र की तैयारियां युद्ध स्तर पर, श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा और सुविधा पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : शरदीय नवरात्र शुरू होने में अब जहां कुछ ही दिन बाकी है। जिले के विभिन्न पूजा पंडालो में मूर्ति स्थापित किए जाने को लेकर निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। नया नगर बरकाकाना दुर्गा पूजा जिला में आकर्षण का केंद्र होता है। जहां कपाट खुलते ही पूजा अर्चना किए जाने को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगती है। पूजा समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुरक्षा व अन्य व्यवस्था को लेकर केंद्रीय कार्यशाला बरकाकाना के सभागार में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। जिसमें पूजा समिति संरक्षक केंद्रीय कार्यशाला बरकाकाना के महाप्रबंधक संजय कुमार व पूजा समिति के पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि इस बार की पूजा में विशेष रूप से महिलाओं की सुरक्षा को लेकर पूरे मेला क्षेत्र में 50 सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है। पंडाल निर्माण कार्य 6 लाख 75 हजार रुपये की लागत से बन रही है। मूर्ति के लागत लगभग 2 लाख, विद्युत सज्जा 3 लाख 60 हजार का होगा। जबकि मेला में इस वर्ष श्रद्धालुओं द्वारा मौत का कुआं, टोरा टोरा, डिजनी लैड, मिक्की माउस सहित कई तरह के झूला का आनंद लिया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए कई तरह के स्टॉल लगाया जा रहा है। जिसमें श्रद्धालुओं द्वारा विभिन्न तरह के व्यंजनों का लुप्त उठाया जाएगा। बरकाकाना क्षेत्र में पांच स्थानों पर मूर्ति स्थापित कर पूजा अर्चना किया जाता है। मेला के दौरान प्रत्येक दिन लगभग लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। जिसे प्रशासन द्वारा सुचारू बनाए रखना एक चुनौती पूर्ण कार्य होता है। पूजा में लगने वाले भीड़ से निजात पाने को लेकर बरकाकाना ओपी पुलिस द्वारा विशेष तैयारी की गई है। जिला प्रशासन द्वारा मेला का उद्घाटन किए जाने के बाद से ही श्रद्धालुओं द्वारा विभिन्न तरह का झूले का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है। नया नगर बरकाकाना अपने मेले के लिए प्रसिद्ध है। वही बरकाकाना के गांधी मैदान में चलंत मूर्ति स्थापित की जाती है। जिसमें महिषासुर वध दिखाया जाता है। जिस कारण श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगती है। प्रत्येक दिन लगभग लाखों की संख्या में श्रद्धालु बरकाकाना के विभिन्न पंडाल में पहुंचकर माता का दर्शन करते हैं।

संक्षिप्त खबरें

राधा गोविंद विवि में विश्व फार्मासिस्ट दिवस एवं फार्माको विजिलेंस सप्ताह का हुआ आयोजन

रामगढ़ : राधा गोविंद विश्वविद्यालय, रामगढ़, झारखंड में फामेर्सी विभाग एवं राधा गोविंद फामेर्सी कॉलेज द्वारा विश्व फार्मासिस्ट दिवस एवं फार्माकोविजिलेंस सप्ताह का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर जागरूकता रैली, सेंसिटाइजेशन ट्रेनिंग, लोगो एवं स्लोगन प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, कबड्डी प्रतियोगिता तथा Adverse Drug Reaction विषय पर पोस्टर प्रेजेंटेशन जैसी विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी. एन. साह , सचिव प्रियंका कुमारी, कुलपति प्रो. (डॉ.) रश्मि, कुलसचिव प्रो. (डॉ). निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार,परीक्षा नियंत्रक प्रो.(डॉ.) अशोक कुमार प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार एवं प्राचार्य साई प्रकाश पाणिग्राही की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर कुलाधिपति बी. एन. साह ने अपने उद्बोधन में कहा विश्व फार्मासिस्ट दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि फार्मासिस्ट समाज को सुरक्षित दवा उपयोग की दिशा में जागरूक और सक्षम बनाते हैं। छात्रों की सक्रिय भागीदारी इस अभियान को और मजबूती देती है। सचिव प्रियंका कुमारी ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम छात्रों में नेतृत्व क्षमता और सामाजिक दायित्व की भावना का विकास करते हैं। कुलपति प्रो. (डॉ.) रश्मि ने कहा कि फार्माकोविजिलेंस केवल दवाओं की सुरक्षा का विषय नहीं है, बल्कि यह रोगी की संपूर्ण सुरक्षा और स्वास्थ्य संवर्धन से जुड़ा है। फार्मासिस्ट समाज के विश्वसनीय स्वास्थ्य साथी हैं। वहीं कुलसचिव प्रो. (डॉ.) निर्मल कुमार मंडल ने कहा कि झ आज का फार्मासिस्ट केवल दवा प्रदाता नहीं, बल्कि रोगी सुरक्षा और स्वास्थ्य शिक्षा का वाहक भी है। समारोह में विभाग के शिक्षक- जयिता रॉय, सुरजीत बर्मन, अरूप गोस्वामी, झरना पलेई, शम्भू प्रसाद सिंह, सुमित कुमार, रमा सोनी, सस्मिता बास्के, डॉ. राहुल कुमार, राहुल दत्ता, स्नेहा मोहपात्रा, भाग्यश्री प्रभात, सुजाता कुमारी, प्रसन्ना ज्योति मल्ला, मलय स्वाइन, रंजन घोष, सूर्यनारायण सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। सप्ताह भर चलने वाले इस आयोजन ने न केवल छात्रों को शैक्षिक अनुभव प्रदान किया, बल्कि समाज को दवा सुरक्षा और स्वास्थ्य जागरूकता के महत्व से भी अवगत कराया।

लीड्स संस्था के द्वारा दो दिवसीय हॉकी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

केरसई: लीड्स संस्था एवं अंधेरी हिल्फे बॉन के सहयोग से प्रखण्ड के बाघडेगा पंचायत अंतर्गत पहाड़सारा हॉकी मैदान में बीते दिनांक 23 एवं 24 सितम्बर को हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें केरसई प्रखण्ड से कुल 9 टीमों ने हिस्सा लिया। इस टूर्नामेंट में मुख्य अतिथि के रूप में लीड्स संस्था के परियोजना समन्वयक महेंद्र कुमार, प्रखण्ड अंचल अधिकारी देवकांत सिंह, प्रखण्ड पंचायती राज पदाधिकारी मुरारी चंद्र महापात्रा, बाघडेगा पंचायत मुखिया सह विधायक प्रतिनिधि राहुल रोहित तिग्गा एवं कोनजोबा पंचायत मुखिया सह सांसद प्रतिनिधि मुंस खेस्स शामिल हुए। इस प्रतियोगिता में कुल 9 टीमों ने भाग लिया जिसमें फाइनल में कोरकोटजोर एवं पहाड़सारा गांव के टीम पहुंचे जिसमें कोरकोटजोर की टीम 3-0 से विजेता हुई जिन्हें बड़ा खस्सी एवं पहाड़सारा की टीम जो उपविजेता हुई उन्हें छोटा खस्सी देकर सम्मानित किया गया। इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी कोरकोटजोर टीम से संजय खेस जिन्हें हॉकी स्टीक देकर सम्मानित किया गया, पहाड़सारा टीम से मैन ऑफ द सीरीज उत्तम तिर्की जिन्हें हॉकी जूता देकर सम्मानित किया गया एवं कोरकोटजोर टीम से मैन ऑफ द मैच सुजीत तिर्की जिन्हें सेन गार्ड देकर सम्मानित किया गया। परियोजना समन्वयक महेंद्र कुमार के द्वारा बताया गया कि लीड्स संस्था के द्वारा इस तरह के कार्यक्रम को कराने का मुख्य उद्देश्य युवाओं में स्थानीय खेल के प्रति रुचि को बढ़ाना और खेल के क्षेत्र में उन्हें आगे लाना है जिससे उनका भविष्य उज्जवल हो सके। इस कार्यक्रम में लीड्स संस्था केरसई टीम से मोहम्मद इब्राहीम, संदीप कुमार, विवेक लकड़ा, सुशील लकड़ा, प्रदीप टोप्पो एवं सुमीरा बड़ाईक शामिल हुए।

केरसई के ग्रामीणों ने श्रमदान से खुद बना डाला एक किलोमीटर लंबा मोरम सड़क

केरसई : जहां सरकार और जनप्रतिनिधियों की चुप्पी और निष्क्रियता ग्रामीण इलाकों के विकास में बड़ी बाधा बनी हुई है, वहीं केरसई प्रखंड के बासेन पंचायत अंतर्गत बासेन बाथान टोली, माकर बुढ़ और भंडार टोली के ग्रामीणों ने अपनी मेहनत और एकता से एक नई मिसाल पेश की है। इन गांवों के 100 से अधिक महिला-पुरुषों और युवाओं ने मिलकर एक किलोमीटर लंबा मोरम सड़क सिर्फ श्रमदान के बल पर बना डाला। यह कार्य पूरी तरह सामूहिक सहयोग से किया गया, जिसमें किसी सरकारी सहायता नहीं लिया। ग्रामीणों ने फावड़ा, तसला और बेलचा, दावली, कुल्हाड़ी उठाया और खुद ही अपने गांव की सड़क के किनारे झाड़ियों को साफ कर मोरम मिटटी बिछा कर रोड बनाने में जुट गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि चुनाव के वक्त नेता और जनप्रतिनिधि बड़े-बड़े वादे करके आते हैं, लेकिन जीतने के बाद वे गांव की तरफ मुँह तक नहीं करते। हमारे गांव में सड़क की हालत इतनी खराब थी कि एंबुलेंस तक नहीं आ पाती थी। बीमार या गर्भवती महिलाओं को ऑटो पर लादकर मुख्य सड़क तक ले जाना पड़ता था, यह कहना है भंडार टोली की एक महिला का। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई, लेकिन नतीजा सिर्फ आश्वासन तक सीमित रहा। इससे तंग आकर तीनों गांवों ने मिलकर खुद ही काम करने का फैसला लिया। इस निर्माण कार्य में बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक किसी ने भी पीछे नहीं हटे। माकर बुढ़ गांव के एक नवयुवक ने बताया कि जब गांव की महिलाएं भी सुबह-सुबह निकलकर मिट्टी और मोरम उठाने लगीं, तो पुरुषों और युवाओं में भी जोश आ गया। ग्रामीणों ने सड़क के लिए पास के ही टांड़ से मोरम लाकर डाला और समतल कर एक कड़ी मेहनत से चलने योग्य सड़क तैयार की। यह सड़क अब तीनों गांवों को मुख्य मार्ग से जोड़ती है, जिससे अब स्कूल, अस्पताल और बाजार जाना आसान हो गया है। हमको अब समझ में आ गया कि सरकार के भरोसे बैठे रहना मतलब अपने ही समय और जीवन को खराब करना। अगर हम एकजुट हो जाएं, तो हर मुश्किल आसान हो सकती है।

एक नजर

"एक दिन, एक घंटा, एक साथ" मालदा मंडल में स्वच्छता ही सेवा के तहत विशेष श्रमदान

साहिबगंज : भारतीय रेल द्वारा 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक स्वच्छोत्सव विषय के साथ चलाए जा रहे स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के अंतर्गत आज मालदा मंडल, पूर्व रेलवे में विशेष स्वच्छता पहल एक दिन, एक घंटा, एक साथ का आयोजन किया गया। मालदा टाउन स्टेशन पर यह विशाल स्वच्छता अभियान मालदा मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के नेतृत्व एवं प्रदीप दास, वरिष्ठ डीएमई के पर्यवेक्षण में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मंडल के सभी वरिष्ठ विभागाध्यक्षों सहित बड़ी संख्या में रेल कर्मचारी उत्साहपूर्वक श्रमदान में शामिल हुए और स्टेशन प्रांगण, परिसंचरण क्षेत्र, रेलवे कॉलोनियों एवं आसपास के क्षेत्रों की सफाई की गई। इस अवसर पर संबोधित करते हुए मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता ने कहा कि स्वच्छता एक दिन का कार्य नहीं बल्कि सतत जिम्मेदारी है। ऐसे सामूहिक प्रयास रेलकर्मियों एवं आमजन, दोनों के बीच जागरूकता और उत्तरदायित्व की भावना को प्रेरित करते हैं। मंडल रेलवे अस्पताल, में भी विशेष श्रमदान का आयोजन किया गया, जिसका नेतृत्व सीएमएस अनुपा घोष ने किया। अस्पताल परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों की सफाई में अस्पताल कर्मचारी, सफाई कर्मी और स्थानीय निवासी शामिल हुए। इसी प्रकार साहिबगंज और बरहरवा में भी स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया, जिसमें स्टेशन प्रांगण, रेल कॉलोनियां तथा कार्यालयों की सफाई की गई।

विवाहित महिला ने अपने पति पर प्रताड़ित करने को लेकर किया थाना में केस दर्ज

साहिबगंज : राधानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत पहाड़गांव पंचायत के पतौड़ा गांव की एक महिला ने अपने पति पर मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना, और भरण-पोषण न देने सहित कई गंभीर आरोप लगाते हुए थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। जिसमे पीड़िता ताराफुल बीबी ने अपने आवेदन में बताया है कि उसकी शादी करीब 11 वर्ष पूर्व पहाड़ गांव में शौकत शेख के साथ मुस्लिम रीति रिवाज से हुई थी। उनके तीन छोटे-छोटे बच्चे भी हैं। आरोप है कि विगत 7 वर्षो से पति शौकत शेख लगातार गाली-गलौज और मारपीट कर प्रताड़ित करता रहा है। मायके से मोटरसाइकिल लाने का दबाव भी बनाया गया। महिला का कहना है कि इसी नाराजगी में उसका पति शौकत शेख ने लगभग 4 वर्ष पूर्व बिना तलाक दिए ही दूसरी शादी कर ली। शादी के बाद पति शौकत शेख उसकी दूसरी पत्नी इदनारा बीबी और सास जन्नातून बीबी तीनों मिलकर उसे प्रताड़ित करने लगे।

डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट का किया औचक निरीक्षण

बरहेट : प्रखंड में गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट में डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट के नेतृत्व में अपने दल बल के साथ औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी जानकारी ली। डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट सूरज कुमार ने अस्पताल में तैनात सुरक्षाकर्मी मुबारक अंसारी से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रजिस्टर, रोस्टर आदि का जांच किया। वही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट में तीन सुरक्षा कर्मी मुबारक अंसारी, थॉमस किस्कू, बबलू सोरेन कार्यरत हैं। उक्त तीनों में से सिर्फ मुबारक अंसारी ड्यूटी पर थे। उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि जब तक नया शेड्यूल नहीं आ जाता है उक्त तीनों गार्ड को ड्यूटी में 24 घंटा तैनात रहने की बात कही गई। इस दौरान बीपीओ प्रिय रंजन सिंह सहित अस्पताल के अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

उपायुक्त ने स्वरोजगार से जुड़ी महिलाओं को मार्केट लिंकेज का दिया आश्वासन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : क्षेत्र भ्रमण के दौरान उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने गुरुवार को घाटशिला और मुसाबनी प्रखंड का दौरा कर ग्रामीण स्तर पर स्वरोजगार से जुड़ी महिलाओं से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से काष्ठ शिल्प कार्य से जुड़ी महिलाओं से बातचीत कर उनके अनुभव और चुनौतियों की जानकारी ली। उपायुक्त ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें स्थायी रोजगार उपलब्ध कराना है। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने घाटशिला में पीपल ट्री संस्था की ओर से संचालित काष्ठ शिल्पकला सेंटर और मुसाबनी प्रखंड के तेरेंगा गांव में मां गायत्री महिला समिति की ओर से संचालित काष्ठ शिल्पकला कार्य से जुड़ी महिलाओं की गतिविधियों को देखा। मौके पर उन्होंने कार्य की गुणवत्ता की सराहना की और बेहतर प्रशिक्षण, मार्केट लिंकेज, डिजाइन अपग्रेडेशन, आधुनिक उपकरण और अन्य आवश्यक सहयोग पर चर्चा की, ताकि महिलाएं अपने हुनर को बड़े स्तर पर प्रदर्शित कर सकें और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच बना सकें। इसके साथ ही तेरेंगा में जूट बैग निर्माण से जुड़ी महिला समिति के कार्यों का भी निरीक्षण किया गया। उपायुक्त ने घाटशिला में रूर्बन मिशन के अंतर्गत संचालित सखी डोर सिलाई सेंटर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सिलाई-कढ़ाई सीख रही महिलाओं से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनी और गुणवत्ता-आधारित प्रशिक्षण पर बल दिया। उपायुक्त ने कहा कि इस प्रकार के कौशल प्रशिक्षण केंद्र महिलाओं को न केवल आत्मनिर्भर बना रहे हैं बल्कि उन्हें समाज में नई पहचान भी दिला रहे हैं। उन्होंने महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अपने हुनर को व्यवसायिक अवसरों में बदलें और समूह आधारित कार्यों से बड़े स्तर पर रोजगार के अवसर तैयार करें। स्वरोजगार से जुड़ी महिलाओं का उत्साह देखकर उपायुक्त ने कहा कि ग्रामीण महिलाएं अपने हुनर से परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं और अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा भी बन रही हैं। ऐसे प्रयास आत्मनिर्भर भारत और लखपति दीदी जैसे लक्ष्यों को साकार करने में अहम योगदान दे रहे हैं। उन्होंने महिलाओं को आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन हर संभव सहयोग देगा ताकि वे अपने हुनर से स्वरोजगार स्थापित कर सकें और दूसरों के लिए रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त करें।

इस मौके पर महिलाओं ने कहा कि प्रशासन की मदद और प्रशिक्षण से उन्हें नया आत्मविश्वास मिला है। अब वे घर की चारदीवारी से बाहर निकलकर अपनी प्रतिभा को स्वरोजगार के रूप में विकसित कर पा रही हैं। कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी घाटशिला सुनील चंद्र, बीडीओ घाटशिला यूनिका शर्मा, बीडीओ मुसाबनी अदिति गुप्ता सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

"एक दिन, एक घंटा, एक साथ" अभियान के तहत राष्ट्रव्यापी स्वैच्छिक श्रमदान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले में "एक दिन, एक घंटा, एक साथ" अभियान के अंतर्गत राष्ट्रव्यापी स्वैच्छिक श्रमदान का आयोजन किया गया। गंगा विहार पार्क सहित नगर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर जिला गंगा समिति, नगर परिषद् कर्मी, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, जिला प्रशासन के अधिकारी, विद्यालयों के छात्र-छात्राएँ, जल सहिया एवं स्वयंसेवकों ने मिलकर स्वच्छता गतिविधियों में भाग लिया।कार्यक्रम की शुरूआत सामूहिक स्वच्छता शपथ के साथ हुई। इसके बाद गंगा विहार पार्क और आसपास के क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया गया। साथ ही, वृक्षारोपण कर हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। जिले के विभिन्न विद्यालयों में भी इस अवसर पर विविध कार्यक्रम आयोजित हुए। छात्रों ने स्वच्छता पर आधारित प्रश्नोत्तरी एवं चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने विचार और रचनात्मकता प्रस्तुत की। इन गतिविधियों ने बच्चों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता और ज़िम्मेदारी की भावना को मजबूत किया।

दुर्गा पूजा को लेकर यातायात में हुआ बदलाव, प्रशासन ने दिये निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में शारदीय नवरात्र एवं दुगार्पूजा के अवसर पर जिला प्रशासन, पाकुड़ द्वारा नगर परिषद क्षेत्र एवं अन्य सड़क मार्गों पर आमजनों की यातायात व्यवस्था को सुगम एवं सरल बनाने हेतु विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इस क्रम में दिनांक 27.09.2025 से नगर क्षेत्र के कुछ मार्गों को एकतरफा घोषित किया गया है। वन-वे रूट विवरणी -मुफस्सिल थाना रेलवे फाटक होकर आने वाले एवं पाकुड़ कोर्ट मुख्य मार्ग से हिरणपुर, बरहरवा, लिट्टीपाड़ा, महेशपुर की ओर जाने वाले वाहन खुदीराम बोस चौक, हरिणचौक, अंबेडकर चौक होते हुए आगे बढ़ेंगे। रेलवे स्टेशन/गांधी चौक से आने वाले वाहन हाटपाड़ा, नगर थाना, व्यवहार न्यायालय, उपायुक्त आवास की ओर जाने हेतु गांधी चौक, तांतीपाड़ा, बिरसा चौक होकर अपने गंतव्य जाएंगे। उपायुक्त आवास

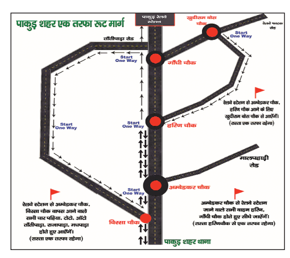

चौक/व्यवहार न्यायालय/नगर थाना/अंबेडकर चौक से मुफस्सिल थाना एवं पश्चिम बंगाल की ओर जाने वाले वाहन हरिण चौक, गांधी चौक, खुदीराम बोस चौक, रेलवे फाटक होते हुए प्रस्थान करेंगे। नो-एंट्री व्यवस्थादिनांक 28.09.2025 से 03.10.2025 तक शहर में भारी एवं व्यवसायिक वाहनों की आवाजाही पर आंशिक संशोधित नो-एंट्री लागू रहेगी। दोपहर 02:00 बजे से 04:00 बजे तक नो-एंट्री अस्थायी रूप से समाप्त रहेगी। रात्रि में नो-एंट्री का समय रात्रि 11:30 बजे से प्रातः 06:00 बजे तक प्रभावी रहेगा।

वाहन पड़ाव की व्यवस्था

तीन पहिया, चार पहिया एवं छोटे वाहन सिद्धो कान्हु पार्क के समीप ठहराव करेंगे। ओवर ब्रिज, सुभाष चन्द्र बोस चौक (पियादापुर) एवं मालपहाड़ी मार्ग से आने वाले वाहनों का ठहराव हरिणडांगा हाई स्कूल मैदान में होगा। मुफस्सिल थाना से रेलवे स्टेशन/हरिण चौक आने वाले वाहनों का ठहराव विवेकानंद चौक के समीप होगा। बरहरवा एवं अन्य मार्गों से आने वाले तथा पश्चिम बंगाल जाने वाले वाहनों की आवाजाही किताझोर चौक, के०के०एम० कॉलेज, ईशाकपुर रेलवे फाटक, मालगोदाम रोड होते हुए चॉचकी के रास्ते सुनिश्चित की जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी आम नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें एवं प्रशासन को सहयोग प्रदान करें, ताकि दुगार्पूजा पर्व शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराया जा सके।

जैप 09 परिसर में 61 फलदार का किया गया पौधरोपण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : गंगा मिशन कोलकाता साहिबगंज द्वारा आयोजित गंगा हरित अभियान के तहत जैप 09 परिसर साहिबगंज में फलदार पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां मुख्य अतिथि जिला जैप 09 के प्रभु प्रसाद नीसो, भगवान मांझी अनिस, मेजर संजय सिंह, अनिल कुमार सिंह, राजन कुमार के द्वारा आम, कटहल, सपाटु, आंवला, अमरूद का पौधा जैप 09 परिसर में लगाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत जैप 09 के प्रभु प्रसाद नीसो ने अपने संबोधन में कहा कि जब समाज, संस्था और प्रशासन एकजुट होकर आगे बढ़ते हैं, तभी प्रकृति पर्यावरण संरक्षण गंगा पुनर्जीवन का संकल्प साकार होता है। प्राकृतिक की रक्षा करना छोटे बड़े सब की जिम्मेदारी है। प्राकृतिक आपदा, प्राकृतिक से छेड़छाड़ करने पर हो रहा है। संकट में है, पृथ्वी को बचाने के लिए हमलोगों को आगे बढ़ चढ़ कर वृक्ष का रोपण करना होगा। वृक्ष ही प्राकृतिक है, प्राकृतिक ही जीवन है। पेड़ पौधा लगाकर पर्यावरण वातावरण को हरा भरा रखे। वृक्ष नहीं होगा तो बारिश नहीं होगा, भोजन नहीं मिलेगा। पानी की आवश्यकता, वायु की आवश्यकता, खाने की आवश्यकता वृक्ष द्वारा पूरी होती है सरकार बिरसा हरित ग्राम योजना के साहिबगंज जिला बाढ़ ग्रसित एवं जल जमाव का क्षेत्र है, पेड़ लगाने से भूमि कटाई की रोकथाम होती है। पौधा से हरियाली के साथ साथ पक्षियों को रहने के लिए अपना घर मिलता है। गंगा हमारी मां हैं, गंगा बचेगी तब हमलोग बचेंगे और प्राकृतिक बचेगी, गंगा जीवन दायिनी है। पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करना है। इसके लिए गंगा मिशन भी बधाई के पात्र है। इस अवसर पर गंगा मिशन के सुरेश निर्मल, राजेश गुप्ता, जैप 09 के सैकड़ो सशस्त्र बल एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

नवरात्र को लेकर भक्तों में दिखा उत्साह, माहौल भक्तिमय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : दुगार्पूजा को लेकर इन दिनों शहर का माहौल भक्तिमय हो गया है। शहर के विभिन्न मंदिरों में प्रतिदिन सुबह-शाम पूजा और आरती की जा रही है। गुरुवार को शहर के चौक बाजार, कुलीपाड़ा, हटिया, साउथ कॉलोनी, रेलवे इंस्टीट्यूट, सुभाष कॉलोनी, पुरानी साहिबगंज, काटरगंज, झरना कॉलोनी, बनियापट्टी दहला, तालबन्ना, तुरी टोला माघी पूणीर्मा मंदिर समेत कई मंदिरों में भक्तजनों ने पूजा-अर्चना की। चौक बाजार के पुरोहित प्रद्युम्न पांडे ने बताया कि गुरुवार को मां के चौथे स्वरूप मां कुष्मांडा की पूजा की गयी। अलग-अलग मंदिरों में अलग-अलग पुरोहितों द्वारा पूजा-अर्चना की जा रही है। प्रमोद पांडे ने बताया कि शुक्रवार को नवरात्र के पांचवे दिन भी मां कुष्मांडा की पूजा की जायेगी। इस बार नवरात्र में चार पूजा दो दिन पड़ा है। कुलीपाड़ा कृष्णा नगर बड़ी दुर्गा मंदिर में बीना देवी, अन्नपूर्णा देवी, मंटू कुमार, संध्या देवी, पूनम देवी, कृष्णा देवी, शांति देवी, अर्चना देवी, पूनम कुमारी, संजय कुमार और पुरोहित प्रमोद पांडे ने मां कुष्मांडा का मंत्रोच्चारण कर पूजा-अर्चना की।

आजीविका कर्मचारी संघ जिला इकाई ने अपनी मांगों को लेकर किया धरना प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड राज्य आजीविका कर्मचारी संघ, साहिबगंज जिला इकाई ने गुरुवार को धरना प्रदर्शन किया। साथ ही जिला कार्यक्रम प्रबंधक को मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपा। आवेदन के माध्यम से कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को बताया। इस दौरान कार्यरत कर्मचारियों का नियमितीकरण एवं सेवा-सुरक्षा जेएसएलपीएस एवं सोसाइटी एक्ट के तहत कार्यरत सभी कर्मचारियों को राज्य कर्मी का दर्जा दिया जाने, एनएमएमयू नीति के तहत

तय वेतनमान एवं सेवा अवधि की गणना के अनुसार मानदेय का भुगतान सुनिश्चित किया जाने, स्तर-07 एवं स्तर-08 के कर्मचारियों की सेवाओं का मूल्यांकन कार्यकुशलता एवं अनुभव के आधार पर उनकी सेवाओं का स्थायीकरण किया जाने, जेएसएलपीएस कर्मियों को न्यूनतम 10% वार्षिक वेतन वृद्धि दी जाने एवं लंबित वेतन वृद्धि शीघ्र प्रभाव से लागू की जाने, कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ईपीएफ,, ग्रेच्युटी एवं अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ सभी कर्मचारियों को दिया जाने, स्थानांतरण नीति राज्य के अन्य जिलों में कार्यरत कर्मचारियों की स्थानांतरण प्रक्रिया पारदर्शी व न्यायसंगत तरीके से किया जाने की मांग किया है। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि झारखंड सरकार की कई महत्वाकांक्षी योजनाओं को धरातल पर सफलतापूर्वक लागू करने में जेएसएलपीएस कर्मियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में उनके भविष्य और सेवा-सुरक्षा को दरकिनार करना उचित नहीं है। मौके पर संघ के जिला अध्यक्ष शाहनवाज आलम, उपाध्यक्ष घनश्याम कुमार, सचिव गोराचाँद मड़ैया, कोषाध्यक्ष दानीनाथ दत्ता, मीडिया प्रभारी अंशुमान कुमार साहा, श्रवण कुमार, धनलाल मिश्रा, प्रियंका सोरेन, लाली कुमारी, दुलार मरांडी, कृष्णकांत रक्षित, संतोष कुमार, सत्यम, नूतन देवी, बीरेंद्र, सोनू, सुनिल कुमार, अरुण कुमार, मनीष कुमार, संजय कुमार, मथियास, त्रिभुवन टुडू, अनिल सोरेन, लम्बोदर पंडित कुंडन कुमार, मनोज मंडल, राजीव पंडित, प्रमोद कुमार, संतोष मरांडी, उदय कुमार जोसफ किस्कू, इजरायल अंसारी, मैनुअल सोरेन, ध्रुव कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत जिले में चलाया गया व्यापक साफ-सफाई

पाकुड़ : जिले के उपायुक्त मनीष कुमार ने बुधवार देर शाम वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी विभागीय पदाधिकारियों के साथ बैठक कर स्वच्छता ही सेवा अभियान को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए थे। आज उसी के आलोक में पूरे जिले में स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 के तहत सभी कार्यालयों, विद्यालयों, पंचायतों, आंगनबाड़ी केंद्र एवं सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक साफ-सफाई अभियान चलाया गया। इस अवसर पर जिले के पदाधिकारी, कर्मचारी एवं आम नागरिक ने श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। अभियान के दौरान कार्यालयों एवं उनके परिसर, विभिन्न चौक-चौराहों, गली-मोहल्लों में सफाई की गई तथा आमजनों को स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। उपायुक्त ने कहा कि स्वच्छ भारत का सपना तभी साकार होगा जब प्रत्येक नागरिक प्रतिदिन स्वच्छता को आदत बनाए और कम से कम एक दिन, एक घंटा समाज एवं पर्यावरण की स्वच्छता के लिए समर्पित करे। स्वच्छता केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि यह जन-आंदोलन है, जिसमें सभी की सहभागिता आवश्यक है।

जिला परिवहन विभाग ने सघन वाहन जांच अभियान चलाकर कर हजारों रुपये जुर्माना वसूला

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के साक्षरता मोड़ के पास जिला परिवहन पदाधिकारी मिथलेश कुमार चौधरी के निर्देश पर गुरुवार को सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। जहां इस सघन वाहन जांच अभियान के दौरान दो पहिया, तीन पहिया, एवं चार पहिया, को बिना आवश्यक दस्तावेज के साथ पकड़ते हुए जिरवाबाड़ी थाना के हवाले कर दिया गया। दर्जनों वाहनों का सघन जांच किया गया। जांच करने के दौरान 25 वाहनों से 50 हजार रुपए जुमार्ना जिला परिवहन विभाग ने वसूला। उधर मामले को लेकर डीटीओ ने बताया कि अक्सर देखा जा रहा है कि वाहन चालक सुरक्षा नियमों की अनदेखी करके वाहनों को तेज गति से चला रहे हैं जिसके कारण आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं और लोगों की जान जा रही हैं। जहां ऐसे ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए जिला प्रशासन के निर्देश पर जिला परिवहन विभाग के कर्मी अलग अलग स्थानों पर सघन वाहन जांच अभियान चलाते हुए आमजनों को जागरूक कर रहे हैं। इस वाहन जांच अभियान के मौके पर अनुज कुमार, नीरज कुमार हंसराज एवं जिरवाबाड़ी के कई पुलिस पदाधिकारी व कर्मी मौजूद थे।

बड़हरवा में स्कूल मृदा स्वास्थ्य प्रशिक्षण का सफल हुआ आयोजन

साहिबगंज : जिला के बड़हरवा प्रखंड स्थित पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय जूहीबोना में स्कूल सॉइल हेल्थ प्रोग्राम अंतर्गत एक दिवसीय स्कूल मृदा स्वास्थ्य प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के शिक्षक कुन्दन कुमार मित्रा द्वारा स्वागत भाषण से हुआ। इस अवसर पर उप परियोजना निदेशक आत्मा साहेबगंज मंटू कुमार ने मिट्टी में पाए जाने वाले आवश्यक पोषक तत्वों जैसे ऑक्सीजन, कार्बन, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश, कैल्शियम, मैग्नीशियम, गंधक तथा सूक्ष्म पोषक तत्वों (लोहा, तांबा, जस्ता, बोरेन, मौलीब्डेनम, क्लोरीन आदि) के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने पीएच, ईसी और ओसी की जानकारी भी छात्रों को दी। स्कूल सॉइल हेल्थ प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर कंचन कुमार सुमन ने स्कूल के ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया, बैच निर्माण, शिक्षक को ग्रुप लीडर बनाने तथा स्कूल सॉइल हेल्थ ऐप के माध्यम से मिट्टी नमूना संग्रह करने की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही फील्ड में जाकर मिट्टी का व्यावहारिक नमूना संग्रह भी कराया गया। इस दौरान प्रखंड तकनीकी प्रबंधक मो० अनावारूल अंसारी ने बच्चों को कृषि की महत्वपूर्ण जानकारियाँ दीं। कार्यक्रम में सहायक तकनीकी प्रबंधक प्रतिभा कच्छप, हिमांशु शेखर, मो शगीर, मो तैयब सहित विद्यालय के शिक्षक हिमांशु सिंह, अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं, कर्मचारी व सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

घर में घुसकर जानलेवा हमला कर, लाखों रुपये लेने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज : राधानगर थाना क्षेत्र के मदिया गांव में एक दर्जन से अधिक लोगों ने हथियार से लैस होकर एक परिवार पर जानलेवा हमला कर बक्से से लाखों रुपए निकाल लेने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी मुस्लिम शेख को पुलिस ने गुरुवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पीड़ित हबीयूर शेख ने थाना में आवेदन देकर बताया है कि वह सोमवार सुबह करीब 5 बजे अपने परिवार के साथ घर पर चाय पी रहे थे। इसी दौरान मनिहारी टोला की ओर से मोजीबुर रहमान, मुस्लिम शेख समेत करीब 10 अज्ञात लोग लाठी, फरसा, हसुआ, कुदाल और देशी कट्टा से लैस होकर घर पर धावा बोल दिए। आरोप है कि मोजीबुर रहमान ने फरसा से हमला कर उनके सिर और हाथ पर वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं मुस्लिम शेख ने लाठी और हसुआ से हमला कर उनके कंधे और पैर पर चोट पहुंचाई। बीच-बचाव करने पहुंचीं उनकी पत्नी सायमा बीबी के साथ आरोपियों ने छेड़छाड़ की और लाठी-डंडे से बुरी तरह पीटा। उनकी वृद्ध मां को भी जमीन पर पटक कर मारपीट किया गया। हमले के बाद आरोपी घर में घुस गए और बक्से से करीब दो भरी सोने के गहने और नकद 1.5 लाख रुपये, जबकि उनकी मां के बक्से से भी सोने का हार और कान की बाली चोरी कर ली गई। ग्रामीणों के जुटने पर सभी आरोपी देशी कट्टा लहराते हुए मौके से फरार हो गए। जाते-जाते उन्होंने धमकी दी कि अगर पुलिस में मामला दर्ज कराया गया तो पूरे परिवार की हत्या कर दी जाएगी।

सीएम नीतीश ने रखीं बिहार के नए भविष्य की नींव

सासाराम में 921 करोड़ की 124 विकास योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया

बिहार। मुख्यमंत्री ने सासाराम में 921 करोड़ रुपए की लागत से 124 विकासात्मक योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें प्रगति यात्रा के दौरान जिले के लिए घोषित योजनाओं का शिलान्यास भी शामिल है। इन योजनाओं के माध्यम से जिले के विकास को नई दिशा और गति मिलेगी और स्थानीय लोगों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के लाभार्थियों से भी संवाद किया। इस दौरान उन्होंने लाभार्थियों की समस्याओं और सुझावों को सुना और उनसे सीधे बातचीत कर उनका समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। महिलाओं के साथ बैठक की कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने जीविका दीदियों और स्थानीय महिलाओं के साथ बैठक की। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन और लाभों की जानकारी देते हुए महिलाओं को स्वसहायता समूहों और समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने का मार्गदर्शन दिया। विद्युत उपभोक्ताओं से भी संवाद किया गया, जिसमें बिजली सेवाओं और उपभोक्ता समस्याओं के समाधान पर चर्चा की गई। साथ ही स्थानीय कार्यकताओं से भी बातचीत कर जिले के विकास और योजनाओं के प्रभावों पर फीडबैक लिया गया। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न निमार्णाधीन विकास कार्यो का निरीक्षण किया। उन्होंने लाभार्थियों को योजनाओं से प्रत्यक्ष लाभ की जानकारी दी और उनकी शंकाओं का समाधान किया।

कार्यक्रम में आम जनता की बड़ी संख्या ने भागीदारी दर्ज कराई। लोगों की उत्सुकता और सहभागिता ने कार्यक्रम को और प्रभावशाली बनाया। अंत में मुख्यमंत्री, अधिकारी और स्थानीय कार्यकताओं ने विकासात्मक पहलों का समूह चित्र भी खिंचवाया। जिले में इस तरह की पहल से विकास की गति तेज होगी और स्थानीय लोगों का जीवन स्तर बेहतर होगा।

300 करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास

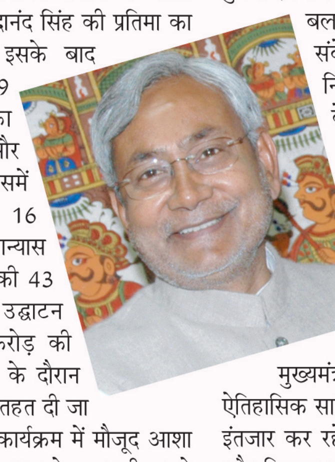

बिहार। के सीएम नीतीश कुमार एक दिवसीय दौरे पर भागलपुर पहुंचे। सन्हौला ब्लॉक के अरार पंचायत कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे स्वर्गीय सदानंद सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया। इसके बाद 300 करोड़ की 59 योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इसमें 159 करोड़ की 16 योजनाओं का शिलान्यास और 141 करोड़ की 43 योजनाओं का उद्घाटन शामिल है। 24 करोड़ की योजना प्रगति यात्रा के दौरान की गयी घोषणा के तहत दी जा रही है। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद आशा कार्यकताओं को हाथ जोड़कर सीएम ने प्रणाम किया। आशा कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। सीएम को देखने के लिए समर्थक पेड़ और टैंकर पर चढ़ गए। सीएम के साथ बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा भी मौजूद रहे। महादेव स्थान में मुख्यमंत्री के संवाद कार्यक्रम के लिए जर्मन हैंगर लगाया गया है। करीब पांच हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है।सीएम के कार्यक्रम को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड में हैं। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गे हैं। इलाके में पुलिस बल की तैनाती की गई है। संवेदनशील इलाकों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। जदयू के सीनियर नेता और स्वर्गीय सदानंद सिंह के बेटे सुभानंद मुकेश ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार किसी मुख्यमंत्री का कार्यक्रम इस पंचायत में हुआ है। इसे लेकर ग्रामीणों में जबरदस्त उत्साह है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का यह दौरा ऐतिहासिक साबित होगा। लंबे समय से लोग इंतजार कर रहे थे कि यहां मुख्यमंत्री आएं और विकास की सौगात दें। अगर पार्टी उन्हें कहलगांव विधानसभा से उम्मीदवार बनाती है तो वे चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। जानिए, कौन थे सदानंद सिंह? कांग्रेस के सीनियर नेता रहे सदानंद सिंह का 8 सितंबर 2021 को निधन हुआ था।

सदानंद सिंह भागलपुर के कहलगांव विधानसभा सीट से 9 बार विधायक चुने गए थे। वे एक बार बिहार विधानसभा के अध्यक्ष भी रहे थे।

इंजीनियरिंग की छात्रा ने की खुदकुशी, स्टूडेंट्स का हंगामा

सभी से राय-मशविरा का दावा

नालंदा। में चंडी इंजीनियरिंग कॉलेज की छात्रा ने हॉस्टल के थर्ड फ्लोर से कूदकर खुदकुशी कर ली। सिविल ब्रांच की स्टूडेंट ने आत्महत्या क्यों की, इसका खुलासा नहीं हो सका है। मृतका सोनम कुमारी मुंगेर की रहने वाली थी। घटना बुधवार देर रात की है। परिजनों का आरोप है कि हादसे के बाद अस्पताल ले जाने के लिए प्रिंसिपल की ओर से गाड़ी का इंतजाम नहीं किया गया। जिसके बाद छात्र-छात्राएं आक्रोशित हो उठे और जमकर बवाल किया। कैंपस में खड़ी 4 चार कार और स्कूटी में आग लगा दी। प्रिंसिपल आवास पर भी छात्रों तोड़-फोड़ की गई है। फिलहाल कैंपस में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। छात्र हॉस्टल खाली करके जा रहे हैं। छात्रों ने आरोप लगाते हुए कहा, 'कार्रवाई करने की धमकी मिली है, इसलिए हॉस्टल खाली करके जा रहे हैं।' छात्रों का कहना है कि प्रिंसिपल मर्डरर है। कैंपस खाली करने का सरकारी आदेश है। इसे लेकर पुलिस की ओर से अनाउंसमेंट की गई। कॉलेज परिसर से लेकर चंडी रेफरल अस्पताल तक हंगामा हुआ। कॉलेज में बुधवार रात करीब 9 बजे से गुरुवार सुबह 4:30 बजे तक हंगामा होता रहा। तोड़फोड़ में कॉलेज को करीब 2 करोड़ की संपत्ति का नुकसान हुआ है। हंगामे के बाद करीब 12 थानों की पुलिस कॉलेज पहुंची थी। दोस्त बोली- खाना खाने से मना कर दिया था सोनम की रूममेट शिखा ने बताया, 'रात 9 बजे के करीब मैंने सोनम को कहा कि, खाना खाने चलो। सोनम ने कहा कि उसने नमकीन खा लिया है। द मैं खाना खाने मेस में चली गई। लौटकर कमरे में आई तो सोनम नहीं थी। लैपटॉप चालू था। कॉल करने पर वह मोबाइल रिसीव नहीं कर रही थी। छात्रावास के नीचे देखा तो सोनम की लाश पड़ी थी।'

केदारनाथ की तर्ज पर तैयार किया जा रहा पंडाल

पटना। हर साल की तरह इस बार भी महाकाल संघ छोटी पहाड़ी द्वारा भव्य पूजा पंडाल और आकर्षक प्रतिमा तैयार की जा रही है। पंडाल के अंदर से लेकर बाहर तक मां दुर्गा के महिषासुर वध से संबंधित कई दृश्य देखने को मिलेंगे। इस बार विशेष आकर्षण यह है कि पूजा पंडाल को केदारनाथ मंदिर के तर्ज पर तैयार किया जा रहा है, जो दूर से ही दर्शकों का मन मोह लेगा। समिति के अध्यक्ष विक्कु कुमार ने बताया कि केदारनाथ मंदिर का वास्तविक रूप देने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। दुर्गा पूजा पंडाल की ऊंचाई 50 फीट और चौड़ाई 100 फीट होगी।

संक्षिप्त डायरी

बिहार को मिली बड़ी रेल परियोजना

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (CCEA) ने बिहार के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। बख्तियारपुर-राजगीर-तिलैया एकल रेलवे लाइन खंड के दोहरीकरण को मंजूरी मिल गई है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना की कुल लागत 2,192 करोड़ रुपए है। यह परियोजना 104 किलोमीटर की दूरी को कवर करेगी। धार्मिक पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा यह रेल मार्ग बेहद खास है, क्योंकि यह राजगीर (शांति स्तूप), नालंदा और पावापुरी जैसे प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों को जोड़ता है। इन स्थानों पर देश भर से लाखों तीर्थयात्री और पर्यटक आते हैं। दोहरीकरण के बाद इन स्थानों की कनेक्टिविटी में बड़ा सुधार होगा, जिससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। नालंदा और राजगीर के ऐतिहासिक महत्व को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है। नालंदा विश्वविद्यालय के खंडहर और राजगीर के बौद्ध स्थल विदेशी पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र हैं। इस परियोजना से पर्यटन उद्योग में नई जान आएगी। गया और नवादा को भी मिलेगी कनेक्टिविट इस परियोजना का सामाजिक प्रभाव काफी बड़ा होगा। यह बिहार के चार जिलों में फैली लगभग 1,434 गांवों और 13.46 लाख की आबादी को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाएगी। विशेष बात यह है कि इसमें गया और नवादा जैसे दो आकांक्षी जिले भी शामिल हैं, जो सरकार की प्राथमिकता सूची में हैं।

चंदन मिश्रा हत्याकांड में 17 अक्टूबर से पहले चार्जशीट

बक्सर। के कुख्यात चंदन मिश्रा की पारस अस्पताल में हत्या के मामले में गिरफ्तार चार शूटरों समेत नौ के खिलाफ पुलिस 17 अक्टूबर से पहले आरोपपत्र दायर कर देगी। इस केस का नया आईओ शास्त्रीनगर थानेदार रवींद्र कुमार को बनाया गया है। हालांकि दो माह बाद भी घटना में इस्तेमाल एक भी हथियार बरामद नहीं किया जा सका है। सूत्रों का कहना है कि पुलिस के पास पांचों शूटरों के हथियार के साथ चंदन के प्राइवेट कमरे में घुसने और गोलियां बरसाने के बाद वहां से भागने का सीसीटीवी फुटेज है। उस वक्त कमरे में मौजूद चंदन का एक करीबी इस मामले का गवाह भी है। सीसीटीवी फुटेज इन सबों को सजा दिलाने के लिए ठोस साक्ष्य है। चंदन मिश्रा की हत्या 17 जुलाई को हुई थी। एक शूटर और इस घटना के पीछे के तीन-चार और बदमाशों को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी है। पुलिस ने घटना के तीन-चार दिन बाद ही कोलकाता में छापेमारी कर मुख्य शूटर तौसीफ उर्फ बादशाह के अलावा उसके मौसेरे भाई नीशु खान और नीशू के दो स्टाफ हर्ष और भीम को गिरफ्तार किया था। उसके बाद शूटर बलवंत और रविरंजन के अलावा अभिषेक को आरा से गिरफ्तार किया। फिर इन शूटरों को हथियार सप्लाई करने वाले राजेश और धन्नू को यूपी के मिजार्पुर स्थित एक होटल से दबोचा था। सिटी एसपी सेंट्रल दीक्षा ने बताया कि आरोपियों को स्पीडी ट्रायल कराकर सजा दिलाई जाएगी। समय से पहले ही आरोपपत्र दायर कर दिया जाएगा।

गर्भवती बहू की मौत के बाद लगा दहेज हत्या का आरोप

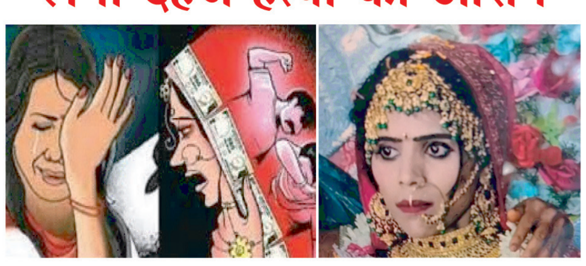

पटना। गर्भवती बहू की मौत के बाद लगा दहेज हत्या का आरोप पावापुरी थाना अंतर्गत विशुनपुर गांव में मंगलवार की रात गर्भवती बहू की मौत हो गई। ससुराली परिवार बीमारी से मौत तो मायके के परिजन घटना को दहेज हत्या बता रहे हैं। हालांकि, बुधवार की शाम तक परिजनों ने थाना में केस का आवेदन नहीं दिया। मृतका दीपक कुमार की पत्नी पूनम कुमारी हैं। पूनम की शादी 11 मई को हुई थी। वह गर्भवती बताई जा रही है।पावापुरी के अमदाहा गांव निवासी पिता अरुण कुमार ने बताया कि चार माह पहले बेटी की शादी हुई थी। पति व अन्य ससुराली परिवार दहेज के लिए बेटी को प्रताड़ित कर रहे थे। गर्भवती होने के बाद उसकी बेहरमी से पिटाई की गई। जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। पेट भर खाना भी नहीं दिया जा रहा था। ग्रामीणों ने मंगलवार को कॉल कर मायके के परिवार को पूनम के तबीयत बिगड़ने की सूचना दी। जिसके बाद परिजन बेटी के ससुराल पहुंचे। जहां से मालूम हुआ कि उसे इलाज के लिए बिहारशरीफ ले जाया गया है। परिवार जब बिहारशरीफ के चोरा बगीचा पहुंचा तो ससुराली परिवार पूनम को विम्स लेकर चले गए। मायके के परिजन विम्स पहुंचा तो उन्हें वहां बेटी की लाश मिली। ससुराली परिवार की मानें तो बहू की तबीयत काफी दिनों से खराब चल रही थी। इलाज के दौरान निजी क्लिनिक में मौत हुई।

प्रियंका गांधी असम-यूपी में फेल, अब बिहार चुनाव में उतरीं

पटना। बिहार के सियासी रण में प्रियंका गांधी को कांग्रेस उतारने वाली है। बिहार में वह अपनी पहली चुनावी सभा करेंगी। मोतिहारी में उनकी जनसभा और पटना में महिला संवाद है। राहुल ने प्रियंका को बिहार विधानसभा चुनाव में उतारकर महिला वोटों को साधने और नीतीश कुमार के महिला वोट बैंक में सेंधमारी की रणनीति अपनाई है। बिहार की महिलाएं नीतीश कुमार की कोर वोटर्स हैं। उनकी बदौलत ही सरकार बनती-बिगड़ती है। प्रियंका के बिहार आगमन वाले दिन ही नीतीश सरकार 1 करोड़ से ज्यादा महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपए ट्रांसफर करेगी। सबसे पहले जानिए बिहार चुनाव से पहले प्रियंका ने किन राज्यों में किया था चुनावी दौरा। 1. असम चुनाव से पहले प्रियंका ने किया था दौरा 2021 के असम विधानसभा चुनाव की कमान राहुल गांधी ने प्रियंका को दे रखी थी। प्रियंका चुनाव प्रचार के लिए असम आई थीं। उन्होंने 6 जनसभाओं को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने गृहिणियों को हर महीने 2000 रुपए देने और 200 यूनिट मुफ्त बिजली की भी बात कही थी। महिला वोटरों को रिझाने के लिए वे गुवाहाटी में चाय बागान पहुंची और सिर पर परंपरागत टोकरी लटकाकर चाय की पत्तियां तोड़ी। वहां काम करने वाली महिलाओं से घुली-मिलीं, उनसे बातचीत की। इसकी एक खूबसूरत तस्वीर निकलकर सामने आई थी, मगर असम के चुनाव में प्रियंका का चेहरा नहीं चल सका। कांग्रेस असम के कुल 126 में से केवल 29 सीटें ही जीत सकी। चाय बगान से जुड़े जनजाति असम की 40 सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाते हैं। 2021 के चुनाव में इन 40 में से 33 सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी। सीएए के खिलाफ हुए आंदोलन, चाय बागानों के मजदूरों की नाराजगी, बेरोजगारी, महंगाई के मुद्दे भी असम में कांग्रेस की जीत में कोई राजनीतिक मदद नहीं कर सकी। 2. यूपी चुनाव में प्रियंका गांधी का नहीं चल सका नारा प्रियंका गांधी 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव दौरान काफी ऐक्टिव दिखीं थीं। उन्होंने एक नारा गढ़ा था, 'लड़की हूं लड़ सकती हूं।' वहीं 'वीमेन मेनिफेस्टो' भी जारी किया था, जिसमें सालाना 3 गैस सिलेंडर मुफ्त और छात्राओं को स्मार्टफोन और स्कूटी की बात कही गई थी। कांग्रेस को भरोसा था कि इस नारे से महिला वोटर उनके पक्ष में बाजी पलट देंगी। पार्टी ने अपने वादों के अनुसार 40 फीसदी टिकट महिलाओं को दिए थे। कुल 399 उम्मीदवारों में 155 महिलाएं थीं। प्रियंका गांधी ने राज्य में पार्टी के पंजे को मजबूती से संभाला और रोड शो और रैलियों के जरिए भीड़ भी बहुत जुटाई, लेकिन वो इसे वोटों में तब्दील करने में नाकामयाब रहीं। 403 विधानसभा सीटों में कांग्रेस को सिर्फ 2 सीट पर जीत मिली। यह कांग्रेस के चुनावी इतिहास का सबसे शर्मनाक हार था। राहुल गांधी प्रियंका की छवि को भुनाने की कर रहे कोशिश सीनियर जर्नलिस्ट प्रियदर्शी रंजन कहते हैं कि प्रियंका गांधी की छवि को राहुल गांधी भुनाने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि पब्लिक से कनेक्ट करने में प्रियंका एक सक्षम नेत्री हैं। प्रियंका का बॉडी लैंग्वेज, उनके बोलने की शैली मास कनेक्ट करने में कांग्रेस के अन्य नेताओं की तुलना में प्रियंका को काफी ऊपर रखता है।

'बाप को चिट्ठी लिखी, बेटा तेजस्वी बोला मिली नहीं

किशनगंज। AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सीमांचल न्याय यात्रा के दूसरे दिन किशनगंज में तेजस्वी यादव और केन्द्र सरकार पर जमकर हमला बोला। ओवैसी ने कहा कि, 'हमने लालू यादव को खत भिजवाया, लेकिन बेटा कहता है कि मुझे खत मिला ही नहीं। अगर मैंने किसी के घर जाकर पिता से आशीर्वाद ले लिया तो क्या बेटा कह सकता है कि मुझसे आशीर्वाद नहीं लिए। चिट्ठी को लेकर तेजस्वी ने ऐसा क्यों कहा कि मुझे नहीं मिला। मैंने अख्तर भाई से कहा कि उसके भी एक खत लिख दो। अख्तर भाई ने कहा कि, लिखूंगा जरूर लेकिन पहुंचाने का तरीका सीमांचल का होगा। उसके बाद उसके घर पर ढोल बजाकर खत दे दिया।' ओवैसी ने कहा कि, 'तेजस्वी यादव याद रखना अगर हमारे अख्तरुल ईमान ने तुमसे गठबंधन के लिए हाथ बढ़ाया तो इसे हमारी मजबूरी मत समझना। जो हाथ दोस्ती के लिए बढ़ सकते हैं तो याद रखना वो हाथ तुम्हारे गिरेबान तक भी पहुंचेगा।' ओवैसी ने आगे कहा, 'भारत के पीएम को पैगाम देना चाहता हूं। आप सीमांचल की जनता की बेइज्जती करना बंद कीजिए। 65 लाख नाम एउ ने निकलवा दिए। क्या एक भी घुसपैठिए का नाम आया। सीमांचल के लोग चुनाव में वोट के जरिए बताएंगे कि हम भारत के लोग हैं। सीमांचल इंसानों की बस्ती है।' किशनगंज में सभा करने के बाद वे अररिया के लिए रवाना हो जाएंगे। यहां

ओवैसी 150KM रोड शो करेंगे। इसके साथ ही 9 जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

ओवैसी 24 से 27 सितंबर तक सीमांचल न्याय यात्रा पर हैं। किशनगंज से उन्होंने इस यात्रा की शुरूआत की है।

नीतीश देंगे 10 हजार रुपये, कर्ज में डूबे गांव को

1.36 करोड़ जीविका दीदी, बोलीं, हमे गालियां देते, पीटते हैं

बेतिया। मे पूरा गांव कर्ज में दबा है। कितने ही लोग घर छोड़कर भाग गए। सरकार अब 10 हजार रुपए दे रही है। ये तो कर्ज में ही चला जाएगा। अब बताइए इतने में किस्त भरें, कर्ज चुकाएं कि अपना काम शुरू करें। 10 हजार रुपए मिलने वाले हैं, ये सुनकर ही कर्ज देने वाले कहने लगे हैं कि पहले हमारा पैसा वापस करो। माइक्रो फाइनेंस कंपनी वाले भी इसी इंतजार में हैं। बेतिया के सतभीड़वा गांव की सविता जीविका दीदी हैं। पति के इलाज के लिए माइक्रो फाइनेंस कंपनी से कर्ज लिया था। इसे चुकाने के लिए दूसरी, तीसरी, चौथी, पांचवी कंपनी से कर्ज लेना पड़ा। उट नीतीश कुमार ने हर जीविका दीदी को 10 हजार रुपए देने का ऐलान किया है। 26 सितंबर को ये पैसा अकाउंट में आएगा। सविता को चिंता है कि 10 हजार रुपए मिल भी गए, तो माइक्रो फाइनेंस कंपनी वाले ले जाएंगे। बिहार में 3.41 करोड़ महिला वोटर हैं। इनमें 1.36 करोड़ जीविका दीदी हैं। यानी करीब 40% महिला वोटर जीविका दीदी योजना से जुड़ी हैं। इस लिहाज से उनके खाते में 10 हजार रुपए भेजने का फैसला नीतीश का मास्टर स्ट्रोक कहा जा रहा है। हालांकि, ये महिलाएं पहले से माइक्रो फाइनेंस कंपनियों के जाल में फंसी हैं। इन कंपनियों ने 2020 में बिहार में 6 हजार करोड़ रुपए का लोन बांटा था, जो 2023 में 49,500 करोड़ हो गया। इसके बाद का डेटा सामने नहीं आया है। इन कंपनियों की दहशत ऐसी है कि कर्ज न चुकाने वाले परिवार गांव छोड़कर चले गए। महिलाएं नीतीश कुमार की पक्की वोट बैंक मानी जाती हैं। ऐसे में उनकी योजना कितनी कारगर होगी, ये जानने दैनिक भास्कर की टीम सीवान, बेतिया, पटना और कटिहार के अलग-अलग गांवों में पहुंची। सभी गांवों में जीविका दीदियों की एक जैसी परेशानी है। 200 परिवार कर्ज में दबे, 10 से ज्यादा घर छोड़कर भाग सतभीड़वा गांव बेतिया जिले के मझौलिया ब्लॉक में है। यहां करीब 400 परिवार रहते हैं। 200 ऐसे हैं, जिन्होंने माइक्रो फाइनेंस कंपनियों से कर्ज ले रखा है। हम गांव में थे, तब 10 से 12 महिलाएं एक जगह जुटी थीं। ये सभी जीविका दीदी हैं। पूछने पर बोलीं कि आज रिकवरी एजेंट आने वाले हैं। उन्हें लोन की किस्त देनी है। सविता ने पति के इलाज के लिए कर्ज लिया, फिर चुकाने के लिए यहां मिलीं सविता देवी कहती हैं, मैंने 5 कंपनियों से लोन लिया है। पति का एक्सीडेंट हो गया था। सिर में चोट थी। इलाज के लिए पैसों की जरूरत थी। कहीं से इंतजाम नहीं हुआ तो कर्ज लेना पड़ा। इसी से उनका इलाज कराया। पति ठीक नहीं हुए, तो फिर लोन लिया और पटना ले गई। पटना में भी आराम नहीं मिला। हम उन्हें लखनऊ ले गए। इलाज कराकर घर आ गए, लेकिन दवा के लिए पैसे नहीं थे। इसलिए फिर लोन लेना पड़ा। इसी दौरान मैं भी बीमार पड़ गई। अपने इलाज के लिए भी लोन लिया और ऑपरेशन कराया। लोन वाले किस्त वसूलने के लिए घर आने लगे। 10-10 लोग दरवाजे पर आ जाते थे।

घर में कोई कमाने वाला नहीं था। पुराना लोन चुकाने के लिए एक और लोन ले लिया। फाइनेंस कंपनी का कर्ज चुकाने के लिए गांव के साहूकार से भी कर्ज लेना पड़ा। अब हालत ऐसी है कि किस्त नहीं भर पा रही हूं। सरकार हमारी किस्त माफ करवा दे। किस्त के चक्कर में कई लोग गांव छोड़कर चले गए। नीतीश कुमार और मोदी रोजगार के लिए 10-10 हजार रुपए दे रहे हैं।

शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है कुंजल क्रिया

क्या आपने कभी कुंजल क्रिया के बारे में कुछ सुना है। अगर नहीं तो यह क्रिया आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है। आइए जानते हैं कुंजल क्रिया के बारे में और जानते हैं कैसे यह आपकी सेहत पर असर डालती है।

भारत में योग का चलन आज से नहीं बल्कि सदियों से रहा है। योग महज एक शारीरिक व्यायाम नहीं है। बल्कि यह जीवन को सरल और बेहतर बनाने का एक बेजोड़ तरीका है। आज हम आपको योगा की एक ऐसी ही टेक्निक से रूबरू कराएंगे। जो आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को तो बाहर निकालती ही है। साथ ही आपको कई दूसरे लाभ भी देती है। दरअसल हम बात कर रहे हैं कुंजल क्रिया के बारे में। यह अन्य योगासन से बहुत भिन्न है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि इस क्रिया में आपको उल्टी करनी होती है। हां शायद यह आपको थोड़ी अजीब लग सकती है। लेकिन कुंजल क्रिया सही मायने में बहुत ज्यादा फायदेमंद है। आइए जानते हैं इस क्रिया के बारे में।

क्या है कुंजल क्रिया

कुंजल क्रिया आपके शरीर से अशुद्धियां बाहर निकालने की एक जबरदस्त टेक्निक है। कुंजल क्रिया के बारे में सबसे पहले हठयोग से संबंधी एक प्रदीपिका ग्रंथ में दिया गया था। इस ग्रंथ में ही इसे शरीर की सफाई करने की तकनीक के रूप में बताया गया है। कुंजल क्रिया न केवल आपके शरीर को साफ करती है बल्कि यह आपके मन को भी नियंत्रित करने में भी सहायता प्रदान करती है। इसके अलावा जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन में इसे लेकर एक शोध भी प्रकाशित किया गया है। इसमें बताया गया है कि उल्टी करने के बाद व्यक्ति को खालीपन महसूस होता है और इससे कई शारीरिक लाभ होते हैं। आइए जानते हैं कैसे की जाती है कुंजल क्रिया।

कैसे होती है कुंजल क्रिया

- इसके लिए आपको कम से कम 6 से 8 गिलास गुनगुने पानी की जरूरत होगी और हर एक लीटर पानी पर एक चम्मच सेंधा नमक या साधारण नमक भी चाहिए होगा।
- अब आपको एक लीटर पानी में एक चम्मच सेंधा नमक मिलाना होगा और कगासन की मुद्रा में बैठना होगा।
- इसके बाद आपको इसी मुद्रा में यह पानी जल्दी से जल्दी पीना होगा और उल्टी करने के लिए थोड़ा आगे झुक कर खड़ा होना होगा।
- जब आपको लगे की पेट खाली हो चुका है तो शवासन की मुद्रा में 30 मिनट के लिए लेट जाएं।
- इस क्रिया में आपको उल्टी तुरंत आ जाती है। ऐसे में अगर यह क्रिया करें तो विशेषज्ञ की निगरानी में ही करें।

वजन और पाचन के लिए

जब भी आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके पेट की मांसपेशियां सिकुड़ जाती है और फैट कम हो जाता है। ऐसे में अगर आप फैट या वजन कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं तो य क्रिया आपके लिए बहुत फायदेमंद होगी। यह पाचन तंत्र को पूरी तरह स्वस्थ रखने काम काम करती है।

तनाव और चिंता से राहत

जब आप इस क्रिया को करते हैं तो इससे शरीर में रक्त प्रवाह बेहतर हो जाता है और आपके शरीर के हर हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंचने लगता है। इससे आपका हार्ट रेट कम हो जाता है और सांस लेना भी आसान हो जाता है। साथ ही यह ब्लड प्रेशर को भी ठीक करता है। ऐसे में कहा जा सकता है कि कुंजल क्रिया के जरिए तनाव और चिंता को कम किया जा सकता है। ध्यान रहे कि यह क्रिया किसी विशेषज्ञ की

या फिर आपकी आयु 16 साल से कम है तो इस आसन को बिल्कुल ना करें।

खांसी और सर्दी से राहत

जब आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके फेफड़ों की मांसपेशियां मजबूत होती है और इनकी सहन शक्ति बढ़ जाती है। साथ ही इसके जरिए आपके फेफड़े भी साफ हो जाते हैं और आपके लिए सांस लेना आसान हो जाता है। इस तरह यह सर्दी और खांसी के लक्षणों से राहत दिलाती है।

एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है।

ऐसे करें आंखों की देखभाल

मोबाइल और लैपटॉप के बढ़ते इस्तेमाल के कारण हमारी आंखों का इस्तेमाल पहले से कहीं ज्यादा हो रहा है। जिससे लोगों में सिरदर्द, जलन और आंखों में तनाव के मामले बढ़े हैं। खासकर, एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है। आंखें पित्त दोष का आसन हैं। चूंकि पित्त दोष उम्र के साथ असंतुलित हो जाता है, इसलिए आंखें प्रभावित होती हैं।

सुबह उठकर मुंह में पानी भरें

रोज सुबह उठकर टॉयलेट जाने से पहले या बाद में मुंह में पानी भरें और कुछ सैकंड्स तक होल्ड करें। इस दौरान आपकी आंखें बंद होनी चाहिए। अब कुल्ला कर दें और इस प्रक्रिया को दो से 3 बार दोहराएं।

त्रिफला वॉटर का उपयोग करें

त्रिफला वॉटर आई वॉश आंखों के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। यह न केवल आपके आंखों की रोशनी बढ़ाता है, बल्कि आंखों की चमक में भी सुधार करता है। खासतौर से थकी हुई आंखों को आराम देने का यह बेहतरीन तरीका है।

स्वस्थ आंखों के लिए षटकर्म करें

आयुर्वेद में शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने ,उसे मजबूत बनाने और रोगमुक्त बनाने के लिए 6 प्यूरीफिकेशन टेकनीक के बारे में बताया गया है। इनमें से नेती और त्राटक सूखी आंखों और आंखों के स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छे आयुर्वेदिक उपाय के रूप में काम करते हैं। बता दें कि त्राटक षटकर्म आंख का व्यायाम है जिसमें किसी भी बिंदु पर आंखों को स्थिर करके निरंतर देखना होता है।

बरतें ये सावधानियां

- आंखों की देखभाल के दौरान कभी भी बहुत तेज गर्म या फिर बर्फ के पानी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।
- अचानक तापमान में हुए परिवर्तन से बचने का प्रयास करें।
- अगर आपका शरीर गर्म हो रहा है या आप पसीने से तर हैं, तो अपने चेहरे और आंखों पर पानी के छीटें मारने से पहले 10 मिनट तक इंतजार करें। जब तक आपकी बॉडी सही तापमान में एडजस्ट न हो जाए, छीटें मारने से बचें।
- सुबह-शाम चेहरे पर पानी के छीटे मारें
- 10-15 बार अपनी आंखों और चेहरे पर ठंडे या फिर नॉर्मल पानी के छीटें मारें। इस प्रक्रिया को आप तब भी दोहराएं , जब शाम को काम से वापस घर लौटें। ऐसा करने से आंखों को बहुत आराम मिलेगा।

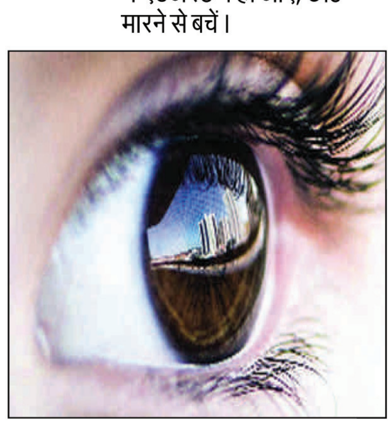

स्वस्थ आंखों के लिए फायदेमंद है अंजन

स्वस्थ आंखों के लिए अंजन का उपयोग बहुत फायदेमंद है। अंजना एक आयुर्वेदिक दवा है, जिसे आंखों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए पलकों के अंदरूनी हिस्से पर लगाते हैं। बता दें कि अंजना जड़ी-बूटियों से बना एक गाढ़ा आईलाइनर है। इसे कोलिरिसम भी कहते हैं। इसका उपयोग आंखों की रोशनी बढ़ाने और आंख से जुड़ी अन्य बीमारियों के लिए किया जाता है। हालांकि, यह काजल की तरह दिखता है, लेकिन इससे काफी अलग है। इसे मिनरल्स और जड़ी- बूटियों को पीसकर पेस्ट के रूप में तैयार किया जाता है। आंखों की रोशनी को बढ़ाने के लिए इनकी देखभाल करना बेहद जरूरी है। उम्मीद है यहां एक्सपर्ट द्वारा बताए गए तरीकों से आपको आंखों की सही देखभाल करने में मदद मिलेगी।

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से पड़ता है सेहत पर बुरा असर

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से हमारी सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है। लेकिन कई दफा हम इसे नजरअंदाज करते हैं। शोध में पता चला है कि ये दोनों पर्यावरण हार्ट फेलियर का भी एक कारण हैं।

देश में दिवाली आने वाली है और इस माह में लोगों द्वारा की जाने वाली आतिशबाजी के कारण वायु प्रदूषण काफी ज्यादा बढ़ जाता है और स्मॉग का रूप ले लेता है। इस तरह के पॉल्युटिड स्मॉग में धूल और वायु प्रदूषक जैसे नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाई आक्साइड, ज्वलनशील कार्बनिक यौगिक आदि हानिकारक मिश्रण रहते हैं। जो खांसी, गले में खराश, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण, आंख व नाक में एलर्जी के अलावा इम्यून सिस्टम को भी कमजोर बनाते हैं। हाल ही में वायु प्रदूषण पर एक शोध आया है जिसमें चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। नए शोध के अनुसार, वायु प्रदूषण और सड़क यातायात के शोर के संपर्क में आने से हृदय गति रुकने का खतरा बढ़ सकता है। शोध का रिजल्ट अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के एक ओपन-एक्सेस जर्नल 'जर्नल ऑफ द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन' में प्रकाशित किया गया था। इसलिए आपको वायु प्रदूषण से खुद को सेफ रखने की बहुत ज्यादा जरूरत है।

वायु प्रदूषण पर शोध

नए रिसर्च के विश्लेषण में शोधकर्ताओं ने 15 से 20 साल के पीरियड में लॉन्ग टर्म एनवायरनमेंट इंपैक्ट को लेकर हर्ट फेलियर की जांच की। डेनमार्क में महिला नर्सों पर हुए शोध में एयर पॉल्यूशन और रोड ट्रैफिक हर्ट फेलियर की मुख्य वजह पाया गया। बता दें कि शोध में जिन महिलाओं को लिया गया था उनकी उम्र 44 वर्ष और उससे अधिक थी। प्रतिभागियों को 1993 और 1999 में भर्ती किया गया था और जब उन्होंने नामांकन किया, तो हर महिला ने बॉडी मास इंडेक्स, लाइफस्टाइल फैक्टर जैसे धूम्रपान, शराब का सेवन, शारीरिक गतिविधि और आहार संबंधी आदतों के अलावा अपनी मेडिकल कंडीशन के बारे में भी पूरी जानकारी दी थी। इन सभी प्रतिभागियों को डेनिश नेशनल पेशेंट रजिस्टर से लिंक करने के 20 साल के बाद हार्ट फेलियर के बारे में पता चला जिनका बाद में इलाज भी हुआ और इसके रिकॉर्ड भी हैं।

दिल के लिए ज्यादा खतरनाक है वायु प्रदूषण

डेनमार्क स्थिति कोपेहेगन यूनिवर्सिटी के एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट से जुड़े असिस्टेंट प्रोफेसर और शोध को लीड करने वाले ऑथर ने कहा कि स्टडी में पाया गया है कि तीन वर्षों में रोड ट्रैफिक का शोर 12 फीसदी हार्ट फेलियर के खतरे का कारण बना। उन्होंने आगे कहा, हम आश्चर्यचकित थे कि कैसे दो पर्यावरणीय कारक - वायु प्रदूषण और सड़क यातायात शोर ने एक साथ हृदय गति रुकने का जोखिम बढ़ा दिया है। शोध में पता चला है कि रोड ट्रैफिक की तुलना में एयर पॉल्युशन हर्ट फेलियर के खतरे की मजबूत वजह बना। हालांकि, इन हर्ट फेलियर वाली 30 प्रतिशत नर्सों में हाई ब्लड प्रेशर की भी समस्या थी।

सांस लेने में तकलीफ

वायु प्रदूषण की वजह से बुजर्ग लोगों को भी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। एयर पॉल्युशन के कारण बुजुर्गों के शरीर के कई अंग धीमी गति से कार्य करते हैं और इसी तरह का हाल फेफड़ों का रहता है। क्योंकि लंग्स प्रदूषित हवा को सही तरीके से फिल्टर नहीं कर पाते हैं जिस वजह से उन्हें सांस लेने में दिक्कत आती है।

आंखों में परेशानी

वायु प्रदूषण के चलते कई बार बच्चों से लेकर बुजुर्गों की आंखों में भी दिक्कतें आती हैं। दूषिक हवा के कण हमारी आंखों में एलर्जी पैदा करने लगते है जिससे कई बार हमें आस-पास की चीजें साफ नहीं दिखती हैं। साथ ही धूल मिट्टी से आंखों में खुजली भी होती है।

सेहत संबंधी दिक्कतें

बुजुर्गों का इम्यून सिस्टम बहुत कमजोर होता है जिसकी वजह से उनको वायू प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से उनका दम घुटने लगता है। वे इस वातावरण को आसानी से हैंडल नहीं कर पाते। इसके चलते कई दफा, छींकआना, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण और गले में खराश जैसी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

साइलेंट किलर है तनाव, इसे गंभीरता से लेना है बहुत जरूरी

मेंटल हेल्थ एक पुराना विषय रहा है, लेकिन अब कोरोना के बाद यह और ज्यादा घातक हो गया है। अब इसे गंभीरता से लेकर इस पर बात करना जरूरी है। कोरोना ने कई तरह के मानसिक रोगों को जन्म दिया है

आज के दौर में हर शख्स अपनी जिंदगी में स्ट्रेस से गुजरता है। स्ट्रेस को आजकल एक कॉमन परेशानी के रूप में देखा जाता है और यही सबसे बड़ी गलती है। 2020 में आए कोविड 19 ने सोशल और इकोनॉमिक तौर पर काफी बदलाव लाया है। लाखों लोगों ने अपनी जिंदगी गवां दी, यहां तक की एक दूसरे से मिलना-जुलना भी दूभर हो गया था। आज जहां 2021 में कोविड 19 को 2 साल हो गए हैं और आज भी मानव जाति इस विपदा से उबरने की कोशिश में है। कई देश आज भी इस वायरस के नए स्ट्रेन से लड़ रहे हैं। वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन ने ये चेतावनी जारी की है कि कोरोनावायरस का मेंटल हेल्थ पर काफी लंबे समय तक असर होता रहेगा। आज लोगों में एंजाइटी, स्ट्रेस, डिप्रेशन जैसी कई समस्या बहुत हद तक बढ़ चुकी हैं। इस पैंडेमिक के दौरान मेंटल हेल्थ पर गहरा असर पड़ा है। 2020 में माइसेंसी द्वारा एक सर्वे के आधार पर ठ्ट्ट के 75 प्रतिशत और एशिया के 33 प्रतिशत एम्प्लॉय में बर्न आउट के लक्षण दिखे हैं। यूरोपियन देशों में भी पैंडेमिक फैटिग के लेवल में बढ़ोतरी हुई है।

जिन लोगों ने अपनी मेंटल हेल्थ को बहुत खराब रेट दिया है, उनकी मात्रा पैंडेमिक आने के बाद तीन गुना बढ़ गई है। ओरेकल और वर्क प्लेस इंटेलिजेंस जैसी कंपनियों द्वारा एक हालिया सर्वे जिसमें 11 देशों के 12000 लोगों ने भाग लिया ये दर्शाता है कि मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव में एम्प्लॉय के बदले ज्यादा मेंटल हेल्थ इश्यूज पाए गए हैं। 53% ने माना की उन्हें मेंटल हेल्थ इश्यूज पैंडेमिक के शुरू होते ही शुरू हो गए थे। इसी कड़ी में 5 में से 4 मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव यानी लगभग 85% ने माना कि उन्हें काम को पूरा करने में दिक्कत आई। इसके कुछ कारण हैं जैसे घर से काम करने के दौरान नई तकनीक को समझने और उसका उपयोग करने में परेशानी और दूसरा यह कि ऑफिस के माहौल से दूर साथ बैठकर काम करने और कोलेबरेट करने की जगह घर से काम करना।

क्या कहती है रिपोर्ट ?

इस कड़ी में लगभग 39% लोगों को घर से वर्चुअली काम करने में दिक्कत आई। वहीं 34% को वर्क कल्चर के ना होने की कमी खली। वहीं 29% लोगों को नई तकनीकों को समझने में दिक्कत का सामना करना पड़ा। जहां एक तरफ कंपनी के सीनियर अधिकारी वर्कप्लेस पर मेंटल हेल्थ और हेल्थी वर्क कल्चर को बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, वहीं आज भी मेंटल हेल्थ को एक स्टीरियोटाइप के तौर पर देखा जाता है। कंपनी में ओपन कम्युनिकेशन और सपोर्ट की कमी खलती है। कंपनी के लीडर को अपने स्टॉफ को न सिर्फ इंस्पायर करना चाहिए ताकि वे अपनी बात को खुलकर शेयर कर सकें, बल्कि उन्हें इंस्पायर भी करना चाहिए। जरूरत पड़ने पर वे कोच या थेरेपिस्ट से मदद भी ले सकें। विशेषज्ञ कहते हैं कि किसी भी तरह की हेल्थ प्रॉब्लम को इग्नौर नहीं करना है, अगर तनाव से संबंधी कोई भी लक्षण नजर आता है तो तत्काल डॉक्टर से मिलना है। इसे हल्के में बिल्कुल नहीं ले सकते।

जान भी ले सकती है लौकी

लौकी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत अच्छा है। इसे कई प्रकार से खा सकते हैं। सब्जी, जूस, खीर, कलाकंद, पराठे सहित अन्य तरीकों से इसका सेवन किया जा सकता है। इसका सेवन करने से कब्ज और गैस की समस्या में राहत मितली है। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम,

कड़वी लौकी का सेवन करने से आपकी जान पर बात बन सकती

नौबत आ जाती है। इसलिए भूलकर भी कड़वी लौकी का सेवन नहीं करें। लौकी का जूस बनाने से पहले इसे जरूर टेस्ट करें। अगर वह कड़वी लगती है तो इसका सेवन नहीं करें। कड़वी विषैली लौकी का सेवन करने के नुकसान- बेचैनी, घबराहट, ब्लड प्रेशर की समस्या, उल्टी होने लगती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। कई बार अंगों पर भी इसका असर पड़ सकता है। ऐसे में अंग फैल भी हो सकते हैं। इसलिए भूलकर भी लौकी को टेस्ट किए बिना इसका प्रयोग नहीं करें। कड़वी लौकी की पहचान उसे चखकर की जा सकती है। बता दें कि इसे पकाने पर भी कड़वापन खत्म नहीं होगा। कड़वी लगने

डिफेंस सिस्टम विकसित कर लेती है। जिससे उसमें केमिकल विकसित हो जाता है। तो कई बार तापमान कम ज्यादा होने पर भी यह बदलाव होने लगते हैं। इतना ही नहीं पर्याप्त पानी नहीं मिलने पर भी ऐसा हो सकता है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज लिए भारतीय क्रिकेट टीम घोषित शुभमन ही रहेंगे कप्तान , जडेजा उपकप्तान बने

-करुण और अभिमन्यु बाहर हुए , नीतीश व देवदत्त शामिल

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अगले माह वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी है। इस सीरीज में भी शुभमन गिल ही कप्तान रहेंगे पर उपकप्तानी में बदलाव करते हुए रवींद्र जडेजा को उपकप्तान बनाया गया है। इसका कारण ये है कि इंग्लैंड दौरे में उपकप्तान रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हैं। उनकी जगह ध्रुव जुरेल को विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर शामिल किया गया है।

वहीं बल्लेबाज करुण नायर और अभिमन्यु ईश्वरन को टीम में जगह नहीं मिली है, ये दोनों इंग्लैंड दौरे पर टीम में शामिल थे। दूसरी ओर युवा ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी और देवदत्त पडिक्कल को टीम में शामिल किया गया है।

करुण इसलिए हुए बाहर

करुण के इस सीरीज से बाहर होने के साथ ही उनका टेस्ट करियर समाप्त माना जा रहा है। इसका कारण है कि आठ साल बाद वापसी करते हुए इंग्लैंड दौरे वह कुछ खास नहीं कर पाये। चार टेस्ट की आठ पारियों में वह 205 रन ही बना पाए थे।

पडिक्कल को इस कारण मिली जगह

देवदत्त पडिक्कल को कुछ दिन पहले ही ऑस्ट्रेलिया ए टीम के खिलाफ शानदार 150 रनों की पारी खेलने के लिए टीम में जगह मिली है।

ऋषभ के फिट नहीं होने से जुरेल को मिला अवसर

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अभी पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं। इस कारण उनकी जगह जुरेल विकेटकीपर के तौर पर पहली पसंद बने।

नीतीश रेड्डी को इस कारण मिली जगह

पिछली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के कारण नीतीश को एक बार फिर टीम में अवसर मिला है। इंग्लैंड दौरे में उन्हें चोटिल होने के कारण बीच में ही लौटना पड़ा था।

टेस्ट सीरीज का कार्यक्रम

टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 2 अक्टूबर से 6 अक्टूबर के बीच होगा जबकि दूसरा टेस्ट अरुण जेटली स्टेडियम में 10 अक्टूबर से 14 अक्टूबर के बीच खेला जाएगा।

टीम इस प्रकार है- शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नीतीश रेड्डी, एन जगदीशन, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप यादव।

जापान ओपन: चोटिल अल्काराज ने सेबेस्टियन बाएज को हराया

टोक्यो (एजेंसी)। विश्व के नवंबर टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने गुरुवार को जापान ओपन टेनिस के पहले दौर में अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बाएज को 6-4, 6-2 से हराकर एक भयावह चोट के डर को मात दी।

एरियाके कोलोसियम में खेले गये मुकाबले में उस समय सन्नाटा छा गया जब स्पेन के दिग्गज अल्काराज मैच के 20 मिनट बाद दर्द से कराहते हुए पीठ के बल गिर पड़े और उनका सिर और बायां टखना दोनों ही चोटिल हो गए। उन्हें चिकित्सा सहायता की आवश्यकता पड़ी। लेकिन छह बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने न केवल पहला सेट जीता, बल्कि बारिश के कारण देरी के बाद भी अर्जेंटीना के अपने प्रतिद्वंद्वी को मात दी। वे चिकित्सा सहायता के लिए बेंच पर गए और वापसी करने में कामयाब रहे, उन्होंने अपना दूसरा ब्रेक पॉइंट हासिल करके 5-4 की बढ़त बना ली। इसके बाद अल्काराज को एक बड़ा ब्रेक मिला क्योंकि कोर्ट पर बारिश शुरू हो गई थी, जिससे छत बंद करने के लिए खेल 20 मिनट के लिए स्थगित कर दिया गया, इस दौरान उनके टखने पर पट्टी लगी हुई थी। दो बार खेल स्थगित होने के बाद अल्काराज ने सेट पूरा किया और दूसरे सेट पर पूरी तरह नियंत्रण के साथ 90 मिनट में जीत हासिल कर ली।

मैच के बाद अल्काराज ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैच की शुरुआत में जो कुछ भी हुआ, उसके अलावा मैंने बेहतरीन टेनिस खेला। मैं जीत हासिल करके खुश हूं और मुझे खुशी है कि मैं मैच के अंत तक खेल पाया।' अलकाराज को उम्मीद है कि वह शनिवार को बेल्जियम के जिजो बर्ग्स के खिलाफ दूसरे दौर के मुकाबले में खेल सकते हैं, लेकिन वह अपनी उपलब्धता के बारे में पूरी तरह से प्रतिबद्ध नहीं थे। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता, अगले मैच से पहले मेरे लिए यह डेढ़ दिन का महत्वपूर्ण समय है। देखते हैं क्या होता है। मैं अच्छी स्थिति में रहने के लिए जो भी करना होगा, करुंगा और मैं अगले दौर में खेलने के लिए तैयार हूं।'

अभिषेक ने एशिया कप में रोहित और जयसूर्या का रिकार्ड तोड़ा

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बांग्लादेश के खिलाफ सुपर फोर मुकाबले में पांच छक्के लगाने के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल की है। अभिषेक ने इस मैच में रोहित शर्मा का भारत की ओर से एशिया कप में सबसे अधिक 12 छक्के लगाने का रिकार्ड तोड़ दिया। वहीं दुनिया भर की बात करे तो सबसे अधिक 14 छक्के का रिकार्ड श्रीलंका के पूर्व कप्तान सनत जयसूर्या का था और वह भी अभिषेक ने तोड़ दिया। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में अभिषेक ने पहला छक्का लगाते ही रोहित के 12 छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। अब तक अभिषेक ने 17 छक्के लगा दिये हैं। अभिषेक ने बांग्लादेश के खिलाफ 37 गेंदों में 5 छक्कों और 6 चौकों की सहायता से 75 रन बनाये।

अभिषेक ने इसी के साथ ही एशिया कप के एक संस्करण में किसी बल्लेबाज द्वारा लगाए गए सर्वाधिक छक्कों के जयसूर्या के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। जयसूर्या ने एशिया कप के एक ही सत्र में 14 छक्के लगाये थे।

एक एशिया कप में किसी बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक छक्के

17 - अभिषेक शर्मा (भारत) - टी20, 2025

14 - सनथ जयसूर्या (श्रीलंका) - एकदिवसय, 2008

13 - रोहित शर्मा (भारत) - एकदिवसीय, 2018

12 - शाहिद अफरीदी (पाकिस्तान) - एकदिवसीय, 2010

12 - रहमानुल्लह गुरबाज (अफगानिस्तान) - टी20, 2022।

श्रेयस ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के लिए कप्तान बनाये गये

-ईरानी कप में रजत शेष भारत टीम की कप्तानी करेंगे

मुम्बई (एजेंसी)। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ होने वाली तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज के लिए भारत ए के कप्तान बनाये गये हैं। ये सीरीज 30 सितंबर से कानपुर में शुरु होगी। वहीं श्रेयस के अभी टेस्ट टीम में वापसी की संभावना नहीं है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार श्रेयस ने फिट नहीं होने के लिए अगले छह माह तक टेस्ट नहीं खेलने की बात कही है।

अय्यर ने हाल ही में चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर को बताया है कि वह कमर की तकलीफ के कारण अभी टेस्ट क्रिकेट नहीं खेल सकते। इसी कारण उन्हें वेस्टइंडीज दौरे के लिए भी टीम में शामिल नहीं किया गया है। भारत ए टीम में स्पिनर रवि बिश्नोई, विकेटकीपर बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह, हरफनमौला रियान पराग और आयुष बदोनी को भी शामिल किया गया है।वहीं भारतीय टीम के साथ यूएई में एशिया कप खेल रहे हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह पहला मैच नहीं खेल पायेंगे और इसके बाद के दो मैचों के लिए टीम से जुड़ जाएंगे। दूसरी ओर रजत पाटीदार को विदर्भ के खिलाफ नागपुर में एक अक्टूबर से होने वाले ईरानी कप मैच के लिए शेष भारत की कप्तानी मिली है। पहले एकदिवसीय के लिए भारत ए टीम- श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रभसिमरन सिंह, रियान पराग, आयुष बडोनी, सूर्यांश शेडगे, विपराज निगम, निशांत सिंधू, गुरजपनीत सिंह, युधवीर सिंह, रवि बिश्नोई, अभिषेक पोरेल, प्रियांश आर्य और सिमरजीत सिंह।

दूसरे और तीसरे एकदिवसीय के लिए भारत ए टीम- श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह, रियान पराग, आयुष बडोनी, सूर्यांश शेडगे, विपराज निगम, निशांत सिंधू, गुरजपनीत सिंह, युधवीर सिंह, रवि बिश्नोई, अभिषेक पोरेल, हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह

शेष भारत टीम (ईरानी कप)- रजत पाटीदार (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन , आर्यन जुयाल, रूतुराज गायकवाड़, यश ढुल, शेख रशीद, ईशान किशन, तनुष कोटियान, मानव सुतार, गुरनूर बरार, खलील अहमद, आकाश दीप, अंशुल कम्बोज और सारांश जैन।

सैमसन को पांचवें नंबर पर भी नहीं उतारने से गंभीर की रणनीति पर उठे सवाल

मुम्बई ।बांग्लादेश के खिलाफ हुए सुपर फोर मैच में पांच विकेट गिरने के बाद भी संजू सैमसन को बल्लेबाजी के लिए नहीं भेजने को लेकर भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर टीम आलोचकों के निशाने पर हैं।इस मैच में सैमसन से पहले शिवम दुबे और अक्षर पटेल को उतार दिया गया।वहीं संजू बैठे रह गये।इससे टीम अधिक रन नहीं बना पायी।अक्षर पटेल 15 गेंदों में 10 रन और शिवम दुबे 3 गेंदों में 2 रन ही बना लाये। ऐसे में गंभीर की रणनीति पर फिर सवाल उठे हैं।बांग्लादेश के खिलाफ मैच में जो टीम शीट थी, उसके अनुसार सैमसन को पांचवे नंबर पर उतरना था पर वह नंबर 7 तक नजर नहीं आये। वहीं टीम के सहायक कोच रयान टेन डोएशे ने कहा था कि मैनेजमेंट संजू सैमसन को नंबर 5 पर उतारना चाहता था।

सैमसन टी20 विश्व कप 2024 के बाद से ही पारी शुरु कर रहे थे पर शुभमन गिल की वापसी के कारण उन्हें अवसर नहीं मिल रहा। अपना बांग्लादेश के खिलाफ मैच में बल्लेबाजी क्रम में काफी बदलाव देखा गया।शिम दुबे नंबर तीन पर उतरे, चार पर कप्तान सूर्यकुमार यादव आए, पांच पर हार्दिक पांड्या, 6 पर तिलक वर्मा और सात पर अक्षर पटेल ने बल्लेबाजी की।इसपर पूर्व क्रिकेटर डोडा गणेश ने नाराजगी जतायी है।उन्होंने कहा, 'सैमसन को आठवें नंबर पर रखना किसी भी तरीके से गलत था।'

विराट के विश्वकप खेलने की संभावनाएं कम हुई, बीसीसीआई से संवादहीनता भी बन रही कारण

मुम्बई ।भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के 2027 के एकदिवसीय विश्वकप में खेलने की संभावनाएं कम ही हैं।इसका कारण ये है कि विराट ने अभी तक अपने खेलने को लेकर किसी भी प्रकार के संकेत नहीं दिये हैं।वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार विराट और क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के बीच संवादहीनत से भी विराट के एकदिवसीय करियर को लेकर कुछ भी स्पष्ट नहीं हो रहा है। विराट ने इस साल टेस्ट से संन्यास ले लिया।पिछले साल उन्होंने भारत के टी20 विश्व कप जीतने के बाद वह प्रारुप छोड़ दिया था।वह एकदिवसीय में अंतिम बार भारत के लिए इस साल चैंपियंस ट्रॉफी में दिखे थे, जिसमें टीम इंडिया चैंपियन बनी थी। इस साल आईपीएल फाइनल के बाद कोहली प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से पूरी तरह दूर हैं।वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार टीम प्रबंधन चाहता है था कि अक्टूबर में होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ होम सीरीज का हिस्सा रहें पर चयनकर्ताओं ने उनका नाम शामिल नहीं किया।वहीं ये भी कहा जा रहा है अक्टूबर में होने वाला ऑस्ट्रेलिया दौर विराट के करियर का अंतिम दौरा होगा।

खत्म हो जाएगा मोहम्मद शमी का करियर ! वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में नहीं मिली जगह, अजीत अगरकर ने बताई बाहर होने की वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंबे समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे टीम इंडिया के अनुभवी खिलाड़ी मोहम्मद शमी को एक बार फिर मौका नहीं मिला है। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए उनकी फिर अनदेखी हुई है। ये दूसरा मौका है जब वह टीम इंडिया में अपनी जगह नहीं बना पाए हैं। बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने शमी के बाहर ने की वजह बताई है। अजीत अगरकर ने कहा कि, उन्हें पता नहीं है कि शमी कितने फिट हैं और उन्होंने ज्यादा क्रिकेट नहीं खेली है।

बता दें कि, शमी ने आखिरी बार दलीप ट्रॉफी के दौरान लाल गेंद से क्रिकेट खेला था। ईस्ट जोन के लिए वह प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं कर पाए। शमी ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट मैच 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेला था। अगरकर ने कहा कि, इस तेज गेंदबाज ने पिछले कुछ सालों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ज्यादा मैच नहीं खेले हैं और उन्हें टीम में वापसी के लिए घरेलू टूर्नामेंट में और ज्यादा प्रदर्शन करने की जरूरत है।

शमी के बारे में पूछने पर अगरकर ने कहा कि अभी उन्हें पता नहीं है कि वह कितने फिट हैं। उन्होंने कहा कि, हमें कोई अपडेट नहीं मिली है। मुझे लगता है कि उन्होंने पिछले 2-3 सालों में ज्यादा क्रिकेट नहीं खेली है। पिछले दो तीन साल में बंगाल के लिए एक मैच और दलीप ट्रॉफी का एक मैच खेला है। ऐसे में शमी के लिए टेस्ट करियर लगभग खत्म होने के कगार पर है।

महिला निशानेबाजों ने 50 मीटर राइफल प्रोन में किया क्लीन स्वीप

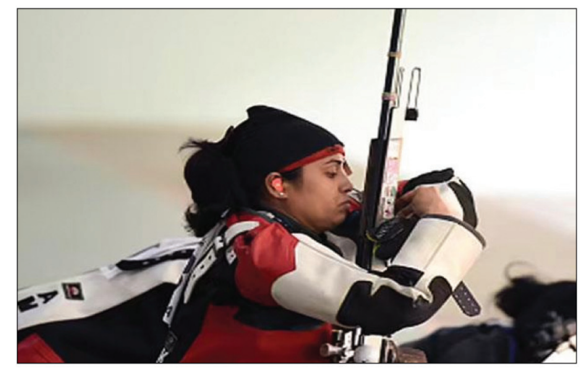

नयी दिल्ली।भारतीय जूनियर महिला निशानेबाजों ने बृहस्पतिवार को यहां 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में क्लीन स्वीप किया तो वहीं पुरुषों ने इसी स्पर्धा में एक रजत और एक कांस्य पदक हासिल किया जिससे देश ने आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में मजबूत शुरूआत की।कजाखस्तान में एशियाई चैंपियनशिप में 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशंस का जूनियर स्वर्ण पदक जीतने वाली युवा अनुष्का ठोकुर ने डा. कर्णी सिंह रेंज में 621.6 अंक से पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल किया।इस गैर ओलंपिक स्पर्धा में 18 साल की अंशिका ने 619.2 अंक से रजत पदक और 20 साल की आध्या अग्रवाल ने 615.9 अंक से कांस्य पदक जीता। पुरुषों की 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में दीपेंद्र सिंह शेखावत ने रजत पदक और रोहित कन्यान ने कांस्य पदक हासिल किया।दीपेंद्र ने 617.9 अंक जबकि रोहित ने 616.3 अंक बनाए।इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट कामिल नुरियाखमेतोव ने 618.9 अंक बनाकर जीता।वहीं तीन अन्य भारतीय नितिन वाघमारे, कुशाग्र सिंह और कुणाल शर्मा क्रमश- पांचवें, आठवें और 11वें स्थान पर रहे।

राहुल चाहर सरे की ओर से काउंटी क्रिकेट खेलने नजर आयेंगे

लंदन (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर राहुल चाहर अब सरे की ओर से इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलने हुए नजर आयेंगे। राहुल को सरे ने हैम्पशर के ख़िलाफ होने वाले सत्र के अंतिम मैच के लिए शामिल किया है। सरे का प्रयास चौथी बार काउंटी चैंपियनशिप ख़िताब अपने नाम करना है। चाहर को इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के नियमों के अनुसार, सितंबर की शुरुआत में सरे के लिए खेलने के लिए पंजीकृत किया गया था। नॉटिंघमशर के खिलाफ मैच में सरे को 20 रनों से हार मिली जिसका मतलब था कि ख़िताबी दौड़ का नियंत्रण नॉटिंघमशर के हाथ में चला गया। चाहर नियमित रूप से राजस्थान के लिए रणजी ट्रॉफ़ी में खेलते रहे हैं और इस सत्र के आईपीएल में भी सनराइज़र्स हैदराबाद के लिए एक उतरे थे। कुल मिलाकर, उन्होंने 24 प्रथम श्रेणी मैचों में 26.12 की औसत से 87 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 148 रन देकर 9 विकेट रहा है। उन्होंने 2019 और 2021 के बीच भारत के लिए एक वनडे और छह टी20 इंटरनेशनल मैच भी खेले हैं। उन्होंने 2019 और 2020 में मुंबई इंडियंस की खिताबी जीत में जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। चाहर ने कहा, मैं इस हफ़्ते के मैच के लिए सरे से जुड़ने को लेकर उत्साहित हूं। मैं यहां प्रभाव डालने और सीजन के आखिरी मैच में टीम की सहायता करने आ रहा हूं। उन्हें सरे के दोनों मौजूदा स्पिन गेंदबाजों , विल जैक्स और कैम स्टील के चोटिल होने के बाद टीम में शामिल किया गया है। क्लब के हाई-परफ़ॉर्मेंस सलाहकार, एलेक स्टीवर्ट ने कहा, राहुल को टीम में शामिल करने से हमें एक और स्पिन गेंदबाजी विकल्प मिल गया है। उन्होंने कहा, हमें हमेशा से पता था कि सत्र के आखिरी दौर में हमारे खिलाड़ी नहीं खेल पाएंगे और हमने संभावित मैदानों और जिस प्रतिद्वंद्वी टीम से हम खेल रहे हैं, उसे देखते हुए उसी के अनुसार योजना बनाने का प्रयास किया।

स्टोक्स एशेज में इंग्लैंड की कप्तानी करेंगे, ब्रूक होंगे उपकप्तान

लंदन ।इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरु हो रही पांच मैचों की एशेज टेस्ट सीरीज के लिए ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को कप्तान बनाया है। वहीं उभरते हुए बल्लेबाज हैरी ब्रूक को उप-कप्तान बनाया गया है। एशेज सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम नवंबर की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया जाएगी।अनुभवी तेज गेंदबाज मार्क वुड और स्पिनर शोएब बशीर को भी टीम में शामिल किया गया है। युवा तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स और ऑलराउंडर विल जैक की भी टीम में वापसी हुई है। पॉट्स को एक साल बाद जबकि विल को तीन साल बाद फिर खेलने का अवसर मिला है। इंग्लैंड की टीम एशेज सीरीज के लिए नवंबर में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी, जहां वह पांच टेस्ट मैच खेलेगी। एशेज सीरीज 21 नवंबर से शुरू होकर 8 जनवरी 2026 तक चलेगी। दोनों टीमों के बीच एशेज सीरीज का पहला मुकाबला पर्थ में 21 से 25 नवंबर, दूसरा ब्रिस्बेन में 04 से 08 दिसंबर, तीसरा एडिलेड में 17 से 21 दिसंबर, चौथा मेलबोर्न में 26 से 30 दिसंबर और पांचवा मुकाबला 04 जनवरी से 08 जनवरी तक खेला जाएगा।

बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक (उप-कप्तान), ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, बेन डकेट, विल जैक्स, ओली पोप, मैथ्यू पॉट्स, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टोंग, मार्क वुड।

एशिया कप में कैच छोड़ना बना भारत की सबसे बड़ी चुनौती, भारत के आंकड़े चौंकाने वाले

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने एशिया कप 2025 के फ़ाइनल में जगह पक्की कर ली है और खिताब की रेस में वह सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है। लेकिन टीम की सबसे बड़ी चिंता है मैदान पर कैच छोड़ना। अब तक इस टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों ने 12 कैच छोड़े हैं, जो किसी भी टीम से ज़्यादा हैं। यह आंकड़ा बताता है कि टीम का सबसे कमजोर पहलू फ़ील्डिंग बनता जा रहा है।

कैचिंग आंकड़े चौंकाने वाले

भारत की कैचिंग सफलता दर केवल 67.5त्न है, जो हांगकांग चीन के बाद टूर्नामेंट में सबसे खराब है। दूसरे शब्दों में, हर तीसरे मौके पर गेंदबाज़ों की मेहनत बेकार चली जाती है। यही वजह है कि मज़बूत बैटिंग और गेंदबाज़ी के बावजूद भारत को फील्डिंग पर सवाल झेलने पड़ रहे हैं।

वरुण चक्रवर्ती की साफ राय

चार कैच तो अकेले वरुण चक्रवर्ती की गेंदबाज़ी पर छूटे हैं। बांग्लादेश मैच के बाद उन्होंने साफ शब्दों में कहा,

''इस टीम को विश्व कप तक एक मिशन के लिए चुना गया है। हमें फ़ील्डिंग में सुधार करना होगा। पिछले मैच के बाद कोच ने कुछ नहीं कहा था, लेकिन आज के बाद उनके पास कहने को बहुत कुछ होगा।'

'रिंग ऑफ फायर' में मुश्किलें

दुबई का इंटरनेशनल स्टेडियम, जिसे 'रिंग ऑफ फ़ायर' कहा जाता है, अपने फ्लडलाइट्स और नमी की वजह से फील्डरों के लिए मुश्किलें खड़ी करता है। गेंद अचानक नीचे गिरती हुई नज़र आती है और कई बार हाथ से फिसल जाती है। वरुण ने माना कि माहौल चुनौतीपूर्ण है, लेकिन साथ ही जोड़ा, 'इस स्तर पर आप बहाने नहीं बना सकते। हर कैच पकड़ना ही होगा।'

फाइनल से पहले चेतावनी

भारतीय टीम फाइनल तक पहुंच चुकी है, लेकिन अब एक भी गलती भारी पड़ सकती है। किसी बड़े मैच का पासा अक्सर एक ही छूटे कैच से पलट जाता है। ऐसे में कप्तान और फील्डिंग कोच के लिए यह सबसे अहम समय है कि टीम को फील्डिंग में अनुशासन और भरोसेमंद प्रदर्शन के लिए तैयार किया जाए। अगर भारत को एशिया कप जीतना है, तो बल्ला और गेंद के साथ-साथ फील्डिंग में भी बेस्ट देना होगा।

टीएमसी नेता घोष को मिथुन चक्रवर्ती पर टिप्पणी करने से हाईकोर्ट ने रोका

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट की एकल पीठ ने पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के राज्य महासचिव कुणाल घोष को अगले तीन महीनों तक सुपरस्टार और बीजेपी नेता मिथुन चक्रवर्ती के बारे में किसी भी प्रकार की सार्वजनिक टिप्पणी करने से मना कर दिया है। मानहानि याचिका में चक्रवर्ती ने घोष पर कुछ सार्वजनिक टिप्पणियां करने का आरोप लगाया था। चक्रवर्ती ने अपनी याचिका में शिकायत की कि घोष द्वारा की गई अपमानजनक टिप्पणियों से उनकी सामाजिक छवि को धूमिल किया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार को जब मामला सुनवाई के लिए आया, तो मिथुन चक्रवर्ती के वकील ने कोरट में दलील दी कि घोष द्वारा सार्वजनिक रूप से की गई अपमानजनक टिप्पणियों ने न केवल चक्रवर्ती और उनके परिवार के सदस्यों की सामाजिक छवि को धूमिल किया है, बल्कि एक अभिनेता के रूप में उनकी पेशेवर संभावनाओं को भी प्रभावित किया है। इस मामले में विस्तृत सुनवाई के बाद, एकल पीठ ने घोष को इस मामले में नोटिस जारी करने का निर्देश दिया और उन्हें अगले तीन महीनों तक चक्रवर्ती के बारे में किसी भी प्रकार की सार्वजनिक टिप्पणी करने से रोक दिया। बता दें हाल ही में घोष ने मिथुन पर चिटफंड संस्थाओं के साथ संलिप्तता का आरोप लगाते हुए कई सार्वजनिक टिप्पणियां की थीं। घोष ने चक्रवर्ती पर राजनीतिक खेमा बदलने को लेकर निशाना साधा था। चक्रवर्ती ने टीएमसी के राज्य महासचिव पर उनके बेटे और पत्नी के बारे में अपमानजनक और असत्य टिप्पणियां करने का भी आरोप लगाया। शुरुआत में मिथुन चक्रवर्ती ने घोष को एक कानूनी नोटिस भेजा था। हालांकि, जब नोटिस का कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो उन्होंने कलकत्ता हाईकोर्ट में उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर कर दिया।

वोट चोरी मामले में राहुल गांधी के हाइड्रोजन बम वाले बयान के बाद आदित्य ठाकरे ने कहा- चुनाव आयोग पर सर्जिकल स्ट्राइक करेंगे हम

मुंबई(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी का गंभीर आरोप लगाते हुए हाइड्रोजन बम जैसी जानकारी उजागर करने की बात कह रहे हैं। इसी तर्ज पर अब आदित्य ठाकरे ने कहा है कि चुनाव आयोग पर सर्जिकल स्ट्राइक वे करेंगे। एक तरफ जहां विभिन्न मंचों से कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनावी पारदर्शिता और मतदान प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को लेकर तीखे आरोप लगाए हैं, वहीं उन्होंने दावा दोहराया कि कांग्रेस के पास कुछ ऐसे सबूत हैं जो इस मामले में बड़ा खुलासा कर सकते हैं, उन्होंने इसे एक हाइड्रोजन बम बताया। राहुल गांधी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के नतीजों और वोटर-रोल में दर्ज असामान्यताओं के संदर्भ में भी गंभीर आरोप लगाए। अब इसी तर्ज पर आदित्य ठाकरे ने भी मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में सर्जिकल स्ट्राइक करने की बात कह कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। यहां पर आदित्य ठाकरे ने राहुल गांधी के तेवर को दोहराते हुए कहा कि वे भी महाराष्ट्र के पिछले विधानसभा चुनावों में हुई कथित गड़बड़ियों के पर्दाफाश के लिए तैयारी कर रहे हैं और चुनाव आयोग पर 'सर्जिकल स्ट्राइक' जैसी कार्रवाई करने का संकेत उन्होंने दिया। आदित्य ने बताया कि उनकी टीम संबंधित डेटा और शिकायतों का विश्लेषण करने में लगी हुई है। हालांकि उन्होंने इसका समय और विस्तृत जानकारी साझा करने से फिलहाल इनकार कर दिया और कहा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सभी जरूरी बातें सभी के सामने रखेंगे।

दिल्ली हिट-एंड-रन मामला- गगनप्रीत की जमानत याचिका पर सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन मामले में आरोपी गगनप्रीत की जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी हो गई है और कोर्ट ने अपना फैसला 27 सितंबर को सुनाने के लिए सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट में सुनवाई के दौरान 0दिल्ली पुलिस ने घटना से जुड़ा सीसीटीवी फुटेज कोर्ट को सौंपा और कोर्ट ने उस सीसीटीवी फुटेज को देखा। सुनवाई के दौरान पुलिस ने तर्क दिया कि घायल को दुर्घटनास्थल के पास के स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में ले जाने के बजाय न्यू लाइफ नर्सिंग होम में ले जाया गया, जो गंभीर मामलों के लिए उचित नहीं है। वहीं गगनप्रीत के वकील ने कहा कि उन्होंने अपने घायल पति को छोड़कर घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने यह भी बताया कि पुलिस को पीसीआर कॉल भी की गई थी। इस मामले में कोर्ट का फैसला 27 सितंबर को आएगा, जो इस केस की आगे की दिशा तय करेगा। गगनप्रीत पर गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज है।

नवरात्रि उत्सव के बीच महाराष्ट्र के शांतिपूर्ण माहौल को खराब करने की कोशिश ना करे : नितेश राणे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने नवरात्रि उत्सव के बीच राज्य के शांतिपूर्ण माहौल को खराब करने को लेकर आगाह किया है। राणे ने मुंबई के मानखुर्द इलाके में सकल हिंदू समाज द्वारा आयोजित एक दुर्गा पंडाल के दौरे में कहा कि त्यौहार के समय किसी को भी हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। गौरतलब है कि मानखुर्द में देवी दुर्गा की मूर्ति को कथित तौर पर अपवित्र करने के बाद तनाव बढ़ गया, जिसके कारण दो समूहों के बीच झड़प हुई। राणे ने कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ महायुति एक हिंदुत्ववादी सरकार है, जो हिंदू वोटों के समर्थन से चुनी गई है, और जो लोग गोल टोपी पहनते हैं, उन्होंने इस सरकार को वोट नहीं दिया। भाजपा नेता राणे ने प्रदेश का शांतिपूर्ण माहौल बिगाड़ने के खिलाफ आगाह कर कहा, आप अपने त्यौहार शांतिपूर्वक मनाएं, हम अपने त्यौहार मनाएंगे। हमारी तरफ आंख उठाकर मत देखिए। मंत्री ने कहा, हम मुंबई का माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति को बर्दाश्त नहीं करने वाले है। उन्होंने कहा कि अगर किसी को त्यौहार मनाने के लिए अनुमति चाहिए, उन्हें सरकार से संपर्क करना चाहिए और तुरंत अनुमति दे दी जाएगी। राणे ने कार्यक्रम के दौरान महाआरती में भाग लिया।

आखिरकार क्या है संविधान की छठी अनुसूची... जिसके लिए जल उठा केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख

-पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने 50 लोगों को हिरासत में लिया

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग पर हजारों युवाओं ने लेह की सड़कों पर हंगामा, आगजनी, हिंसा और उपद्रव किया। कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा बलों के साथ हिंसक झड़प हुई, जिसमें अब तक चार लोगों की मौत की खबर है, जबकि इन झड़पों में 80 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। गुरुवार को पुलिस और अर्धसैनिक बलों द्वारा कर्फ्यू का सख्ती से पालन करने के दौरान करीब 50 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

दरअसल छठी अनुसूची भारतीय संविधान की एक अहम अनुसूची है, जो पूर्वोत्तर भारत के कुछ आदिवासी क्षेत्रों को स्वायत्तता देती है, ताकि उनकी संस्कृति, जमीन और संसाधनों की रक्षा हो सके। यह अनुसूची आदिवासी बहुल पहाड़ी चार राज्यों जिसमें असम, मेघालय, त्रिपुरा, और मिजोरम में लागू है। यह जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन से संबंधित है जो इन समुदायों को अपनी पहचान और परंपराओं को बनाए रखने में मदद करती है। इसके तहत स्वायत्त जिला परिषदों का गठन होता है, जो स्थानीय स्तर पर भूमि, जंगल, शिक्षा और टैक्स जैसे मामलों पर कानून बना सकती हैं।

छठी अनुसूची के प्रावधान भारतीय संविधान के अनुच्छेद 244(2) और 275(1) के तहत दिए गए हैं। इस अनुसूची का मुख्य उद्देश्य इन क्षेत्रों की जनजातीय आबादी की संस्कृति, उनकी पहचान और उनके अधिकारों की रक्षा करना है। प्रावधानों के मुताबिक, प्रत्येक स्वायत्त जिले में एक परिषद होता है, इसमें करीब 30 सदस्य होते हैं। इसमें से 4 राज्यपाल या उपराज्यपाल द्वारा मनोनीत होते हैं और 26 वोटिंग के जरिए चुने जाते हैं।

स्वायत्त परिषद के क्या अधिकार?

इन परिषदों के पास कानून बनाने, भूमि, वन, नहर, जल, स्थानांतरण, ग्राम प्रशासन, विवाह और सामाजिक रीति-रिवाजों जैसे मामलों को कंट्रोल करने की शक्तियाँ होती हैं। वे भूमि राजस्व और कुछ अन्य टैक्स भी लगा सकते हैं। इसके अलावा इन परिषदों के पास कुछ न्यायिक शक्तियां भी होती हैं। छठी अनुसूची के प्रावधान इन स्वायत्त परिषदों को कुछ सिविल और आपराधिक मामलों की सुनवाई करने और उस पर फैसला सुनाने के भी शक्ति देता है।

बात दें कि लद्दाख के लोग लंबे समय से संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग करते रहे हैं। यह मांग इस क्षेत्र के लोगों, खासकर जनजातीय समुदायों की पहचान, उनकी भूमि और संस्कृति की सुरक्षा से जुड़ी है। दरअसल, लद्दाख एक आदिवासी बहुल क्षेत्र है, जहाँ की 97 प्रतिशत से अधिक आबादी अनुसूचित जनजाति (एसटी) मानी जाती है। यहां मुख्यत-बौद्ध और मुस्लिम संस्कृति है, इस बचने की मांग होती रही है। अगर लद्दाख को छठी अनुसूची में शामिल किया जाता है, तब इन समुदायों के पारंपरिक रीति-रिवाजों, सामाजिक प्रथाओं और सामाजिक चलन समेत उनकी ऐतिहासिक विरासत को संरक्षण मिल सकेगा।

लेकिन लद्दाख के लोगों को अब यह डर भी है कि केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद, बाहरी लोग उनकी जमीनें खरीद सकते हैं और उनके संसाधनों को हाथिया सकते हैं। इसके कारण छठी अनुसूची लागू होने से उन्हें अपनी भूमि और संसाधनों पर नियंत्रण मिल जाएगा, और बाहरी लोगों द्वारा उनके शोषण नहीं हो सकेगा। लद्दाख के लोगों की यह भी मांग है कि सरकारी नौकरियों में स्थानीय युवाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित किया जाए। छठी अनुसूची के तहत स्वायत्त परिषदें रोजगार और शिक्षा के मामलों पर नियम बना सकेंगी जिससे स्थानीय लोगों के हितों की रक्षा हो सकेगी।

जयशंकर ने ग्लोबल साउथ की आवाज मजबूत करने के साथ ही वैश्विक चुनौतियों के समाधान की रखी रणनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ग्लोबल साउथ देशों को अपनी क्षमताओं का बेहतर उपयोग करने और उभरती वैश्विक चुनौतियों का समाधान सामूहिक रूप से खोजने की रणनीति पेश की। जयशंकर ने कहा कि ग्लोबल साउथ देशों को राजनीति, कूटनीति, विकास और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में मिलकर आगे बढ़ना चाहिए। बैठक में 18 देशों ने हिस्सा लिया, इसमें सिंगापुर, इंडोनेशिया, नाइजीरिया, क्यूबा, चाड, जमैका, वियतनाम, मॉरीशस और मोरक्को जैसे देश शामिल थे। भारत की यह पहल 'ग्लोबल साउथ की आवाज' को मजबूत करने की उसकी रणनीति का हिस्सा है। मालदीव के विदेश मंत्री ने कहा कि ग्लोबल साउथ की असली ताकत उसकी एकता और सामूहिक कार्रवाई में है। उन्होंने समावेशी और टिकाऊ विकास पथ को आगे बढ़ाने के लिए साझेदारी की प्रतिबद्धता जताई। जयशंकर ने सुझाव दिया कि ये देश एक-दूसरे की उपलब्धियों और अनुभवों से लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने वैक्सीन उत्पादन, डिजिटल क्षमताओं, शिक्षा, कृषि पद्धतियों और लघु एवं मध्यम उद्योगों जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं गिनाईं। भविष्य की दिशा बताते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि इन देशों को उभरती प्रौद्योगिकियों, विशेषकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के अवसरों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और बहुपक्षीय मंचों में सुधार के लिए मिलकर प्रयास करने का भी आह्वान किया। जयशंकर ने कहा कि मौजूदा मंचों का उपयोग कर देशों के बीच एकजुटता बनाई जा सकती है और यही ग्लोबल साउथ की सामूहिक ताकत को वैश्विक स्तर पर स्थापित करेगा।

असम राइफल्स पर हमला करने वाला गिरफ्तार, भारी संख्या में हथियार बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में 19 सितंबर को असम राइफल्स के काफिले पर मणिपुर के प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के आतंकवादियों द्वारा ही फायरिंग की गई थी। मामले में खोमद्रम ओजित सिंह उर्फ कीलाल (47) को गिरफ्तार किया है, जो हमला करने वालों में शामिल था। हमले के दौरान इसने जर्मनी राइफल हेकलर एंड कोच से और इसके तीन से चार साथियों ने अमेरिकी राइफल एम-16 और एके-47 से गोलियां बरसाई थीं।

मणिपुर पुलिस के डीजीपी ने बताया कि आरोपी खोमद्रम को 23-24 सितंबर की रात गिरफ्तार किया था। इस बारे में एक खुफिया सूचना मिली थी। जिस पर इंफाल पश्चिम पुलिस और 33-एआर समेत अन्य सुरक्षाबलों की अलग-अलग टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 सितंबर की रात एक बजे से विशेष अभियान चलाया, जिसमें इंफाल पश्चिम के लेइकाई इलाके का रहने वाला यह मुख्य आरोपी पकड़ा गया। पूछताछ में इसने अपना गुनाह कबूल कर बताया कि इसने अपने कुछ अन्य साथियों के साथ मिलकर 19 सितंबर को मणिपुर के नांबोल में असम राइफल्स के काफिले पर हमला किया था। पुलिस को उसने यह भी कि बताया कि वह पीएलए का मेंबर है और जमानत पर जेल से बाहर आया है। वह अभी भी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के लिए काम करता है। इससे पहले उसे 22 अप्रैल 2007 को भी गिरफ्तार किया गया था। हमला करने के बाद वह अन्य हमलावरों के साथ भाग गया था। जहां उन्होंने अपने हथियार और गोला-बारूद छिपाए।

आंध्र में नायडू सरकार के खिलाफ पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी ने 'ऑल आउट वॉर' का ऐलान किया

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने अपनी पार्टी वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के नेताओं और कार्यकर्ताओं से तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के खिलाफ 'ऑल आउट वॉर' यानी पूरी तरह से जंग के लिए तैयार रहने को कहा है। उन्होंने नायडू सरकार की कथित गलत नीतियों, भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था की बिगड़ी स्थिति को उजागर करने का आव्हान किया है। उन्होंने ये घोषणा गुंटूर जिले के ताडेपल्ली में कार्यकारी कमेटी की बैठक के दौरान की गई, जिसमें पार्टी के विधायक, एमएलसी और अन्य प्रमुख नेता शामिल थे। पूर्व सीएम रेड्डी ने दावा किया कि गठबंधन सरकार के 15 महीनों के शासन में ही लोगों में काफी गुस्सा है क्योंकि वे भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और कानून व्यवस्था की बिगड़ी स्थिति से परेशान हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपने सुपर सिक्स वादों को पूरा करने में विफल रही है, जिसमें बेरोजगारी भत्ता, स्त्री निधि और 50 वर्ष से कम उम्र की महिलाओं को पेंशन देने जैसे प्रमुख वादे शामिल थे। उन्होंने कहा कि जब विपक्षी पार्टियां सरकार की गलतियों को उजागर करती हैं, तब उन्हें परेशान करते है। उन्होंने इसतरह के मामलों को रिकॉर्ड करने के लिए डिजिटल बुक लांच करने की बात कहकर चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में इसका हिसाब लिया जाएगा।

जगन मोहन रेड्डी ने आरोप लगाया कि सरकार यूरिया की कमी को दूर करने में विफल रही है और सत्तारूढ़ पार्टी के नेता बिचौलियों के साथ मिलकर प्रीमियम पर यूरिया बेच रहे हैं। उन्होंने सरकार पर सार्वजनिक स्वास्थ्य को नजरअंदाज करने और मेडिकल कॉलेजों का निजीकरण करने की योजना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भूमि, शराब, बजरी और क्वार्ट्ज जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है, जिससे सरकारी खजाने को नुकसान हो रहा है और यह पैसा सत्ता में बैठे लोगों की जेब में जा रहा है।

टीडीपी का पलटवार

वाईएसआरसीपी के इन आरोपों पर पलटवार कर टीडीपी के वरिष्ठ नेता और राज्य के ऊर्जा मंत्री गोटीपति रवि कुमार ने रेड्डी के ऐलान का मज़ाक उड़ाया। उन्होंने कहा कि जगन मोहन रेड्डी भ्रष्टाचार के आरोपों में खुद 16 महीने जेल में रह चुके हैं, और उनका भ्रष्टाचार पर बात करना हास्यास्पद है। रवि कुमार ने कटाक्ष करते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि जगन ने यह बैठक अपनी सीबीआई मामले में जेल से रिहाई के 12 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए बुलाई है।

पूर्वी भारत के अनुभवी कॉन्ट्रैक्टर्स को डालमिया सीमेंट ने किया विशेष सम्मानित

पटना (एजेंसी)। भारत की प्रमुख सीमेंट मैन्युफैक्चरर कंपनियों में से एक, डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड (डीसीबीएल) ने अपनी प्रमुख पहल 'आप हैं सच्चे विश्वकर्मा' के तहत पूर्वी भारत के 431 वरिष्ठ कॉन्ट्रैक्टर्स के हुनर और समर्पण को सम्मानित किया। इसमें झारखंड के 31 अनुभवी कॉन्ट्रैक्टर्स को खास तौर पर उनके दशकों लंबे योगदान के लिए सम्मानित किया गया, जिन्होंने घर, समुदाय और निर्माण पेशे के नए जमाने के पेशेवरों को मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर सभी सम्मानित कॉन्ट्रैक्टर्स को शॉल, स्मृति चिन्ह, दीवार घड़ी और विशेष रूप से तैयार किया गया फोटो एल्बम भेंट किया गया, जिसमें उनके निर्माण और समुदाय सेवा के सफर का जिक्र शामिल है। इस कार्यक्रम में डालमिया सीमेंट के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ-साथ, डीलर्स, परिवार और कॉन्ट्रैक्टर समुदाय के सदस्य भी शामिल हुए, जिससे गर्व और भाईचारे का माहौल बना। इस अवसर पर कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, डालमिया भारत में, हम अपने वरिष्ठ कॉन्ट्रैक्टर्स के अनुभव और समर्पण को बेहद महत्व देते हैं, जिन्होंने दशकों तक गुणवत्ता निर्माण की मशाल थामे रखी है। उनके हुनर ने आकांक्षाओं को स्थायी वास्तविकताओं में बदल दिया है, जबकि उनके मार्गदर्शन ने नए जमाने के कुशल पेशेवर तैयार किए हैं। 'आप हैं सच्चे विश्वकर्मा' पहल के माध्यम से हम न सिर्फ उनके घर और समुदाय के निर्माण में योगदान को सम्मानित करते हैं, बल्कि पेशे में उनके शिक्षक और नेता के रूप में योगदान की भी सराहना करते हैं। हम इस परंपरा को हर साल जारी रखने, उनके योगदान को मनाने और निर्माण समुदाय को एकजुट करने वाले बंधनों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वर्ष 2020 में शुरू की गई 'आप हैं सच्चे विश्वकर्मा' पहल पूर्वी भारत में डालमिया सीमेंट की गतिविधियों के तहत ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल और झारखंड में महत्वपूर्ण पहल बन गई है। विगत पाँच वर्षों में इसने 2,000 से अधिक वरिष्ठ कॉन्ट्रैक्टर्स को सम्मानित किया।

एसबीआई कार्ड और इंडिगो ने लॉन्च किया प्रीमियम को-ब्रांडेड इंडिगो एसबीआई कार्ड

रांची। भारत में क्रेडिट कार्ड जारी करने वाली सबसे बड़ी कंपनी, एसबीआई कार्ड और भारत की सबसे पसंदीदा एयरलाइन, इंडिगो ने आज इंडिगो ब्लूचिप लॉयल्टी प्रोग्राम के तहत इंडिगो एसबीआई कार्ड के लॉन्च की घोषणा की। इस प्रीमियम को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड को दो अलग-अलग वेरिएंट, यानी इंडिगो एसबीआई कार्ड और इंडिगो एसबीआई कार्ड एलीट में लॉन्च किया गया है, ताकि अक्सर यात्रा करने वालों को शानदार रिवाड्र्स के साथ फायदेमंद अनुभव मिल सके। इस कार्ड के ग्राहकों को इंडिगो के इकोसिस्टम में उपलब्ध सभी सेवाओं के साथ-साथ होटल और ट्रैवल बुकिंग सहित दूसरी श्रेणियों में किए गए सभी खर्चों पर रिवॉड्र्स मिलेंगे। ग्राहक इस कार्ड के लिए एसबीआई कार्ड स्प्रिंट के जरिए, या फिर एसबीआई कार्ड की वेबसाइट SBI Card.com पर जाकर डिजिटल तरीके से आवेदन कर सकते हैं, साथ ही वे एसबीआई कार्ड के रिटेल कियोस्क पर जाकर ऑफलाइन आवेदन का विकल्प भी चुन सकते हैं। इंडिगो एसबीआई कार्ड को ग्राहकों के लिए हर यात्रा को रिवॉड्र्स से भरपूर और ज्यादा सहज बनाने के लिए काफी सोच-समझकर डिजाइन किया गया है, जिससे आपकी हर यात्रा बेहद फायदेमंद और शानदार बन जाती है। कार्डधारकों को इंडिगो के इकोसिस्टम में उपलब्ध सेवाओं पर खर्च के लिए इंडिगो एसबीआई कार्ड एलीट का उपयोग करने पर 7% और इंडिगो एसबीआई कार्ड का उपयोग करने पर 3% रिवॉड्र्स मिलेंगे। ग्राहक दूसरे प्लेटफॉर्म पर भी होटल और ट्रैवल बुकिंग के लिए इंडिगो एसबीआई कार्ड एलीट का इस्तेमाल करके किए गए खर्च पर 3% और इंडिगो एसबीआई कार्ड पर 2% रिवॉड्र्स का लाभ उठा सकते हैं। इतना ही नहीं, दूसरी सभी श्रेणियों में भी खर्च करने पर, इंडिगो एसबीआई कार्ड एलीट के ग्राहकों को 2% और इंडिगो एसबीआई कार्ड के ग्राहकों को 1% रिवॉर्ड का फायदा मिलेगा। इंडिगो एसबीआई कार्ड एलीट और इंडिगो एसबीआई कार्ड पर मिलने वाले रिवॉड्र्स सही मायने में सिर्फ. पॉइंट्स से कहीं बढ़कर हैं; बल्कि ये अपने आप में पूरी ट्रैवल करेंसी की तरह काम करते हैं।

ई-मेल ने बाबा और उसकी सहयोगी 3 महिलाओं की करतूतों को किया उजागर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। श्री शारदा इंसटीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट से जुड़े स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती की करतूतें सामने आ गई हैं। परेशान छात्राओं ने जब यौन उत्पीड़न की शिकायतें तो बाबा एक्सपोस हो गया। दरअसल एक वायू सेना के ग्रुप कमांडर का ई-मेल ने पूरे मामले का खुलासा कर दिया। इसमें बाबा की 3 सहयोगी महिलाओं की भी मिलीभगत सामने आई है। यह सनसनीखेज मामला तब सामने आया जब एक पूर्व छात्रा का पत्र और भारतीय वायुसेना के एक ग्रुप कैप्टन का ईमेल दोनों ही संस्थान को कुछ दिनों के अंदर प्राप्त हुए। इन शिकायतों ने शारदा पीठ और संस्थान की गवर्निंग काउंसिल को चौंका दिया। पूर्व छात्रा की चिट्ठी और ग्रुप कैप्टन के ईमेल ने बाबा और उनके तीन महिला सहयोगियों की साजिश का पर्दाफाश कर दिया।

खुद को आध्यात्मिक गुरु बताने वाला यह बाबा बड़ा कांडी निकला। एक या दो नहीं, बल्कि दर्जनभर से ज्यादा छात्राओं ने चैतन्यानंद पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोपी बाबा लंबे समय से छात्राओं के साथ खिलवाड़ कर रहा था। लेकिन कहते हैं न कि हर पापी के पाप का घड़ा एक दिन जरूर फूटता है। चैतन्यानंद के साथ भी कुछ वैसा ही हुआ। काली दुनिया का राज जबसे सामने आया है, बाबा के वीवीआईपी खेल का पर्दाफाश हुआ।शारदा पीठ की एक पूर्व छात्रा (जिसने इसी साल संस्थान से पढ़ाई पूरी की थी) ने 28 जुलाई को संस्थान के प्रशासन को पत्र लिखा। यह पत्र 31 जुलाई को रिसीव हुआ। इसमें छात्रा ने आरोप लगाया कि स्वामी छात्राओं से छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न कर रहे हैं। इसके बाद, 1 अगस्त को भारतीय वायुसेना के एक ग्रुप कैप्टन का ईमेल आया। उन्होंने बताया कि उन्हें भी एयरफोर्स परिवारों की कई छात्राओं से यौन शोषण की शिकायतें मिली हैं। शिकायतों के बाद 3 अगस्त को संस्थान की गवर्निंग काउंसिल ने 30 से ज्यादा छात्राओं के साथ वर्चुअल मीटिंग की। पुलिस अब तक 32 छात्राओं के बयान दर्ज कर चुकी है। इनमें ज्यादातर छात्राएं गरीब तबके या फिर फौजी परिवारों से ताल्लुक रखती हैं। आरोप है कि चैतन्यानंद और उनकी महिला सहयोगियों ने छात्राओं के एजुकेशन से जुड़े असली सर्टिफिकेट अपने कब्जे में ले लिए। इस वजह से विरोध करने वाली छात्राओं की पढ़ाई और करियर खतरे में पड़ गया।

मार्च 2025 में स्वामी ने नई कार की पूजा के लिए कुछ छात्राओं को ऋषिकेश ले गया था। आरोप है कि वापसी के दौरान उन्होंने लड़कियों पर अश्लील कमेंट किए। लौटने के बाद महिला स्टाफ ने छात्रा को स्वामी के साथ हुए चैट डिलीट करने के लिए मजबूर किया। छात्रा ने यह भी आरोप लगाया कि होली के बाद स्वामी ने उसे ऑफिस बुलाया और 'बेबी' कहकर संबोधित किया। इसके अलावा मोबाइल से वीडियो बनाकर व्हाट्सएप पर भेजा। जून 2025 में 35 लड़कियों को एक कमर्शियल यात्रा पर ऋषिकेश ले जाया गया। वहां, स्वामी रात को छात्राओं को बुलाते थे। जब छात्रा ने विरोध किया तो उसे परीक्षा में बैठने से रोक दिया गया और उसके सारे असली सर्टिफिकेट रख लिए। एफआईआर और छात्राओं के आरोपों के अनुसार, स्वामी चैतन्यानंद ने मठ के कमरे में वीआईपी और वीवीआईपी लोगों के साथ अपनी फर्जी तस्वीरें लगाई थीं। इन फर्जी फोटो का मकसद संस्थान और मठ में अपना रुतबा कायम रखना और छात्राओं व स्टाफ पर दबाव बनाना था। आरोपी बाबा इसके दम पर अपनी ठसक बनाने में कामयाब भी रहा।

फरार बाबा के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी

बाबा स्वामी चैतन्यनंद सरस्वती के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर भी जारी कर दिया गया है। डिप्टि कमिश्नर ऑफ पुलिस (दक्षिण-पश्चिम) अमित गोयल ने कहा, देश से भागने के किसी भी प्रयास को रोकने के लिए उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है। पुलिस द्वारा स्वामी के मोबाइल,

सीसीटीवी फुटेज और डिजिटल डिवाइस जब्त कर लिए गए हैं। पुलिस यह भी कोशिश कर रही है कि जिन अश्लील चैट्स को उसने छात्राओं से डिलीट करवाया था, उन्हें फॉरेंसिक तरीके से रिकवर किया जाए। यह पहला मौका नहीं है जब उस पर आरोप लगे हैं। साल 2006, 2009 और 2016 में भी उस पर यौन शोषण और धोखाधड़ी के केस दर्ज हुए थे। स्वामी पर 2009 में दिल्ली के डिफेंस कॉलोनी थाने में धोखाधड़ी का केस चला था। इसके अलावा, साल 2016 में एक छात्रा ने वसंत कुंज थाने में उसके खिलाफ छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार भी किया, लेकिन बाद में वह जमानत पर बाहर आ गया और संस्थान में काम करता रहा। उसके खिलाफ इस साल तीन और नए मामले दर्ज हुए हैं - 17 छात्राओं का यौन उत्पीड़न, फर्जी नंबर प्लेट का इस्तेमाल और मठ से धोखाधड़ी।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**